प्रातःनागपुरी

आपकी बात, निर्भीकता के साथ

आरएनआई पंजीयन सं. JHABIL/2023/86791

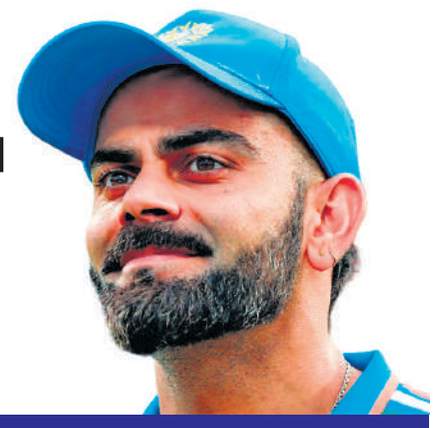

वर्ष : 02, अंक : 52 | रांची, शनिवार, 1 फरवरी 2025 (माघ शुक्ल 03, संवत 2081), पृष्ठ : 12, मूल्य : 3 रुपये | email: jharkhandwanitaudyog@gmail.com

तीसरी बड़ी इकोनॉमी की राह पर भारतः राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

- अभिभाषण में मोदी सरकार की गिनाईं उपलब्धियां

नई दिल्ली। शुक्रवार से संसद में बजट सत्र शुरू हुआ। इस दौरान राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने अपने अभिभाषण में मोदी सरकार की उपलब्धियों को गिनाया। राष्ट्रपति ने संसद के दोनों सदनों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत जल्द दुनिया की तीसरी बड़ी इकोनॉमी बनने की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई योजनाओं और उनसे होने वाले बदलावों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि लोन और बीमा को सबके लिए आसान बनाया है।

विदेशों से आया निवेश, युवाओं को मिला रोजगार : राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने कहा कि हमारी सरकार लगातार मिशन मोड में काम कर रही है, जिसका फायदा भी देखने को मिल रहा है। विदेशों से जमकर निवेश आ रहा है और इसके चलते देश के युवाओं को रोजगार के अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने अपने अभिभाषण में संविधान को अपनाए जाने के 75 साल पूरे होने का जिक्र भी किया, इसके अलावा जम्मू कश्मीर में रेल परियोजना के पूरे होने को बड़ी उपलब्धि बताया। इसके साथ ही एविएशन सेक्टर में भी बड़ा बूम आया है। शेष पेज 08 पर

अभिभाषण की 10 बड़ी बातें

- MSME के लिए क्रेडिट गारंटी स्कीम
- मुद्रा लोन 10 लाख से बढ़ाकर 20 लाख किया गया
- 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले
- इंटर्नशिप योजना ने युवाओं को मजबूत किया
- ड्रोन दीदी से महिला सशक्तीकरण, 3 करोड़ दीदी बनाने का लक्ष्य
- 8000 करोड़ खर्च कर देश में 52000 इलेक्ट्रिक बस चलेंगी
- 8वें वेतन आयोग के गठन को मंजूरी मिली
- टैक्स से जुड़े नियमों को आसान बनाया गया
- AI को लेकर दुनिया को राह दिखा रहा है भारत
- देश की महिलाएं आज लड़ाकू विमान उड़ा रही हैं।

सोनिया गांधी राष्ट्रपति को 'थका हुआ' बताने पर घिरीं

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र के पहले दिन राष्ट्रपति के अभिभाषण पर दी गई सोनिया गांधी की प्रतिक्रिया के बाद छिड़ा विवाद गहराता जा रहा है। कांग्रेस की राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी ने अभिभाषण पर कहा, ₹आख़िर तक आते-आते राष्ट्रपति बहुत थक गईं थीं। वो बमुश्किल बोल पा रही थीं, ₹ इस पूरे मामले पर अब राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से प्रतिक्रिया आई है, जिसमें बिना नाम लिए सोनिया गांधी के बयान को सर्वोच्च पद के गरिमा को नुक़सान पहुंचाने वाला बताया गया है। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का शाही परिवार राष्ट्रपति के अपमान पर उतर आया है।

पीएम मोदी बोले- आदिवासी बेटी का किया अपमान

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता के इस बयान पर पीएम नरेंद्र मोदी का भी रिएक्शन आया है। उन्होंने दिल्ली के द्वारका में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर हमला बोला और माफी की मांग की। पीएम मोदी ने राष्ट्रपति के भाषण की तारीफ की और कहा कि सोनिया गांधी का बयान उन्हें अपमानित करने वाला है। पीएम मोदी ने कहा, 'उन्होंने संसद को संबोधित किया और देश की जनता की उपलब्धियों को बताया। द्रौपदी मुर्मू जी ओडिशा के जंगलों में आदिवासी परिवार से निकल कर यहां पहुंची हैं। उनकी मातृभाषा हिंदी नहीं हैं। मातृभाषा न होने के बाद भी उन्होंने हिंदी में अच्छे तरीके से बात की और प्रेरित किया। इन्होंने राष्ट्रपति जी को गरीब, थकी हुई कहा।'

झारखंड के धनबाद में अब तक की सबसे बड़ी रेड

150 करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी में आठ ठिकानों पर छापा

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

धनबाद। 150 करोड़ रुपए की जीएसटी चोरी के मामले में जमशेदपुर की डायरेक्टरेट जनरल ऑफ जीएसटी इंटेलिजेंस की टीम ने शुक्रवार को धनबाद के धैया, झरिया, सरायढेला, गोविंदपुर समेत आठ जगहों पर छापेमारी की। धैया स्थित हवेली अपार्टमेंट में जीएसटी चोरी के मास्टरमाइंड सौरव सिंघल और उसके सहयोगी शिवम सिंह के घर व दफ्तर में जांच की। दोनों के घर व दफ्तरों से नोट गिनने वाली तीन मशीनें, पांच लैपटॉप, पेन ड्राइव, छह मोबाइल व हार्ड डिस्क जब्त किये गये। यही नहीं, डीजीजीआइ को 100 करोड़ के कैश लेन-देन के कागजात भी मिले हैं। शेष पेज 08 पर

संक्षिप्त खबरें

झारखंड में सरस्वती पूजा के लिए अब तीन फरवरी को रहेगी सरकारी छुट्टी

रांची। बसंत पंचमी पर झारखंड में तीन फरवरी को सरकारी अवकाश रहेगा। कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग ने इस संबंध में शुक्रवार को अधिसूचना जारी कर दी। सरकार के संयुक्त सचिव आरिफ हसन के हस्ताक्षर से अधिसूचना जारी की गयी है। झारखंड के कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग ने शुक्रवार को जारी अधिसूचना में कहा है कि बसंत पंचमी के अवसर पर दो फरवरी को घोषित अवकाश की जगह तीन को कार्यपालक आदेश के तहत अवकाश घोषित किया गया है।

महामंडलेश्वर पद से ममता कुलकर्णी को हटाया गया

नई दिल्ली। प्रयागराज महाकुंभ में किन्नर अखाड़े के अंदर ममता कुलकर्णी को महामंडलेश्वर बनाए जाने के बाद विवाद बढ़ गया है। शुक्रवार (31 जनवरी) को अखाड़े के संस्थापक ऋषि अजय दास ने उन्हें इस पद से हटा दिया। इसके पीछे मुख्य वजह उनका सिर मुंडवाने से इनकार करना बताया जा रहा है। अजय दास ने न केवल ममता को हटाया, बल्कि किन्नर अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी को भी बाहर का रास्ता दिखा दिया। उनका कहना है कि अखाड़े का पुनर्गठन किया जाएगा और जल्द ही नए आचार्य महामंडलेश्वर की घोषणा होगी। शेष पेज 08 पर

गाजीपुर में हादसा : महाकुंभ से लौट रहे आठ श्रद्धालुओं की सड़क हादसे में मौत पेज 08

देश का आम बजट आज

सरकार ने आर्थिक सर्वे 2025 में बताया 2047 के विकसित भारत का रोडमैप

एजेंसियांड

- मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर की मजबूती सरकार का संकल्प
- हर साल 78.5 लाख रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना
- राज्यों के स्तर पर नियमों-कानूनों को आसान बनाना

नई दिल्ली। सरकार की दिशा विकसित भारत है और बजट से पूर्व शुक्रवार को प्रधानमंत्री ने भी अपने संक्षिप्त संदेश में इस पर जोर दिया। लेकिन इसकी एक बड़ी शर्त है यह है कि कम से कम एक दशक तक आठ फीसद की ग्रोथ रेट बनी रहे। वित्त वर्ष 2024-25 और वर्ष 2025-26 में आर्थिक विकास दर के घटने की आशंकाओं के बीच इसपर ज्यादा ध्यान दिया जाना जरूरी हो गया है।

भारत में कारोबार की प्रक्रिया को आसान बनाना प्राथमिकता : सदन में शुक्रवार को पेश आर्थिक सर्वेक्षण 2025 में 2047 तक भारत को किस तरह से विकसित देश बनाया जाए, इसका एक संपूर्ण रोडमैप दिया गया है। रोडमैप में मौजूदा नियमों व कानूनों में बहुत ही व्यापक स्तर के संशोधन व बदलावों की जरूरत बताते हुए भारत में कारोबार करने की प्रक्रिया को आसान बनाने को प्राथमिकता के तौर पर गिनाया है। लेकिन सुधारों की आगामी प्रक्रिया में केंद्र से ज्यादा राज्यों की भूमिका महत्वपूर्ण बताई गई है।

10 ऐसे सेक्टर, जहां राज्यों करना होंगे सुधार : वैसे सुधारों को लेकर आर्थिक सर्वेक्षण पहले ही सरकार को सुझाव देता रहा है और उनमें से कई सुझावों पर कभी अमल नहीं हो पाता। इस बार देखना होगा कि 1 फरवरी को पेश होने वाले आम बजट 2025-26 में वित्त मंत्रालय के प्रमुख आर्थिक सलाहकार अनंत नागेश्वरन के सुझावों की बानगी दिखती है या नहीं। आर्थिक सर्वेक्षण में दस ऐसे सेक्टर बताये गये हैं, जहां राज्यों को नियमों व प्रक्रियाओं को आसान बनाने के लिए तत्काल कदम उठाने की जरूरत है। ये क्षेत्र हैं प्रशासन, भूमि, बिल्डिंग व कंस्ट्रक्शन, श्रम, बिजली-पानी जैसी सुविधाएं, ट्रांसपोर्ट, वेयरहाउस जैसे लॉजिस्टिक्स क्षेत्र, कृषि उत्पादों की खरीद-बिक्री, पर्यावरण और खाद्य सुरक्षा जैसे क्षेत्र। इन क्षेत्रों में राज्यों के पास इतने अधिकार हैं कि कारोबार की शुरुआत करने, उसे बंद करने की प्रक्रिया को दुरूह बनाते हैं और इससे आर्थिक गतिविधियों की राह में अड़चनें आती हैं।

सुधारवादी नीतियों को दोहराएं राज्य : राज्यों को सुझाव दिया गया है वो जिन क्षेत्रों में दूसरे राज्य बेहतर कर रहे हैं या दूसरे देशों में सुधार हो रहे हैं, उनसे सीखें और उन सुधारवादी नीतियों को दोहरायें। उदाहरण के तौर पर कुछ राज्यों ने आईटी सेक्टर में महिला कर्मचारियों को लेकर पारंपरिक नीतियों को बदला है, अन्य सभी राज्य इसका अनुसरण कर सकते हैं। जापान, दक्षिण कोरिया ने शहरी विकास व औद्योगिकीकरण को लेकर जो नीतियां लागू की हैं, राज्य उनसे भी सीख सकते हैं। शेष पेज 08 पर

गुइलेन बैरे सिंड्रोम को ले हेमंत सरकार अलर्ट अस्पतालों को पुख्ता व्यवस्था करने का निर्देश

प्रातः नागपुरी संवाददाता

मुख्यमंत्री ने बीमारी से निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग के आला अधिकारियों के साथ की बैठक

रांची। गुइलेन-बैरे सिंड्रोम यानी जीबीएस की रोकथाम के लिए राज्य सरकार तैयारी में जुट गई है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इस बीमारी से निपटने के लिए राज्य के स्वास्थ्य विभाग के आला अधिकारियों के साथ आज 31 जनवरी को अपने आवासीय कार्यालय में बैठक की। इस दौरान जीबीएस बीमारी से ग्रस्त मरीजों की पहचान करने और उनके इलाज की विशेष व्यवस्था करने के निर्देश दिए। इस बैठक में स्वास्थ्य मंत्री डॉ। इरफान अंसारी जहां ऑनलाइन जुड़े। वहीं विभाग के वरीय अधिकारियों ने इस बीमारी के दुष्प्रभाव, लक्षण और बचाव से संबंधित जानकारी से सीएम को अवगत कराया।

मुख्यमंत्री आवास में हुई इस बैठक में मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, विभागीय अपर सचिव अजय कुमार सिंह, रिम्स निदेशक डॉ। राजकुमार और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अभियान निदेशक अबू इमरान मौजूद रहे। इस बैठक में वर्चुअल माध्यम से सभी जिलों के उपायुक्त और सिविल सर्जन भी शामिल हुए।

जीबीएस को लेकर रहें अलर्टः गुइलेन-बैरे सिंड्रोम बीमारी से निपटने के लिए मुख्यमंत्री अधिकारियों को अलर्ट रहने का निर्देश देते हुए राज सरकार के सभी अस्पतालों में पुख्ता व्यवस्था करने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अस्पतालों में बेड और दवा सहित सभी जरूरी व्यवस्था सुनिश्चित हो जिससे संदिग्ध मरीजों को तत्काल चिकित्सा सुविधा महिया कराया जा सके।

इस बीमारी से संबंधित कोई भी केस मिलने पर तत्काल रिम्स रेफर करने का निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अस्पताल तक पहुंचाने के लिए ट्रांसपोर्ट सिस्टम को अलर्ट रखा जाए जिसे ससमय मरीज को चिकित्सा सुविधा मिल सके।

सीएम ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि गुइलेन-बैरे सिंड्रोम बीमारी से ग्रस्त मरीजों की पहचान करने एवं अस्पतालों में उनके समुचित इलाज की विशेष व्यवस्था के अलावा इसके संक्रमण से बचने के लिए राज्य में व्यापक प्रचार प्रसार करें। बता दें कि यह बीमारी दूषित जल और कच्चा भोजन करने से फैलता है। यह बीमारी कोरोना संक्रमण जैसा नहीं है और ना ही एक दूसरे से फैलता है इस बीमारी से घबराने की जरूरत नहीं है। लोगों के बीच जागरुकता फैलाने की आवश्यकता है।

छह हजार घूस लेते रंगे हाथों गिरफ्तार हुआ पंचायत सचिव

एसीबी की कार्रवाई

प्रातः नागपुरी संवाददाता

हजारीबाग। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने पंचायत सचिव रामेन्द्र कुमार सिन्हा को 6 हजार रुपये घूस लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। इंचाक थाना क्षेत्र के अलौन्जाह कला निवासी ओम प्रकाश मेहता ने एसीबी को आवेदन देकर कहा था कि उन्हें मनरेगा योजना के अंतर्गत ग्राम अलौन्जा कला में अपनी जमीन पर टीसीबी निर्माण कार्य के लिए योजना मिली है। इस योजना का कार्य लगभग पूरा हो चुका है तथा लगभग 25500 रुपये का भुगतान भी हो चुका है। शेष राशि 17 हजार रुपये के भुगतान को लेकर मास्टर रौल पर हस्ताक्षर करने के लिए पंचायत सचिव रामेन्द्र कुमार सिन्हा को दिया। शेष पेज 08 पर

सीता सोरेन का बीजेपी में नहीं लग रहा दिल, कर सकती हैं झामुमो में घर वापसी

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। झारखंड की राजनीति में फिर हलचल है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की भाभी सीता सोरेन भाजपा छोड़कर वापस झामुमो में शामिल हो सकती हैं। सीता सोरेन की जेएमएम में वापसी को लेकर पार्टी प्रमुख शिबू सोरेन के आशीर्वाद का इंतजार किया जा रहा है।

शिबू सोरेन से मुलाकात के बाद घर वापसी की संभावना बढ़ी : जामा की विधायक रहीं सीता सोरेन पिछले साल लोकसभा चुनाव के वक्त जेएमएम की सदस्यता से त्यागपत्र देकर भाजपा में शामिल हो गईं थीं। इसके बाद लोकसभा चुनाव में सीता सोरेन ने बीजेपी टिकट पर दुमका सीट से मैदान में उतरीं। जबकि विधानसभा चुनाव में जामताड़ा सीट से मैदान में थीं। लेकिन दोनों ही चुनाव में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। झामुमो सुप्रीमो शिबू सोरेन के जन्मदिन पर सीता सोरेन अपनी बेटियों के साथ मुलाकात करने पहुंची थीं। इस मुलाकात के बाद मुलाकात के उनकी घर वापसी की संभावना बढ़ गई है। शेष पेज 08 पर

सीएम हेमंत सोरेन के संज्ञान के बाद राजस्व कर्मचारी निलंबित

- बुजुर्ग महिला से रिश्वत लेते वीडियो हुआ था वायरल

पलामू। झारखंड के पलामू जिले के मोहम्मदगंज के अंचल राजस्व निरीक्षक मुकेश कुमार को निलंबित कर दिया गया है। जमीन म्यूटेशन के एवज में घूस लेते वीडियो वायरल होने पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने संज्ञान लिया एवं उपायुक्त को कार्रवाई करने का निर्देश दिया। हुसैनाबाद के अनुमंडल पदाधिकारी गौरांग महतो की जांच रिपोर्ट पर उपायुक्त ने कार्रवाई करते हुए अंचल राजस्व निरीक्षक मुकेश कुमार को शुक्रवार को निलंबित कर दिया। 24 घंटे के भीतर हुई इस कार्रवाई से प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया है।

बता दें कि गुरूवार को हैदरनगर थाना क्षेत्र के बलडिहरी गांव की रहने वाली ऐशुन बीबी से म्यूटेशन के एवज में रिश्वत लेते हुए मोहम्मदगंज के अंचल राजस्व निरीक्षक मुकेश कुमार का वीडियो वायरल हो गया था। शेष पेज 08 पर

सचिन को मिलेगा लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड

नई दिल्ली। भारत के महान बल्लेबाज और पूर्व कप्तान सचिन तेंदुलकर को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) उन्हें अपने वार्षिक समारोह में सचिन को सम्मानित करेगा। अपने शानदार करियर के दौरान सचिन ने 664 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 48.52 की औसत से 34,357 रन बनाए।

सचिन के आंकड़े : सचिन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। वह शतकों का शतक लगाने वाले एकमात्र खिलाड़ी हैं। टेस्ट क्रिकेट के अलावा सचिन ने वनडे फॉर्मेट में भी कई रिकॉर्ड बनाए हैं। वनडे में 44.83 के औसत, 49 शतक और 96 अर्धशतक के साथ 18,426 रन और टेस्ट में 53.78 के औसत, 51 शतक और 68 अर्धशतक के साथ 15,921 रन बनाए। उन्होंने अपने शानदार करियर में केवल एक टी20 अंतरराष्ट्रीय खेला है।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन : 51 साल के सचिन ने कुल मिलाकर भारत के लिए 664 मैच खेले और 48.52 की औसत से 34,357 रन बनाए। इनमें 100 शतक और 164 अर्धशतक शामिल हैं। बोर्ड के एक सूत्र ने बताया, 'हां, उन्हें वर्ष 2024 के लिए सीके नायडू 'लाइफटाइम अचीवमेंट' पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।' भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री और पूर्व दिग्गज विकेटकीपर फारुख इंजीनियर को यह पुरस्कार मिल चुका है।

अपने युग के महानतम बल्लेबाजों में शुमार : अपने युग के महानतम बल्लेबाज माने जाने वाले तेंदुलकर न केवल एक शानदार रन-स्कोरर रहे, बल्कि इस खेल के प्रतीक भी हैं। उन्होंने 1989 में पाकिस्तान के खिलाफ 16 साल की उम्र में टेस्ट में डेब्यू किया था। वह दो दशक तक टीम को अपनी सेवा देते रहे। वह 2011 में भारत की विश्व विजेता टीम का हिस्सा भी थे। शेष पेज 08 पर

आप के सात विधायकों ने दिया पार्टी से इस्तीफा

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव से ठीक पहले आम आदमी पार्टी को बड़ा झटका लगा है। दिल्ली में आम आदमी पार्टी के सात विधायकों ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। इन विधायकों में त्रिलोकपुरी से विधायक रोहित, जनकपुरी से विधायक राजेश ऋषि, कस्तूरबा नगर से मदन लाल, पालम से विधायक भावना गौर शामिल हैं। इस्तीफा देने वाले विधायकों में विधायक नरेश यादव, विधायक पवन शर्मा और विधायक गिरीश सोनी भी शामिल हैं। शेष पेज 08 पर

अब सुपात्र लाभुक को ही मिलेगा अबुआ आवास योजना का लाभ

प्रातः नागपुरी संवाददाता

- लाभुक खुद कर पाएंगे अपने अबुआ आवास की जियो टैगिंग
- ग्रामीण विकास विभाग का बेनेफिशियरी लेवल जियो टैग एप तैयार

रांची। ग्रामीण विकास मंत्री श्रीमती दीपिका पांडे सिंह के निर्देश पर विभाग ने अबुआ आवास योजना अंतर्गत आवास निर्माण कार्य में लाभुकों को ससमय किस्त की राशि देने की अनूठी पहल की है। इसके तहत "बेनेफिशियरी लेवल जीयो टैग एप" तैयार किया है। इस एप के माध्यम से आवास निर्माण प्रगति के अनुसार लाभुक खुद अपने निर्माणाधीन आवास का जियो टैग कर सकेंगे।

मंत्री श्रीमती दीपिक पांडे सिंह ने बताया कि लाभुकों को आवास देने संबंधित कार्य के दौरान कई तरह की बातें सामने आती है। इसलिए लाभुकों को ससमय किस्त राशि भुगतान करने संबंधित प्रक्रियाओं को पारदर्शिता बनाने के उद्देश्य से एप को तैयार किया गया है। जिसके दूरगामी परिणाम देखने को मिलेंगे। इससे लाभुकों को किस्तों के बंटवारे में होनेवाली गड़बड़ियों पर भी रोक लगेगी।

विभाग के अनुसार अबुआ आवास योजना के तहत आवंटित लक्ष्य के विरुद्ध स्वीकृत लाभुकों को 2 लाख रुपये की सहयोग राशि चार किस्तों में विमुक्त करने का प्रावधान किया गया है। ग्रामीण विकास सचिव के श्रीनिवासन ने सभी उपायुक्त और उप विकास आयुक्त को पत्र लिखकर योजना के क्रियान्वयन में प्रगति लाने के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर अबुआ आवास योजना के लाभुकों को आवास निर्माण में सहायता प्रदान करने के लिए जेएसएलपीएस द्वारा गठित एवं संचालित ग्राम संगठन (वीओ) की सहायता लेने का निर्देश दिया है। शेष पेज 08 पर

संक्षिप्त

जिला चयन समिति की बैठक आयोजित

खूंटी। उपायुक्त लोकेश मिश्रा की अध्यक्षता में जिला चयन समिति की बैठक शुक्रवार को उनके कार्यालय कक्ष में आयोजित की गई। बैठक में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के तहत सहायक अभियंता एवं ग्राम रोजगार सेवक के पदों पर नियुक्ति से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। उपायुक्त ने बैठक में जिला चयन समिति को निर्देश दिया कि उक्त पदों पर नियुक्ति के लिए प्राप्त आवेदनों की जांच के लिए एक समिति का गठन किया जाए। साथ ही, दावा-आपत्ति की प्रक्रिया को सुनिश्चित करने के लिए समाचार पत्रों में इसकी सूचना प्रकाशित करने के भी निर्देश डीसी ने दिए। बैठक में अपर समाहर्ता परमेश्वर मुंडा, निदेशक आइटीडीए आलोक शिकारी कच्छप सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी मौजूद थे।

शांति समिति की बैठक संम्पन्न

इटकी। इटकी थाना परिसर में शुक्रवार को सरस्वती पूजा महोत्सव को लेकर आयोजित शांति समिति की बैठक में कई प्रस्ताव पारित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से विसर्जन शोभा यात्रा में डीजे और उंची साउण्ड सिस्टम पर पूर्ण प्रतिबंध, नशापान में रोक और सूर्यास्त के पूर्व प्रतिमा विसर्जन करने, रात दस बजे के बाद साउन्ड सिस्टम को बंद करने या फिर कम सॉउण्ड बजाने सहित कई अन्य प्रस्ताव पर निर्णय लिया गया। शांति समिति के सभी सदस्यों को शोमा यात्रा के दौरान उपस्थित रहने पर सहमती जताई गई। वही शोभायात्रा में शांति व्यवस्था पर गड़बड़ी करने वालों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जायेगी। बैठक डीएसपी अशोक कुमार राम , बीडीओ प्रवीण कुमार, सीओ मो. अनीश, इन्सपेक्टर उत्तम कुमार उपाध्याय, उपप्रमुख परवेज राजा, पूर्व जिप सदस्य लाल रामेश्वर नाथ शाहदेव, सलीम अंसारी, अनुपम कुमार, नन्दलाल महतो, अजुंम जमाल, अनील तिवारी, आजाद कुरैसी, गंगा सिंह सहित कई गांवों के प्रबुद्ध लोग उपस्थित थे।

तपकारा के शहीदों को कल दी जाएगी श्रद्धांजलि

खूंटी। तोरपा प्रखंड के तपकारा में दो फरवरी को शहीद दिवस मनाने को लेकर कोईल कारो जन संगठन की शीर्ष कमेटी की बैठक शुक्रवार को तपकारा में हुई, जिसकी अध्यक्षता कमेटी के उपाध्यक्ष जॉन जूरसन गुड़िया ने की। बैठक में दो फरवरी को तपकरा में आयोजित होने वाले शहीद दिवस कार्यक्रम को सफल बनाने को लेकर विचार विमर्श किया गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि शहीदों की स्मृति में मौन जुलूस निकाला जाएगा, जो हाई स्कूल मैदान से शुरू होकर शहीद स्थल में समाप्त होगा। वहां शहीदों की समाधि पर पारंपरिक विधि-विधान से संस्मरण करते हुए पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी। उसके बाद शहीद स्थल के समीप श्रद्धांजलि सभा होगी। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि उस दिन तपकारा के सभी व्यावसायिक प्रतिष्ठान बंद रहेंगे तथा सभी पिकनिक स्थल चंचल घाघ पेरवांघाघ, पांडूपुड़िंग बंद रहेंगे।

रोजगार मेला में 25 कंपनियों ने लिया हिस्सा

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

रामगढ़। रामगढ़ कॉलेज प्रांगण में शुक्रवार को जेएसएलपीएस के जरिये रोजगार मेला का आयोजन किया गया। इस मेले में 25 कंपनियों ने हिस्सा लिया। इस मेले बेरोजगार पाने के लिए युवाओं की भीड़ उमड़ी। 1000 युवाओं ने रोजगार के लिए अपना पंजीकरण कराया। इसमें से 800 युवाओं ने रोजगार के प्रति दिलचस्पी दिखाई।

पलाश (झारखंड स्टेट लाईवलीहूड प्रमोशन सोसाइटी) के जरिये 15 नवंबर 2024 से 15 नवंबर 2025 तक मनाए जा रहे चौथे जनजातीय गौरव दिवस के तहत और ग्रामीण विकास विभाग के जरिये जिला स्तरीय रोजगार सृजन मेला 2025 का आयोजन किया गया। रोजगार मेला का मुख्य उद्देश्य रामगढ़ जिले के युवक युवतियों को रोजगार के अवसर प्रदान करना और नियोक्ताओं के साथ सीधा संपर्क करना था। इस

800
युवाओं ने दिखाई दिलचस्पी

अवसर पर पूरे देश से 25 नियोक्ताओं ने अपना स्टॉल लगाया। वही वे युवकों युवतियों को विभिन्न क्षेत्रों में योग्यता के आधार पर ट्रेनिंग देकर रोजगार प्रदान करते है। कार्यक्रम में विधायक ममता देवी, जिला नियोजन पदाधिकारी,

जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, जिला अग्रणी प्रबंधक, रामगढ़ कॉलेज के प्रिंसिपल, आरएसईटीआई डायरेक्टर, जिला कार्यक्रम प्रबंधक, जिला प्रबंधक उपस्थित हुए। साथ ही राज्य कार्यालय से स्किल डोमेन से साइ दत्ता और अमित कुमार उपस्थित हुए। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। जिला कार्यक्रम प्रबंधक रीता सिंह के द्वारा अतिथियों को पुष्प गुच्छ देकर स्वागत अभिनंदन किया गया। उनके द्वारा जिला स्तरीय रोजगार सृजन मेला के उद्देश्य के बारे में बताया गया। ग्रामीण क्षेत्र से आए हुए युवक और युवतियों को जिला स्तरीय रोजगार सृजन मेला का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया। विधायक ममता देवी के जरिये ग्रामीण क्षेत्रों से आये हुए युवक, युवतियों का हौसला बढ़ाया गया। उनके जरिये रोजगार के लिए कोई भी समस्या का निराकरण के लिए सहमति जताई गई। साथ ही उन्होंने सभी से रोजगार मेला का पूरा लाभ लेने की अपील की। आज के जिला स्तरीय रोजगार सृजन मेला 2025 कार्यक्रम में ग्रामीण युवाओं को रोजगार देने के लिए 25 नियोजकों ने हिस्सा लिया। इसके अंतर्गत युवाओं को अलग अलग कंपनियों में रोजगार दिलाया जायेगा। रोजगार प्रदान करने के लिए 25 विभिन्न कंपनियां ने भाग लिया। वही कुल पंजीकरण की संख्या 1000 रही। रोजगार प्राप्त करने हेतु इच्छुक उम्मीदवारों की संख्या 800 रही। विधायक ममता देवी और जिला नियोजन पदाधिकारी जरिये कुल 10 उम्मीदवारों को जॉब ऑफर लेटर दिया गया। कार्यक्रम में जेएसएलपीएस के जिला कार्यालय की तरफ से जिला कार्यक्रम प्रबंधक रीता सिंह, जिला प्रबंधक जॉब्स एंड स्किल मेरी कुल्लू समेत सभी जिला प्रबंधक, प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी सहित जिला एवं पूरे प्रखंड की टीम उपस्थित थी। कार्यक्रम में लगभग 1200 युवक एवं युवती उपस्थित हुए।

देवी मंडप मंदिर के 20वें स्थापना दिवस पर निकली कलश शोभा यात्रा

इटकी। इटकी देवी मंडप मंदिर का 20 वां स्थापना दिवस पर शुक्रवार को विशाल कलश यात्रा शोभा निकाली गई। कलश मात्रा इटकी जगन्नाथ मंदिर प्रागंण से शुरू होकर बाजार परिसर होते बनिया टोली स्थित तलाब पहुंचा। जहां वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच मां गंगें की अह्वान कर पूजा अर्चना की इसके बाद सैकड़ों महिलाओं ने कलश में जल लेकर जय माता दी का नारा लगाते देवी मंडप मंदिर पहुंचे और जलाभिषेक कर पूजा अनुष्ठान किया गया। आरती के बाद प्रसाद वितरण और शाम में भंडरा का आयोजन किया गया। कलश यात्रा में महतो टोली, झखरा टोली ,बनिया टोली, सोनार टोली सहित अन्य गांवों सैंकड़ों की संख्या में महिलाऐं और श्रदालु शामिल थे।

सड़क दुर्घटना में एक युवक घायल

बेड़ो। थाना क्षेत्र के जरिया गांव के लकड़ाफाड़ा जंगल के समीप रांची गुमला बाय पास सड़क में शुक्रवार की अपराह्न लगभग ग्यारह बजे बाइक व कार के बीच हुई। आपसी टक्कर में बाइक सवार एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में पिस्का नगड़ी महतो टोली गांव निवासी 30 वर्षीय रंजीत कुमार महतो पिता पिता राम नंदन महतो है। जिन्हें घायलावस्था में बेड़ो थाना प्रभारी नकुल साह स्थानीय ग्रामीणों की मदद से घायल अपने वाहन से बेड़ो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। जहां डा सुमन ने घायल युवक का प्राथमिक उपचार कर बेहतर उपचार के लिए रिम्स रेफर कर दिया।

डीसी-एसपी ने सर्कस कार्यक्रम का किया उद्घाटन

सर्कस आज भी मनोरंजन का है साधन : चंदन कुमार

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

रामगढ़। रामगढ़ शहर में एक बार फिर लोगों का मनोरंजन करने के लिए सर्कस लगा है। डीसी चंदन कुमार और एसपी अजय कुमार शुक्रवार की शाम शहर के बाजारटांड़ में लगे एनके रोलेक्स सर्कस के कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

इस दौरान डीसी ने कहा कि सर्कस आज भी लोगों के मनोरंजन का साधन है। पिछले कई दशकों से सर्कस ने लोगों का मनोरंजन किया है। पहले तो इसमें तरह-तरह के जानवर भी हुआ करते थे। लेकिन

अब एक से एक कलाकार लोगों का मनोरंजन करते हैं। रामगढ़ शहर में सर्कस में मौत का कुआं भी लगा है, जो लोगों को भाएगा। एसपी अजय कुमार ने कहा कि बीते कई दशकों में सर्कस ने अपनी एक अलग ही पहचान बना रखी है। सर्कस नाम सुनते ही न सिर्फ बच्चों में बल्कि युवाओं और बुजुर्गों में भी एक अलग उत्साह दिखाई देता है। सर्कस देखने के लिए लोग पूरे परिवार के साथ आते हैं। दो घंटे तक पूरे परिवार का मनोरंजन कलाकार करते हैं। सर्कस के कुछ कार्यक्रमों का लुत्फ भी अधिकारियों ने उठाया।

इस मौके पर जिला बीस सूत्री उपाध्यक्ष दिनेशझमुंडा, पूर्व वार्ड सदस्य संजीत कुमार सिंह और छोटू सिंह, भाजपा नेता रंजन फौजी उर्फ छोटन सिंह, महेश चौधरी, सुबोध सिंह, पिंकू कुमार, ऋषिकेश सिंह, सर्कस के मैनेजर एमएस रहमान उर्फ हैप्पी, करण देव राय, रूपेश सिंह आदि मौजूद थे।

वाहन पार्किंग के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया करें शुरू : एसडीओ

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

खूंटी। उपायुक्त लोकेश मिश्रा के निर्देश पर अनुमंडल पदाधिकारी दीपेश कुमारी की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में शुक्रवार को नगर पंचायत, खूंटी के जरिये संचालित योजनाओं एवं कार्यों की समीक्षा की गई।

बैठक में नगर पंचायत के जरिये संचालित विभिन्न योजनाओं की कार्य प्रगति की समीक्षा की गई और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान नगर में वाहन पार्किंग के लिए 1.20 एकड़ भूमि की आवश्यकता पर चर्चा हुई। चिह्नित भूमि के किए पत्र प्रेषित कर

अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया गया। इसके अलावा नगर में कई मकान मालिकों के जरिये अपने बेसमेंट को पार्किंग के अलावा अन्य कार्यों में उपयोग किए जाने की जानकारी दी गई। इस पर अनुमंडल पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि संबंधित मकान मालिकों को दस दिनों के भीतर अपने बेसमेंट खाली करने के लिए नोटिस जारी किया जाए, अन्यथा सीलिंग की कार्रवाई शुरू की जाएगी। जलापूर्ति व्यवस्था को लेकर पाइप लाइन में लीकेज की शिकायतों के संबंध में भी चर्चा हुई। अनुमंडल पदाधिकारी ने इन शिकायतों के निराकरण के लिए तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए और पाइप कनेक्शन से छेड़छाड़ करने वालों को समझाने पर जोर दिया। कचरा प्रबंधन के तहत नगर में कचरा उठाने के लिए लगे वाहनों की संख्या को बढ़ाने पर भी सहमति बनी। अनुमंडल पदाधिकारी ने ट्रैक्टर सहित अन्य वाहनों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए, ताकि सफाई व्यवस्था में सुधार हो सके। बैठक में कार्यपालक पदाधिकारी नगर पंचायत समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी और कर्मी उपस्थित थे।

तीरंदाज अघनी कुमारी का चयन असम राइफल में

सोनाहातू। प्रखंड के छोटे से गांव के टांगटांग गांव की रहने वाली अघनी कुमारी का चयन असम राइफल में हो गया है। पिता के निधन के उपरांत 2015 में पीएमश्री कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में नामांकन किया गया था। अघनी कुमारी ने 2021 बैच की इंटर परीक्षा को प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण किया । विद्यालय में आर्चरी ट्रेनिंग में अच्छा करने के बाद बिरसा मुंडा तीरंदाजी केंद्र में प्रशिक्षण प्राप्त करते हुए 2017 से कई राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय पदक जीती। 2024 गोवा में आयोजित 37 वें राष्ट्रीय खेल में रजत जीतकर झारखंड का नाम रौशन की थी। । इसने स्पोर्ट्स कोटा से असम राइफल नियुक्ति के लिए आवेदन की थी। परीक्षा के उपरांत इसका चयनित असम रायफल में हुआ है। छात्रा को इस मुकाम पर लाने में इसके गुरु प्रकाश राम और शिशिर कुमार सहित भाई मनोज पुरान ने पूरा सहयोग दिया। छात्रा ने कहा है कि उसका अगला लक्ष्य ओलंपिक में मेडल जीतकर देश का नाम रौशन करना है।

फुटबॉल प्रतियोगिता को लेकर हुई बैठक

सोनाहातू। 13 वां चैम्पियन ट्रॉफी फुटबॉल खेल प्रतियोगिता आयोजन को लेकर शुक्रवार को थाना मैदान आयोजन समिति के सदस्यों ने बैठक किया। अध्यक्षता पंचायत समिति सदस्य रायमणि देवी ने किया बैठक में आयोजन को लेकर कई निर्णय लिया गया। बैठक में पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष सुकरा सिंह मुंडा,मेला संरक्षक श्याम कुमार महतो,संजय महतो,आजसू पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष सुषेण कुमार प्रमाणिक,रमेश सिंह मुंडा पूर्व मुखिया प्रतिनिधि खेत्रमोहन सिंह मुंडा, बिरेन सिंह मुंडा,अभिमन्यु महतो,महादेव सिंह मुंडा,बिरेन लोहरा,ग्राम प्रधान जीवधन सिंह मुंडा, कृष्णा महतो,जीतें कुम्हार,पुस्तम मुंडा,अरविंद भगत,सुरेश दास, श्यामल दास भोदु महतो, मंटू भगत,धनेश्वर महतो,खंजन महतो,गंधर्व महतो,भोट महतो,पूर्व शिक्षक आशाराम महतो,सुशील मांझी,भुवनेश्वर महतो, मोनज भगत, हलधर सिंह मुंडा, इन्द्रदेव सिंह मुंडा,मृत्युंजय रक्षित मौजूद थे।

सरस्वती पूजा को लेकर शांति समिति की बैठक

सिल्ली। सरस्वती पूजा के आयोजन को लेकर शुक्रवार को सिल्ली थाना परिसर में सहमति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता इंस्पेक्टर हासे उरांव ने की। पूजा आयोजन को लेकर सभी सदस्यों से सुझाव आमंत्रित किए गए। सिल्ली थाना प्रभारी दिनेश ठाकुर एवं मुरी थाना प्रभारी कुंदन कुमार ने पूजा के आयोजन को लेकर हाई कोर्ट के ध्वनि प्रदूषण के आदेश से अवगत कराया। अधिकारियों ने सदस्यों से आग्रह किया कि सपने आसपास के इलाकों में पूजा के आयोजन पर सभी सदस्य निगरानी रखें। अंचलाधिकारी अरुणिमा एक्का ने कहा कि सरस्वती पूजा का आयोजन मुख्यतः विद्यार्थी वर्ग के युवा ही शामिल रहते है इसलिए उनको शांति पूर्ण आयोजन के लिए जरूरी सलाह जरूर दें। इसमें रात के दस बजे के बाद लाउडस्पीकर नहीं बजाये। सड़कों पर पंडाल नहीं लगाएं। डीजे नहीं बजाएं। विसर्जन के समय विशेष अनुशासन का ध्यान रखें। कोई तरह की अव्यवस्था की सूचना पुलिस को अविलंब दें। प्रमुख जितेंद्र बड़ाइक ने भी समाज जरूरी सलाह दिए। कार्यक्रम का संचालन मोहम्मद फारूक ने किया। इस मौके पर नागेंद्र नाथ गोस्वामी, गोकुल महतो, जसरुद्दीन मोमिन, फारूक मोमिन, भागवत सोनार, रमजान, अरविंद कुशवाहा, फकरुद्दीन, मनोज साव, गोपाल केडिया आदि उपस्थित थे।

रांची: पांच दिनी शहीद एतवा उरांव क्रिकेट टूर्नामेंट छह से

टूर्नामेंट में 16 टीमें होंगी शामिल

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

रांची। मांडर प्रखंड अंतर्गत बुढ़ाखुखरा स्थित खेल मैदान में पांच दिवसीय शहीद एतवा उरांव क्रिकेट टूर्नामेंट-2025 का आयोजन किया गया है। इस टूर्नामेंट में कुल 16 टीमें शामिल होंगी। आयोजन समिति के अध्यक्ष नेसार खान, उपाध्यक्ष मो. साकिब और वसीम ने संयुक्तरूप से बताया कि टूर्नामेंट का उद्घाटन छह फरवरी, 2025 और समापन 10 फरवरी 2025 को होगा । टूर्नामेंट का उद्घाटन झारखंड सरकार की कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की, प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की, अंजुमन इस्लामिया रातू प्रखंड के सचिव मुख्तार अंसारी और मांडर थाना प्रभारी राहुल संयुक्त रूप से करेंगे। मो. साकिब ने बताया कि टूर्नामेंट के विजेता को 50 हजार रुपए नगद व बड़ा ट्रॉफी

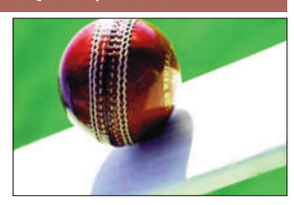

,उपविजेता को 30 हजार रुपए नगद व बड़ा ट्रॉफी दिया जाएगा। साथ ही तृतीय और चतुर्थ स्थान पानेवाले टीम को क्रमशः 5500 हजार रुपए नगद व ट्रॉफी व 5000 हजार रुपए नगद व ट्रॉफी देकर पुरस्कृत किया जाएगा। इसके अलावा मैन ऑफ द मैच, मैच ऑफ द सिरीज होने वाले खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया जाएगा। मो. साकिब ने बताया कि शहीद एतवा उरांव के नाम से पिछले 25 साल से फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। क्रिकेट टूर्नामेंट का यह पहला आयोजन है।

वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता आयोजन

रामगढ़। रामगढ़ श्री गुरु नानक पब्लिक स्कूल के प्रांगण में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में फाइनल का प्रथम चरण संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सरदार तेजिंदर सिंह सोनी थे। विद्यालय के छात्रों ने मुख्यातिथि का स्वागत पुष्पगुच्छ प्रदान कर किया । कार्यक्रम का शुभारंभ छात्र-छात्राओं की ओर से स्वागत गान प्रस्तुत कर किया गया। स्वागत भाषण विद्यालय की प्रबंधन ने दिया। कार्यक्रम में नन्हें विद्यार्थियों के जरिये मनोरम नृत्य प्रस्तुत किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों के मध्य 100 मीटर रेस, 400 मीटर रेस, सैक रेस, स्पून मार्बल रेस करवाया गया। मुख्य अतिथि ने अपने भाषण में खेल भावना पर बल देते हुए विद्यार्थियों को खेलकूद में उत्साहपूर्वक भाग लेने की सलाह दी गई । उन्होंने जीवन में खेल का महत्व बताते हुए विद्यार्थियों को खेल के साथ-साथ मन लगाकर एकाग्रचित होकर पढ़ाई करने की बात भी कही।

पॉलिटेक्निक प्रबंधन व शिक्षकों ने किया वनभोज का आयोजन

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

सिल्ली। सिल्ली पॉलिटेक्निक प्रबंधन के द्वारा शुक्रवार को गेतलसूद डैम में वनभोज का आयोजन किया गया। निदेशक विष्णु ब्रोतो चोट्टोपाध्याय व प्राचार्य समीर शर्मा के नेतृत्व में कॉलेज के शिक्षक, शिक्षक्केतर कर्मचारी व उनके परिजन शामिल हुए।

जिसमें सभी ने डैम एवं जंगल के मनोरम दृश्य का खुब आनंद लिया वहीं सभी ने इस यादगार पल को मोबाइल केकेमरे के माध्यम से कैद किया। कार्यक्रम मुख्य रूप से जसपुरिया बीएड कॉलेज के निदेशक जैलेंद्र कुमार उपस्थित हुए। इस मौके पर उन्होंने कहा कि इस तरह के वनभोज का आयोजन करने से न केवल कर्मचारियों के बीच सामाजिक संबंधों को मजबूत बनाने में मदद मिलती है, बल्कि यह कार्यक्रम कॉलेज प्रबंधन कर्मचारियों के बीच एकता और सामाजिक संबंधों को बढ़ावा देने में मदद करता है। कार्यक्रम के अंत में सभी ने प्रकृति के गोद में बैठ कर सामुहिक भोजन का आनंद लिया। इस मौके पर कॉलेज के शिक्षक राजेश गुड़िया, दीपक कुमार महतो, शेखर चौधरी, सन्नी कुमार, सुदीप नंदी, उत्पल कुमार पॉल, अजय कुमार, अखिलेश कुमार, क्षसोमनाथ नाग, देवाशीश राय, बप्पा दत्त सैन आदि उपस्थित थे।

टाटा स्टील फाउंडेशन ने वेस्ट बोकारो में लगाया पहला कृत्रिम अंग वितरण शिविर

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

वेस्ट बोकारो। टाटा स्टील फाउंडेशन ने दिव्यांगजन के लिए एक विशेष स्क्रीनिंग कैंप का आयोजन गुरुवार को किया, जिसमें उन्हें सहायक कृत्रिम अंग प्रदान किए गए। यह पहल जयपुर स्थित प्रतिष्ठित संस्था भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति के सहयोग से की गई, जो दिव्यांगजन के पुनर्वास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

शिविर में 16 दिव्यांगजन का व्यापक परीक्षण किया गया, जिसमें मेडिकल विशेषज्ञों और स्वास्थ्य कर्मियों ने सहयोग दिया। परीक्षण के बाद, 11 लाभार्थियों को कृत्रिम

अंग प्रदान किए गए। यह शिविर राजेंद्र नगर, घाटोटांड स्थित रिक्रिएशन क्लब में आयोजित किया गया। यह शिविर टाटा स्टील फाउंडेशन की पब्लिक हेल्थ टीम के अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा किए गए डोर-टू-डोर सर्वेक्षण के परिणामस्वरूप आयोजित किया गया। इस सर्वे में रामगढ़ जिले के मांडू प्रखंड में 233 दिव्यांगजन की पहचान हुई, जिनमें से कई को कृत्रिम अंग या आजीविका सहायता की आवश्यकता थी। सर्वेक्षण के आधार पर फाउंडेशन ने दिव्यांगजन के सशक्तिकरण की दिशा में कदम बढ़ाते हुए आजीविका समर्थन, जागरुकता कार्यक्रम और उन्हें सरकारी कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने की पहल की। वहीं, कृत्रिम अंग प्रदान करने के लिए विश्वसनीय और समान विचारधारा वाले संगठनों का सहयोग आवश्यक था, जिसके तहत यह शिविर आयोजित किया गया। बीएमवीएसएस, जयपुर के साथ लंबे समय से चले आ रहे सहयोग ने दिव्यांगजन के लिए कृत्रिम अंगों की बढ़ती जरूरत को पूरा करने में अहम भूमिका निभाई। इसी का परिणाम वेस्ट बोकारो में आयोजित यह विशेष शिविर रहा, जहां पूरे दिन दिव्यांगजन को सहायक उपकरण उपलब्ध कराए गए। शिविर में लाभान्वित हुए दिव्यांगजन झारखंड के रामगढ़ जिले के मांडू प्रखंड के विभिन्न गांवों से आए थे, जिनमें बडगांव, बंजी, कर्मा, टोपा, बारुघुटू मिडिल, बोंगाबर, दूधमटिया, भरेच नगर, ओरला और सोनडीहा शामिल हैं। इस दौरान सात कृत्रिम पैर, तीन कृत्रिम हाथ, दो वॉकिंग स्टिक और तीन बैसाखियां वितरित की गईं। शिविर में वेस्ट बोकारो डिवीजन के जनरल मैनेज अनुराग दीक्षित और रक्षा दीक्षित के साथ चीफ कैपसिटी एन्हांसमेंट प्रोजेक्ट राजेश कुमार, सिक्योरिटी हेड अखिलेश कुमार एवं टाटा स्टील फाउंडेशन के अन्य सदस्य भी कार्यक्रम में शामिल हुए, जिनके सहयोग से यह दिनभर का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह पहला अवसर था जब वेस्ट बोकारो में इस प्रकार का शिविर आयोजित किया गया, जो पास के ब्लॉकों का गहन सर्वेक्षण करने और वहां रहने वाले समुदायों की वास्तविक आवश्यकताओं को समझने के बाद आयोजित हुआ। फाउंडेशन का लक्ष्य इन प्रयासों को बढ़ाने का है। रामगढ़ जिले के बड़े क्षेत्र में ऐसे शिविर आयोजित करने की योजना है, ताकि दिव्यांगजन की पहचान की जा सके, उन्हें कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा जा सके। उनकी सहायता की जा सके। यह प्रयास टाटा स्टील फाउंडेशन की सबल टीम के विस्तार के रूप में सामने आया है, जो अब दिव्यांगजन के लिए एक समान और समावेशी दुनिया बनाने की दिशा में एक राष्ट्रीय परिवर्तन मॉडल के रूप में उभर रही है।

सेवानिवृत्त हुए १8 शिक्षकों को किया सम्मानित, दिए सारे लाभ

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री की अध्यक्षता में 31 जनवरी, 2025 को समाहरणालय ब्लॉक- ए स्थित सभागार में पेंशन दरबार-सह-सेवा निवृति विदाई सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। उपायुक्त ने सेवानिवृत हुए 28 शिक्षकों को मोमेंटो, शाल ओढ़ा कर सम्मानित किया। जानकारी हो कि जिला का यह सबसे पहला कार्यक्रम रहा, जिसमें सेवानिवृत हो रहे शिक्षकों को उनके सेवानिवृत्ति के ही दिन सेवानिवृत्ति के सारे लाभ दे दिए गए। उपायुक्त ने शिक्षकों से कहा कि? सेवानिवृत्ति के बाद आप सभी जीवन में एक नए स्टेज में जा रहे है।

उपायुक्त ने सभी सेवानिवृत्त हो रहें शिक्षकों से कहा कि? आप व्यस्त रहे। समाज में आप लोगों की महत्वपूर्ण भूमिका है। अभी गणतंत्र दिवस के अवसर पर तीन शिक्षकों को उनके बेहतरीन कार्य और पढ़ाई के लिए सम्मानित किया गया था। ऐसे ही आप सभी शिक्षक बेहतरीन कार्य करें। समाज का व्यक्तित्व का निर्माण आप ही के माध्यम से होता है। इसलिए सेवानिवृत्ति के बाद आप सभी शिक्षक अपने व्यक्तिगत कार्य करते हुए अपने स्वास्थ्य के ऊपर ज्यादा ध्यान दें।

उपायुक्त ने जिला शिक्षा अधीक्षक और जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय से अनुरोध करते हुए कहा की सेवानिवृत्त शिक्षक अगर आपके कार्यालय आते हैं तो उन्हें सम्मान दे। उनका कोई कार्य उनके कार्यालय में लंबित ना रहें उनके द्वारा मांगी जा रही जानकारी पर्याप्त रूप से उपलब्ध करा दे।

उपायुक्त ने कार्यक्रम आयोजन के लिए जिला शिक्षा अधीक्षक एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी रांची को विशेष धन्यवाद दिया। सेवानिवृत्त हुए शिक्षकों को लंबी उम्र और अच्छा स्वास्थ्य देने की ईश्वर से कामना की।

सेवानिवृत्ति हुए पदाधिकारी/शिक्षकों/कर्मी

सुरेश चौधरी, प्रखण्ड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी
श्याम किशोर सिन्हा, सहायक शिक्षक
सुखदेव पंडित, सहायक शिक्षक
श्रीमती तल्लत तसनीम, सहायक शिक्षिका
श्रीमती मरिया रश्मि कण्डुलना, सहायक शिक्षिका
शरत कुमार दत्ता, सहायक शिक्षक
श्रीमती बेरोनिका टोप्पो, सहायक शिक्षिका
श्रीमती पार्वती गुप्ता, सहायक शिक्षिका
श्रीमती अदीबा हसन, सहायक शिक्षिका
श्रीमती वीणा कुमारी बड़ाईक, सहायक शिक्षिका
अशोक कुमार मेहता, सहायक शिक्षक
श्रीमती अंजु कुमारी, सहायक शिक्षिका
श्रीमती इन्दु रानी तिर्की, सहायक शिक्षिका
दिलीप कुमार झा, सहायक शिक्षक
श्रीमती मिथिला बाला, सहायक शिक्षिका
सहदेव उरांव, सहायक शिक्षक
थानेश्वर उरांव, सहायक शिक्षक
रामचरण महली, सहायक शिक्षक
ठाकुर दास गोंझू, सहायक शिक्षक
नेहरू महतो, सहायक शिक्षक
दुखू उरांव, सहायक शिक्षक
राम रतन सिंह मुण्डा, सहायक शिक्षक
श्रीमती शान्ति प्रफुला टोप्पो, सहायक शिक्षिका
श्रीमती सुड़ालेन पुर्ती, सहायक शिक्षिका
मोईज अख्तर, सहायक शिक्षक
सुरेश कुमार सिन्हा, स.शि.
श्रीमती निर्मला सिंह, सहायक शिक्षिका
राम रतन साहु, आदेशपाल।

संक्षिप्त

कांके बीईईओ सुरेश सेवानिवृत्त, दी गई विदाई

रांची। कांके बीईईओ सुरेश कुमार चौधरी 34 वर्षों की लंबी सेवा अवधि के बाद 31 जनवरी, 2025 को सेवानिवृत हो गए। उन्हें विदाई दी गई। वे लगभग 3 वर्षों तक प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी के पद पर कार्यरत रहे। विदाई समारोह को संबोधित करते हुए बीपीओ मंजू बिलुंग ने श्री चौधरी के कार्यकाल में कांके प्रखंड में प्राथमिक से लेकर माध्यमिक शिक्षा के क्षेत्र किये गए उत्कृष्ट कार्यों की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया। उनके बेहतर स्वास्थ्य की कामना की। समारोह में प्रखंड शिक्षा प्रसार कार्यालय के शिक्षकेत्तर कर्मियों, बीआरसी, बीआरपी ने अपने विचार रखे। मौके पर बीआरसी नसीम खान, इमरान अंसारी, बीआरपी सुमन सुरभि, संगीता कुमारी, पूनम तिर्की, नीलू सिंह, सरिता कुमारी, शरीफ अंसारी सहित कई शिक्षकेत्तर कर्मचारी मौजूद थे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने की सांसद पप्पू यादव के बयान की निंदा

रांची : भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने बिहार के पूर्णिया सांसद पप्पू यादव के बयान की निंदा की है। मरांडी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा है कि देश की राष्ट्रपति और हमारे संथाल आदिवासी समाज की गौरव, द्रौपदी मुर्मू के खिलाफ कांग्रेस समर्थित सांसद पप्पू यादव ने रबर स्टाम्प जैसे बेहद आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया है। इसकी जितनी निंदा की जाए, वह कम है। उन्होंने कहा कि पप्पू यादव से गलबहियां करने वाले और झारखंड में उन्हें जेड श्रेणी की सुरक्षा देने की तैयारी कर रहे हेमंत सोरेन क्या अपने बदजुबान मित्र से आदिवासी समाज की सम्मानित महिला का अपमान करने पर माफी मंगवाएंगे? या फिर अपनी भाभी सीता सोरेन के अपमान को नजरअंदाज करने की तरह इस बार भी चुप्पी साध लेंगे?

विशाल महतो ने की सुदेश महतो से मुलाकात

रांची : शुक्रवार को अखिल झारखंड छात्र संघ (आजसू) के विशाल महतो जो कुछ दिनों से संगठन के कार्यों से निजी कारण से दूर थे आज आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो से मिलकर आशीर्वाद प्राप्त किया तथा संगठन के कार्य एवं छात्र हित में कार्य करने हेतु निर्देश प्राप्त हुआ। इस अवसर पर मुख्य रूप से केंद्रीय महासचिव रामचंद्र सहीस केंद्रीय मुख्य प्रवक्ता देवशरण भगत, केंद्रीय उपाध्यक्ष हसन अंसारी, छात्र संघ प्रभारी हरीश कुमार, प्रदेश अध्यक्ष ओम वर्मा एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

सीसीएल जन आरोग्य केन्द्र ने लगाया नि:शुल्क रक्तचाप व मधुमेह स्वास्थ्य जांच शिविर

रांची : सी.सी.एल. जन आरोग्य केन्द्र द्वारा नि:शुल्क रक्तचाप एवं मधुमेह स्वास्थ्य जांच शिविर शुक्रवार को रांची के पिस्का नगरी स्थित आदर्श वृद्धा आश्रम में किया गया। आश्रम में विशेषज्ञों डॉक्टरो ने 40 वृद्धों की जांच की और डॉक्टरी सलाह दिया। आश्रम में विशेषकर हीमोग्लोबिन, ब्लड शुगर, ईसीजी, हाइपरटेंशन का नी:शुल्क जांच किया गया। ज्ञात हो की सीसीएल द्वारा अपने हितधारकों तथा समाज के सभी जरूरतमंदों के बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करने के उद्देश्य से समय-समय पर इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन करता रहता है। बड़ी संख्या में लोग इसका लाभ उठाते हैं। शिविर के सफल आयोजन में डॉ रत्नेश जैन, सी.एम.एस., सी.सी.एल., डॉ प्रीति तिग्गा सी एम ओ,सी एस आर, इंचार्ज, डॉ शिल्पी शर्मा, डॉ शशिकांत प्रसाद, डॉ दीपाली, डॉ दीपक सिंह, डॉ आशिमा, डॉ रत्नेश सिंह, डॉ पारुल ,मुन्ना कुमार सिंह, कमलेश पंडित, हरमन एवम सभी पारा मेडिकल स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा।

एमवीआई फिटनेस देने में बरतें पूरी सावधानी : दीपक बिरुआ

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। परिवहन मंत्री दीपक बिरुआ ने कहा कि एमवीआई फिटनेस देने में सावधानी बरतें। साथ ही ड्राइविंग लाइसेंस देने की सभी प्रक्रियाओं को भी सही तरीके से फॉलो किया जाए। जिससे सड़क दुर्घटनाओं में कमी आए । बिरुआ शुक्रवार को होटल रेडिशन ब्लू रांची में परिवहन विभाग के जरिये आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार सड़क सुरक्षा 2025 कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

मंत्री ने कहा कि ड्राइविंग लाइसेंस देने की प्रक्रिया को सही तरीके से फॉलो नहीं करने से बहुत सारे लोग ड्राइविंग सीट पर तो बैठ जाते हैं लेकिन वाहन चलाने की तकनीकी चीजों को नहीं जानने और समझते, जिससे सड़क दुर्घटना के शिकार हो जाते हैं। इसलिए सड़क दुर्घटना और ड्राइविंग संबंधित बातों को अब छात्रों के सिलेबस में शामिल किया जाएगा। ताकि भविष्य में हमारे बच्चें ड्राइविंग संबंधित महत्वपूर्ण बातों को आत्मसात कर आनेवाले समय में सुरक्षित और बेहतर तरीके से वाहन चला सकेंगे। इसके लिए मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से बात करेंगे। लोग सड़क सुरक्षा की बातों को अपनी आदत में डालेंगे तो दुर्घटनाओं में कमी आएगी।

मंत्री ने कहा कि एमवीआई जिस तरह बिना सोचे समझे या बिना जांच किए या फिर अन्य कारणों से फिटनेस दे देते हैं वह नहीं होना चाहिए। यह दुर्घटनाओं को आमंत्रित करता है। और सड़क दुर्घटना होने का बहुत बड़ा कारण है। मंत्री ने कहा कि बहुत सारी खामियां है, जिसपर विभाग ध्यान दें। ताकि झारखंड में होनेवाले सड़क दुर्घटना में कमी लाई जा सके। मंत्री ने कहा कि सड़क सुरक्षा को लेकर और अधिक प्रचार प्रसार करने की आवश्यकता है। सामूहिक जिम्मेवारी के तहत इस पर काम किया जाए।

मंत्री ने कहा कि सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में होने वाले प्रयासों को देखा जाए तो आंकड़ों के हिसाब से सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु की संख्या अधिक है और घायलों की संख्या कम है। तो इस पर निश्चित तौर पर स्वास्थ्य विभाग, इंजीनियरिंग सेल समेत अन्य सेक्टर को बहुत ध्यान देने की आवश्यकता है। हम प्रयास करेंगे सड़क सुरक्षा संबंधित चीजों को लेकर आज जिस तरह से चर्चा होगी। एक्सपर्ट के तमाम राय आदि महत्वपूर्ण सुझावों व मंतव्य पर विभाग इसमें नए तरीके अपनाते हुए सड़क सुरक्षा के नियमों को सार्थक बनाएं। आप सभी के सुझाव को सरकार आत्मसात कर बेहतर काम करेगी। ताकि सड़क सुरक्षा पर व्यापक काम किया जा सके।

मौके पर विभागीय सचिव कृष्णानंद झा ने कहा कि सड़क दुर्घटना में रेस्क्यू पार्ट को कभी भी नजर अंदाज नहीं किया जाना चाहिए। सड़क हादसे के साथ ही एंबुलेंस, ट्रॉमा सेंटर तैयार है या नहीं ध्यान दें। पलटी हुई वाहन को यदि गैस कटर आदि से काटने की नौबत आए तो तत्काल संबंधित सामग्री कैसे मिले। ताकि लोगों की जानें बचाई जा सके। इनपर ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इंश्योरेंस क्लेम करने में वकीलों की अधिक चार्ज होने के कारण लोगों को परेशानी होती है। इस पर डालसा या झालसा से मिलकर काम करने की आवश्यकता है। ताकि दुख की घड़ी में पीड़ित परिवार को जल्द राहत मिल सके। सचिव ने कहा कि कई एक बार सड़क किनारे सिग्नल नहीं होने के कारण भी लोग दुर्घटनाग्रस्त हो जाते हैं। इंजीनियर को खास तौर पर ध्यान देने की आवश्यकता है कि सड़क में कहां कौन सा सिग्नल लगाया जाए। उन्होंने रोड सेफ्टी के तहत चिंता जाहिर करते हुए कहा कि छोटे या बड़े किसी भी तरह के सड़क हादसे को लेकर डाटा कैप्चर नहीं होता है यह एक विडंबना है इस पर ध्यान देने की जरूरत है।

विहिप की केंद्रीय प्रबंध समिति की बैठक छह फरवरी से प्रयागराज में

रांची। विश्व हिंदू परिषद झारखंड प्रांत टोली की बैठक प्रांत कार्यालय रांची के किशोरगंज में आयोजित की गयी। बैठक की अध्यक्षता विहिप प्रांत अध्यक्ष चंद्रकांत रायपत ने की। बैठक में राममंदिर प्राण प्रतिष्ठा की प्रथम वर्षगांठ, धर्म रक्षा निधि समर्पण, रामायण ज्ञान परीक्षा, सेवा कार्य ,संस्कार केंद्र ,संस्कारशाला, मठ मंदिरों एवंअर्चक पुरोहित संपर्क एवं सत्संग सहित परिषद के जरिये चलाए जा रहे अन्य गतिविधियों की समीक्षा एवं आगामी योजनाओं पर चर्चा की गई।

बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित झारखंड-बिहार क्षेत्र संगठन मंत्री आनंद पांडे उपस्थित हुए। उन्होंने झारखंड में चल रहे कार्यों की सराहना की तथा इसे और अच्छा करने के लिए सभी स्तर के कार्यकताओं के प्रशिक्षण पर विशेष जोर दिया।

क्षेत्र सहमंत्री डॉ वीरेंद्र साहू ने विभाग स्तर के कार्यकताओं से निरंतर प्रवास करने का आग्रह किया। प्रांत संगठन मंत्री देवी सिंह ने बताया विहिप की केंद्रीय प्रबंध समिति की बैठक छह फरवरी से 10 फरवरी तक प्रयागराज में होगी। साथ ही सभी आयामों की अलग-अलग बैठकें भी तय तिथियों में कुंभ के दौरान आयोजित की गई है, जिसमें झारखंड से सभी अपेक्षित कार्यकर्ता भाग लेंगे। प्रांत मंत्री मिथिलेश्वर मिश्र ने बताया आगामी कार्यक्रमों को लेकर एक से तीन फरवरी तक सभी जिलों में जिला बैठकें तथा सात से नौ फरवरी तक प्रखंड बैठकों का आयोजन किया जाएगा।

एसबीयू में हुआ फ्रेशर्स डे का आयोजन

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। सरला बिरला विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2024-25 के छात्र-छात्राओं के लिए फ्रेशर्स डे कार्यक्रम 'आरंभ ' का आयोजन 31 जनवरी को किया गया। कार्यक्रम में अपने संबोधन में विवि के महानिदेशक प्रो गोपाल पाठक ने नवोदित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उन्हें सामान्य एवं शैक्षणिक जीवन में अनुशासन के महत्व के विषय में बताया। उन्होंने विद्यार्थियों को किसी एक विषय पर ही केंद्रित न रहकर सीखने की प्रक्रिया से लगातार जुड़े रहने की सलाह दी।

कुलपति प्रो सी जगनाथन ने विवि के विद्यार्थियों की मेहनत और लगन की प्रशंसा करते हुए उम्मीद व्यक्त किया कि आनेवाले दिनों में कैंपस की बेहतरीन छवि को पहले की तरह ही वे बरकरार रख पाने में सक्षम होंगे।

कार्यक्रम को विवि के कुलसचिव प्रो विजय कुमार सिंह ने भी संबोधित किया। आयोजन में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रही। इस दौरान गीत, संगीत, नृत्य एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। साथ ही नए और पुराने छात्रों ने आपसी संवाद के माध्यम से एक दूसरे के साथ स्नेह और तालमेल का परिचय दिया।

एसबीयू में फ्रेशर्स डे के आयोजन पर विवि के प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान और राज्यसभा सांसद डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की।

मुख्यमंत्री से दो आईपीएस अधिकारियों ने की मुलाकात

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से शुक्रवार को कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में आईपीएस अधिकारी आरके मल्लिक ने शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने आरके मल्लिक को उनके उज्जवल भविष्य एवं मंगलमय जीवन की शुभकामनाएं दी। उल्लेखनीय है कि आज (31 जनवरी 2025) को आईपीएस अधिकारी आरके मल्लिक सेवानिवृत हो गए हैं।

वहीं दूसरी ओर मुख्यमंत्री से कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में आईपीएस अधिकारी एमएस भाटिया ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री से यह उनकी शिष्टाचार भेंट थी।

बीआईटी मेसरा में वार्षिक एथलेटिक मीट का आगाज

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। बीआईटी, मेसरा ने 37वें वार्षिक एथलेटिक मीट 2024-25 की शानदार शुरूआत की। यह खेल उत्सव 31 जनवरी से 2 फरवरी तक संस्?थान के स्टेडियम में होगा। इसमें संस्थान के विभिन्न परिसरों से आए खिलाड़ी अपनी प्रतिभा दिखाएंगे।

उद्घाटन समारोह 31 जनवरी को हुआ। डीन ऑफ स्टूडेंट अफेयर्स डॉ. भास्कर करन ने सभी का स्वागत किया। इस खास मौके पर मुख्य अतिथि सरोज लकड़ा, जो कि एक बेहतरीन धाविका हैं और भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं, ने खिलाड़ियों को प्रेरित किया।

बी.आई.टी. मेसरा के कुलपति प्रोफेसर इंद्रनील मन्ना ने अपने भाषण में संस्?थान की 70 वर्षों की उपलब्धियों का जिक्र किया। खेलों के महत्व पर जोर दिया। आयोजन सचिव डॉ. महेंद्र कुमार ने सभी प्रतिभागियों और अतिथियों का गर्मजोशी से स्वागत किया।

उद्घाटन समारोह में रंगारंग परेड और सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ हुईं। बीआईटी, मेसरा के लालपुर, देवघर, पटना, नोएडा और जयपुर परिसरों के खिलाड़ियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। नवोदय विद्यालय गर्ल्स बैंड ग्रुप की शानदार प्रस्तुति सभी के लिए आकर्षण का केंद्र रही।

तीन दिनों तक चलने वाले इस मीट में दौड़, हाई जंप, लॉन्ग जंप, भाला फेंक और बाधा दौड़ जैसी कई प्रतियोगिताएँ होंगी। अंतिम दिन स्टाफ रेस का आयोजन भी होगा, जिसमें शिक्षक और कर्मचारी भी भाग लेंगे। इन खेलों में विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार दिए जाएंगे। यह आयोजन विद्यार्थियों को अपनी खेल प्रतिभा दिखाने और खेल भावना को बढ़ावा देने का शानदार अवसर देगा।

सीसीएल से जनवरी में रिटायर हुए 168 कर्मी, दी गई विदाई

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। सीसीएल के मुख्यालय में 'सम्मान समारोह' का आयोजन 31 जनवरी, को किया गया। मुख्यालय के विभिन्न विभागों से रिटायर हुए 13 कर्मियों को विदाई दी गई। जनवरी, 2025 में पूरी कंपनी से 168 कर्मी सेवानिवृत्त हुए।

मुख्यालय से सेवानिवृत्त कर्मियों में सुरक्षा विभाग से महाप्रबंधक (विद्युत एवं यांत्रिकी) रवि प्रताप शरण, उत्खनन विभाग से महाप्रबंधक (उत्खनन) अशोक कुमार, निदेशक (कार्मिक) के सचिवालय से महाप्रबंधक (सुरक्षा) शैलेन्द्र सिंह, समाधान सेल से मुख्य प्रबंधक (कार्मिक) अनिल कुमार मल्लिक, प्रशासन विभाग से मुख्य प्रबंधक (कार्मिक) सुजीत कुमार गोस्वामी, प्रणाली विभाग से मुख्य प्रबंधक (उत्खनन) संजय कुमार गुप्ता शामिल हैं।

इसके अतिरिक्त चिकित्सा विभाग से लेखपाल ए-1 नायक, गांधी नगर अस्पताल से मेट्रोन ए-1 श्रीमती झुमुर चटर्जी, कार्मिक एवं औ. सं. विभाग से लिपिक ग्रेड-1 श्रीमती अमिता सिन्हा, सिविल विभाग से वरीय मुख्य चैनमेन मोहन सिंह, तोपा ड्रिलिंग कैंप से रिगमैन-डी खली प्रधान, लपंगा ड्रिलिंग कैंप से रिगमैन मोतीलाल साव एवं सुरक्षा विभाग से मुख्य सुरक्षा प्रहरी श्रीमती सरस्वती देवी रिटायर हुए।

समारोह में सीएमडी नीलेन्दु कुमार सिंह, निदेशक (कार्मिक) हर्ष नाथ मिश्र, सीवीओ पंकज कुमार, विभिन्न विभागों के महाप्रबंधक, अधिकारी, कर्मचारी और सेवानिवृत्त कर्मियों के परिवारजन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान सेवानिवृत्त कर्मियों के अनुभव और योगदान पर आधारित एक शॉर्ट फिल्म प्रदर्शित की गई। इसमें कर्मियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए कंपनी के प्रति आभार व्यक्त किया। इसके निरंतर विकास की कामना की।

मुख्य अतिथि सीएमडी ने कहा कि आप सभी ने अपनी मेहनत और निष्ठा से कंपनी को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। सेवानिवृत्ति जीवन की नई शुरूआत है। इस समय को परिवार के साथ बिताएं। स्वास्थ्य का ख्याल रखें और समाज में अपनी सकारात्मक भूमिका निभाएं।

निदेशक (कार्मिक) हर्ष नाथ मिश्र एवं सीवीओ ने भी सेवानिवृत्त कर्मियों के योगदान को सराहते हुए उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

मंच संचालन और धन्यवाद महाप्रबंधक (कार्मिक/कल्याण) श्रीमती रेखा पांडेय ने किया। कार्यक्रम की सफलता में कल्याण विभाग और अन्य विभागों का विशेष योगदान रहा।

संक्षिप्त

विष्णुगढ़ प्रखंड में सड़क दुर्घटनाओं पर चिंता

विष्णुगढ़ : विष्णुगढ़ प्रखंड में सड़क दुर्घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, जिससे न केवल परिवारों की ज़िंदगियां प्रभावित हो रही हैं, बल्कि पूरे समाज में भी चिंता का माहौल है। प्रतिदिन कहीं न कहीं दुर्घटनाएँ घटित हो रही हैं और इन घटनाओं में कई लोग अपनी जान गंवा रहे हैं। इस समस्या को देखते हुए समाज के विभिन्न वर्गों को एकजुट होकर सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने की आवश्यकता है। सड़क दुर्घटनाओं के कारण,लापरवाह ड्राइविंग तेज गति से वाहन चलाना और यातायात नियमों का उल्लंघन दुर्घटनाओं के मुख्य कारण हैं, नशे में वाहन चलाना शराब या नशे में वाहन चलाना, न केवल ड्राइवर के लिए, बल्कि सड़क पर चलने वाले अन्य लोगों के लिए भी जानलेवा हो सकता है,कम उम्र के बच्चों द्वारा वाहन चलाना अब हम देख रहे हैं कि नाबालिग और कम उम्र के बच्चे भी बिना लाइसेंस के वाहन चला रहे हैं, यह स्थिति और भी गंभीर हो सकती है।

जनमन आवास योजना में आया फर्जीवाड़ा का मामला

लातेहार : जनमन आवास योजना के तहत लाभुकों की राशि फर्जी तरीके से निकालने का मामला सामने आया है। जिले के बरवाडीह प्रखंड अंतर्गत छिपादोहर थाना क्षेत्र के ओपाग पंचायत के ग्रामीणों ने उपायुक्त को आवेदन देकर निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। लाभुकों में भुखल परहिया, सुनीता देवी, सरिता देवी, राजमनी देवी, रीता देवी, सुकनी देवी और ललिता देवी ने आरोप लगाया कि उनके आवास निर्माण के लिए स्वीकृत राशि को बिना उनकी जानकारी के निकाल लिया गया। इस संबंध में ग्रामीणों ने आवास मित्र संतोष सिंह पर आरोप लगाया कि उन्होंने गुपचुप तरीके से बैंक खाते से पैसा निकाल लिया। इस फजीर्वाड़े से आक्रोशित ग्रामीणों ने उपायुक्त से मामले की गहन जांच कर दोषियों को दंडित करने की मांग की है। ग्रामीणों ने कहा कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे। इस अवसर पर रीता कुमारी, सरिता देवी, ललिता देवी, राजमणि देवी, भुखल परहिया, रामराज परहिया सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे।

सरस्वती पूजा को लेकर शांति समिति की बैठक

भवनाथपुर : सरस्वती पूजा के शांतिपूर्ण आयोजन को लेकर स्थानीय थाना परिसर में शुक्रवार को शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता भवनाथपुर थाना प्रभारी रजनी रंजन ने की। बैठक में सरस्वती पूजा के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने पर जोर दिया गया। सभी पूजा समितियों को निर्देश दिया गया कि वे समय-सीमा और प्रशासन द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों का पालन करें। विशेष रूप से ध्वनि प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए डीजे पूर्ण रूप से प्रतिबंधित लगाया गया है। पूजा पंडालों में सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम रखने और किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए पुलिस प्रशासन से सहयोग करने की अपील की गई।थाना प्रभारी ने कहा कि सरस्वती पूजा खासकर विद्यार्थियों का पूजा है, लेकिन सभी शांतिपूर्ण वातावरण में सरस्वती पूजा मनाए। कहा कि किसी भी तरह की अफवाह से बचे और कोई संदिग्ध गतिविधि नजर आने पर तुरंत पुलिस को सूचित करने के साथ ही मूर्ति विसर्जन सूर्यास्त से पूर्व ही करने का आग्रह किया।

आशुतोष झा की अध्यक्षता में प्रयास मंच की बैठक सम्पन्न

गुमला : गुमला में महामहिम राष्ट्रपति महोदया से खेल विश्वविद्यालय की मांग को लेकर कराये जा रहे हस्ताक्षर अभियान की समीक्षा की गयी। संस्था के संरक्षक रमेश चीनी ने कहा कि महामहिम का कार्यकाल बहुत कम समय बचा है क्योंकि महामहिम इस क्षेत्र की परिस्थिति से अवगत है और उनके संज्ञान में है की गुमला के निकटवर्ती 5-6 जिला के युवक युवति राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय खेलों में अपनी भागीदारी निभाई है अतः हम सभी को पूर्ण विश्वास है कि गुमला में खेल विश्वविद्यालय के निर्माण की अनुशंसा महोदया द्वारा अवश्य की जाएगी मंच के अध्यक्ष संतोष झा ने कहा कि 7 फरवरी 2025 को मंच के सभी सदस्य हस्ताक्षर युक्त मांग पत्र माननीय राज्यपाल महोदय झारखंड को सौंपा जाएगा।

अवैध खनन, परिवहन व भंडारण के विरुद्ध करें कड़ी कार्रवाई : डीसी

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

मेदिनीनगर : पलामू जिले में अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण की रोकथाम आवश्यक है। इसकी रोकथाम से विधि व्यवस्था संधारण में भी मदद मिलेगी। अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण की रोकथाम में टास्क फोर्स की अहम भूमिका है। टास्क फोर्स के सभी पदाधिकारियों को आपसी समन्वय रखकर कार्य किए जाने से इसके रोकथाम में मदद मिलेगी। सभी अपने-अपने संबंधित क्षेत्रों में सूचना तंत्र को मजबूत करें तथा अभियान चलाकर छापेमारी करते हुए संलिप्त लोगों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई कर रोकथाम करना सुनिश्चित करें। यह बातें उपायुक्त शशि रंजन ने कही।

वे आज समाहरणालय सभागार में जिला स्तरीय खनन टास्क फोर्स की संयुक्त बैठक में अधिकारियों को निदेशित कर रहे थे। बैठक में मुख्य रूप से पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन एवं वन प्रमंडल पदाधिकारी सत्यम कुमार भी उपस्थित थे। उपायुक्त शशि रंजन ने अवैध बालू उठाव, अवैध खनन, अवैध परिवहन, भंडारण एवं अवैध रूप से संचालित ईंट भट्टों एवं क्रशर के विरूद्ध अंचल एवं थाना स्तर पर अबतक किए गए कार्रवाई की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि संयुक्त प्रयास एवं ठोस रणनीति बनाकर कार्रवाई किये जाने से अवैध कार्यो की रोकथाम की दिशा में बेहतर परिणाम मिलेंगे। उन्होंने कार्य के प्रति उदासीन रवैया बरतने वाले पदाधिकारियों के विरुद्ध भी कार्रवाई की चेतावनी दी।

अवैध रूप से संचालित क्रशर को सील करते हुए उसके अवैध भंडारण को जिला खनन पदाधिकारी को हैंडओवर करने तथा खनन क्षेत्र का सत्यापन करने का भी निदेश दिया। उन्होंने अवैध खनन, परिवहन वाले क्षेत्रों को चिन्हित करते हुए बैरिकेडिंग लगाकर चौकीदार की ड्यूटी लगाने का सख्त निदेश दिया। साथ ही कार्रवाई में शिथिलता बरतने वाले थाना प्रभारी एवं अंचल अधिकारियों से स्पष्टीकरण करने का निदेश दिया।प

ुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन ने जिले में अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध थाना प्रभारी को सक्रियता दिखाते हुए प्रशासनिक तालमेल के साथ छापेमारी करते हुए कार्रवाई का निदेश दिया। वहीं वन प्रमंडल पदाधिकारी सत्यम कुमार ने चेकनाका के बारे में जानकारी देते हुए अवैध लकड़ियों की आवाजाही पर भी रोक लगाने की दिशा में कार्य करने की बातें कही।जिला खनन पदाधिकारी सुनील कुमार द्वारा बताया गया कि जिले मे दिसम्बर माह मे 26 वाहन जप्त किये गये हैं। वहीं इस वित्तिय वर्ष में 348 वाहनों को जब्त किया गया है, जिससे आर्थिक दण्ड के रूप में 142.52 लाख जमा करवाया गया है।

साथ ही 36 प्राथमिकी भी दर्ज कराई गई है। जिला खनन टास्क फोर्स की बैठक में जिला स्तरीय पदाधिकारी, मेदिनीनगर सदर, छतरपुर एवं हुसैनाबाद के अनुमंडल पदाधिकारी, जिला खनन पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, थाना प्रभारी आदि उपस्थित रहे।

नरकी जंगल में वन विभाग ने हटाया बुलडोजर चला कर अतिक्रमण

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

विष्णुगढ़ : विष्णुगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत नरकी जंगल में अवैध अतिक्रमण को हटाया गया। जंगल में अवैध झोपड़ी बनाकर होटल चला रहे झोपड़ी को वन विभाग द्वारा तोड़ दिया गया। इस संबंध में वनपाल संजीत कुमार दास ने जानकारी देते हुए बताया कि जंगल में अवैध रूप से झोपड़ी बनाकर रह रहा था और होटल भी चला रहा था।

वन विभाग द्वारा कई बार सूचना देने के बावजूद भी खाली नहीं कराया गया। फलस्वरूप शुक्रवार को वन विभाग की टीम ने अवैध झोपडी को ध्वस्त कर दिया गया। इसके अलावा नरकी के बोरो जंगल में अवैध पत्थर खनन किया जा रहा था जिसके विरुद्ध छापेमारी अभियान चलाया गया। जिसमे रंभा, कोड़ी, कुदाल, सबल, कड़ाई, गायता को जब्त किया गया। तथा अवैध खनन कर रहे सुबोध सिंह, रवि सिंह, दिनेश तुरी के विरुद्ध कारवाई किया गया। इसके अलावा अरजरी जंगल से अवैध रूप से काटा गया लकड़ी समेत एक ट्रैक्टर को जब्त किया गया। लकड़ी तस्करी के मामले में बंदखारो के कैलाश महतो, बगोदर के गुड्डू जायसवाल के विरुद्ध विधि सम्मत कार्रवाई की जा रही है। छापेमारी अभियान में वनपाल संजीत कुमार दास, गोमियां वनपाल रजा अहमद, विनोद गंझू, विशाल कुमार, परमेश्वर कुमार, विकास दास, सरिता कुमारी आदि शामिल थे।

सदर अंचल कार्यालय लातेहार का अपर समाहर्ता ने किया औचक निरीक्षण

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

लातेहार : सदर अंचल कार्यालय लातेहार का शुक्रवार को अपर समाहर्ता रामा रविदास ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालय में चल रहे विभिन्न कार्यों की जानकारी अंचल अधिकारी अरविंद देवाशीष टोप्पो से ली। इस दौरान उन्होंने प्रशासनिक व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की और कई आवश्यक निर्देश दिए।

निरीक्षण के क्रम में अपर समाहर्ता ने कार्यालय में मौजूद कर्मचारियों से कार्यप्रणाली की जानकारी ली और आवश्यक सुधार लाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि आम जनता की समस्याओं के समाधान में कोई लापरवाही नहीं होनी चाहिए। साथ ही, उन्होंने अधिकारियों से कहा कि नागरिकों की शिकायतों का निपटारा प्राथमिकता के आधार पर किया जाए, ताकि आम जनता को किसी प्रकार की परेशानी न हो। निरीक्षण के दौरान अपर समाहर्ता ने कार्यालय में दस्तावेजों के रखरखाव, योजनाओं के क्रियान्वयन और विभिन्न प्रशासनिक कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिया कि कार्यालय की कार्यशैली को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाया जाए।

उन्होंने यह भी कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों तक सही समय पर पहुंचे, इसके लिए अधिकारी सजगता से कार्य करें। इस मौके पर अंचल अधिकारी अरविंद देवाशीष टोप्पो, आईटी मैनेजर उमा शंकर और अंचल कार्यालय के संबधित कर्मी उपस्थित रहे।

सीनियर मैनेजर की सेवानिवृत्ति पर सम्मान समारोह का आयोजन

चतरा : टंडवा के आम्रपाली कोल परियोजना जीएम कार्यालय में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जीएम अमरेश कुमार संचालन अनूप भगत ने किया। सीनियर मैनेजर (माइनिंग) रामानुज रॉय के सेवानिवृति पर पर उन्हें सम्मानित कर विदाई दी गई। कार्यक्रम में जीएम आम्रपाली अमरेश कुमार ने अंग वस्त्र और श्रीफल देकर उन्हें सम्मानित किया। मौके पर जीएम ने कहा कि रामानुज रॉय 1990 से कोल इंडिया के बीसीसीएल से अपनी सेवा शुरू किया था। सीसीएल की आम्रपाली कोल परियोजना में ये 2021 से अपनी सेवा दे रहे थे। इस दौरान उन्होंने पूरी ईमानदारी से अपनी सेवा आम्रपाली में दिया। मौके पर रामानुज रॉय ने कहा कि कार्य के दौरान आम्रपाली में वरीय अधिकारियों समेत सहकर्मियों का पूरा सहयोग मिला। उन्होंने आम्रपाली के रैयतों के सहयोग के प्रति भी आभार जताया। मौके पर जीएम अमरेश कुमार, पीओ मो अकर्म, मैनेजर एस के सिन्हा, केके पांडा, एस के गुप्ता, अनूप कुमार भगत, डी साहू, आलोक रंजन समेत कई उपस्थित थे।

डालसा व प्रशासन ने संयुक्त रूप से विधान से समाधान कार्यक्रम का किया आयोजन

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

गुमला : कार्यक्रम में अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुरुआत किया गया। प्रखंड विकास पदाधिकारी विजय उरांव के द्वारा स्वागत भाषण दिया गया तथा प्रखंड में चल रहे योजनाओं के विषय में बतलाया गया। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार गुमला श्री राम कुमार लाल गुप्ता ने कहा कि महिलाएं मातृशक्ति हैं, जननी है, परिवार में महिला शिक्षित और सशक्त हो तो वह परिवार सशक्त रहता है बच्चों का पहला शिक्षक मां होती है।

आज महिलाओं को समान का दर्जा है महिला एवं पुरुष सभी एक दूसरे से कंधे से कंधे मिलाकर चल रहे हैं। आज की बच्चियों पढ़ाई में एवं खेलकूद में लड़कों से पीछे नहीं है। लेकिन हमारे समाज में कुछ कुरीतियां है जो हमारे समाज को कलंकित करता है और हमें विकास से पीछे धकेलता है। जिसमें मुख्य रूप से नशा है, जिस परिवार के मुखिया नशा का आदि होता है तो उस परिवार के बच्चे पत्नी पर उसका बहुत ही बुरा प्रभाव पड़ता है बच्चे पढ़ाई नहीं कर पाते हैं परिवार बिखर जाता है। दूसरा हमारे क्षेत्र में डायन बिसाही मामला पूरे क्षेत्र को कलंकित करता है आज हम इतने पढ़े लिखे शिक्षित होने के बावजूद भी यदि एक असहाय बुढ़िया महिला को डायन करते हैं तो इससे ज्यादा दुर्भाग्य क्या हो सकता है इसलिए हमें यह भरम को दूर करना होगा।

डायन जैसी कोई चीज नहीं होती है। हमें किसी को भी डायन नहीं कहना या समझना चाहिए अन्यथा कानूनी रूप से यह दंडकारी होगा। हमारे सहिया एवं आंगनबाड़ी सेविका गांव-गांव में लोगों के बीच जुड़ी रहती है वे इन गतिविधियों को ध्यान में रखें कि कोई भी व्यक्ति किसी को डायन ना कहे या समझें। यदि इस तरह की कोई घटना गांव में होती है तो पुलिस को तुरंत सूचित करें।

सचिव महोदय ने कहा कि डालसा हर समय आपको विधिक सेवा प्रदान करने के लिए तत्पर है यदि आपको कानून संबंधी परेशानी हो या कोई योजना से संबंधित या मुआवजे से संबंधित सभी मामलों में डालसा आपका सहयोग करेगा। आपके सहयोग के लिए हमारे पीएलभी ब्लॉक, थाना , पंचायत में है जिसे आप सहायता ले सकते हैं। उन्होंने मोटर वाहन दुर्घटना एवं अन्य कानून के विषय में और योजनाओं के विषय में लोगों को विस्तृत रूप से जानकारी दी। स्थाई लोक अदालत की नव चयनित सदस्य श्री शंभू सिंह ने कहा कि महिलाएं सशक्त एवं सजग रहेंगे तो बहुत से सामाजिक कुरीतियां दूर हो सकती है। हमारे क्षेत्र में मानव तस्करी और बाल विवाह जैसी कुप्रथा प्रचलित है जिसे बच्चियों को बाहर ले जाकर दलालों के द्वारा बेच दिया जाता है और बच्चियों हमेशा के लिए एक दलदल में फंसकर रह जाती है जीवन उनका न हो जाता है।

गर्मी से पहले पेयजल व बिजली की व्यवस्था दुरुस्त हो : विधायक

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

साहिबगंज : राजमहल विधायक मो. ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा ने शुक्रवार को पीएचईडी कार्यपालक अभियंता एवं विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता नथन रजक के साथ क्षेत्र में हो रहे कार्यों की समीक्षा बैठक की।विधायक ने बताया कि गर्मी से पूर्व दोनों व्यवस्था सुदृढ़ करने को लेकर पदाधिकारियों से चर्चा की गई है। दोनों व्यवस्था बेहतर से बेहतर बनाने को लेकर मंथन किया गया ताकि क्षेत्र के लोगों को पेयजल व बिजली की सुविधा निर्बाध रूप से मिल सके।

इधर विद्युत विभाग अधीक्षण अभियंता नथन रजक ने बताया कि आरडीएसएस योजना के तहत नेकेड वायर को केबल करने और लॉस को रिड्यूस करने को लेकर फोकस किया जा रहा है। इसके लिए टेक्नो कंपनी को 124 किमी स्कोप का काम मिला है।

गर्मी से पहले उक्त कार्य को पूर्ण करने के लिए टीम बढ़ाए जाने को लेकर विचार किया जा रहा है। वहीं राजमहल विधानसभा के सभी पंचायत में प्रति पंचायत 10- 10 चापानल का अधिष्ठापन कराया जाएगा। इसके अलावे राजमहल , साहिबगंज व उधवा के दियारा क्षेत्र जहां आर्सेनिक युक्त पानी उपलब्ध है, जिसको शुद्ध पेयजल व्यवस्था करना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

मिडिल स्कूल के 117 बच्चों की स्वास्थ्य जांच की गई

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

हजारीबाग। एनटीपीसी के केरेडारी कोयला खनन परियोजना की सीएसआर टीम और मेडिकल टीम ने मिडिल स्कूल उरदा में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया। इसका उद्देश्य स्कूली बच्चों के स्वास्थ्य की जांच कर उन्हें आवश्यक परामर्श एवं उपचार उपलब्ध कराना था।

शिविर में 117 छात्र-छात्राओं ने अपनी स्वास्थ्य जांच कराई। विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने बच्चों के शारीरिक स्वास्थ्य, पोषण स्तर, नेत्र व दंत सहित विभिन्न पहलुओं की जांच की। इस दौरान बच्चों को स्वच्छता और पोषण संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी भी दी, जिससे वे स्वस्थ जीवनशैली अपना सकें।

स्थानीय विद्यालय के प्रधानाध्यापक एवं शिक्षकों ने एनटीपीसी की इस पहल की सराहना की। इसे बच्चों के स्वास्थ्य एवं शिक्षा के लिए एक आवश्यक कदम बताया। एनटीपीसी केरेडारी की सीएसआर टीम ने आश्वस्त किया कि इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविर भविष्य में भी जारी रहेंगे।

देवघर ने चतरा को 07 विकेट से हराया

गुमला : शुक्रवार को जिला मुख्यालय के शहीद तेलगा खड़िया क्रिकेट स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में चतरा की टीम पहले बल्लेबाजी करते 48.1ओवरो में 132 रनो पर सिमट गयी। चतरा के रौशन कुमार ने सर्वाधिक 43रनो की पारी खेली। भागवत भारद्वाज 21व नैतिक पांडेय ने 15 रनो का योगदान किया। देवघर की ओर से यश सिन्हा व ऋषव ने तीन -तीन विकेट हासिल किये। शरीश शर्मा को दो विकेट मिला। इधर लक्ष्य का पीछा करने उतरी देवघर की टीम 28ओवरो में तीन विकेट के नुकसान पर जीत का आंकड़ा छू लिया। टीम की ओर से यश सिन्हा ने 65रनो की नाबाद पारी खेली।

कस्तूरबा गांधी विद्यालय में किशोरियों, बालिकाओं के उत्थान व बाल सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

पलामू : पांकी नवज्योति डेवलपमेंट फाउंडेशन की ओर से कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, पांकी में किशोरियों/बालिकाओं के उत्थान एवं बाल सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें बालिकाओं को महिला और बाल सुरक्षा कानून के बारे में जानकारी दी गयी। संस्था के प्रतिनिधि सचिव हरेंद्र कुमार ने किशोरियों के उत्थान से जुड़े विभिन्न विषयों से अवगत कराया। कार्यक्रम में विद्यालय की वार्डन संगीता ने सभी छात्राओं को किशोरी सुरक्षा के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने बालिकाओं को यह भी बताया कि सुरक्षा से जुड़े खतरों की पहचान करने एवं उन्हें रोकने के लिए उठाने वाले कदम के बारे में जानकारी दी।

बाल संरक्षण और हेल्पलाइन नम्बरों की जानकारी

जागरूकता कार्यक्रम में बाल संरक्षण से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गयी। विशेष रूप से बाल विवाह, बाल श्रम, यौन शोषण और किशोरी सुरक्षा के बारे में विस्तार से बताया गया। इसके अलावा, आपातकालीन सहायता और रिपोर्टिंग के लिए हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई।

हेल्पलाइन नंबर 1098 (बाल हेल्पलाइन), 112 (आपातकालीन सेवा), 181 (महिला हेल्पलाइन) के संबंध में बालिकाओं को बताया गया। जागरूकता कार्यक्रम में विद्यालय की शिक्षिकाएं और प्लस टू कक्षा की 55 से अधिक छात्राएं उपस्थित थीं। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकों और सामाजिक संगठनों के सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

नवज्योति डेवलपमेंट फाउंडेशन की पहल

नवज्योति डेवलपमेंट फाउंडेशन पलामू जिले में किशोरियों से जुड़े मुद्दों पर सक्रिय रूप से कार्य कर रही है। हाल ही में यूनिसेफ और क्रर के सहयोग से जिले में कार्य कर रही सभी संस्थाओं को विशेष प्रशिक्षण दिया गया। इसी उद्देश्य के तहत संस्था सामाजिक कुरीतियों को दूर करने और बाल सुरक्षा को मजबूत करने के लिए विभिन्न जिलों में कार्य कर रही है। नवज्योति डेवलपमेंट फाउंडेशन किशोरियों के अधिकारों, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा को लेकर लगातार प्रयासरत है। संस्था का लक्ष्य है कि सभी किशोरियां आत्मनिर्भर बनें और सुरक्षित वातावरण में जीवन जी सकें।

संक्षिप्त

एसीएमओ एचके मिश्रा सेवानिवृत्त

बोकारो। बोकारो के अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी हरेंद्र कुमार मिश्रा शुक्रवार को सेवानिवृत्त हो गए। श्री मिश्रा स्वास्थ्य विभाग में 11 मार्च 1988 से ही कार्यरत थे। मृदुभाषी डॉ. एचके मिश्रा अपने चिकित्सीय योगदान के लिए हमेशा जाने जाएंगे। उन्हें स्वास्थ्यकर्मियों ने शुभेच्छाओं सहित विदाई दी।

पावर ग्रिड निर्माण में लापरवाही का आरोप

गोमिया (बोकारो)। गोमिया डिग्री कॉलेज के समीप चल रहे पावरग्रिड प्लांट के निर्माण-कार्य में बगल की जमीन पर अवैध तरीके से कार्य करने व लापरवाही बरतने का आरोप संवेदक पर लगाया गया है। इस संदर्भ में गोमिया पंचायत के रैयत ग्रामीण होरिल यादव, दुलारी देवी, मैघनी देवी, लीलावती देवी व गौतम यादव ने संवेदक के खिलाफ गोमिया अंचलाधिकारी को पत्र सौंपा है। सौंपे गए पत्र में कहा गया है कि गोमिया डिग्री कॉलेज के समीप निमार्णाधीन पावरग्रिड प्लांट के बगल की भूमि खाता संख्या- 272, प्लॉट - 1621 उनलोगों की है। इस जमीन पर भी संवेदक द्वारा भारी मात्रा में मिट्टी भर दी जा रही है। उनलोगों ने छह माह पहले ही संवेदक की कृषि-योग्य भूमि किसी भी प्रकार ही क्षति नहीं होने की मांग की थी। उस समय संवेदक ने सकारात्मक आश्वासन भी दिया था, परंतु इसके बावजूद उक्त भूमि पर अवैध निर्माण कार्य किया जा रहा है। रैयतों ने गोमिया अंचलाधिकारी के साथ-साथ डीसी, डीसीएलआर, एसडीओ व अन्य अधिकारियों से भी अविलंब उक्त कार्य पर रोक लगाने तथा क्षतिपूर्ति मुआवजे की मांग की है।

साइबर जागरूकता अभियान का हुआ उद्घाटन, डीएसपी ने कहा

जागरूकता ही साइबर अपराध से बचने का सबसे अच्छा मार्ग

- डिजिटल गैजेट्स के माध्यम से किए गए अपराध साइबर अपराध की श्रेणी में आते हैं

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो। बोकारो चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा साइबर पुलिस बोकारो, बैंकिंग संस्थान एवं डॉ राधाकृष्णन सहोदया कॉम्प्लेक्स के सहयोग से चलाये जा रहे साइबर जागरूकता अभियान का उद्घाटन शुक्रवार को डॉ एस राधाकृष्णन कॉलेज ऑफ एजुकेशन, चिकसिया, बोकारो परिसर में किया गया।

साइबर जागरूकता अभियान के तहत साइबर क्राइम जैसे ज्वलंत विषय पर कॉलेज के आसपास के ग्रामीणों एवं विद्यार्थियों को जागरूक करने के विषय पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) अनिमेष कुमार गुप्ता ने चेम्बर के प्रयास एवं कॉलेज की सराहना करते हुए साइबर अपराध पर विस्तार से बताते हुए कहा कि डिजिटल गैजेट्स के माध्यम से किए गए अपराध साइबर अपराध की श्रेणी में आता है। जागरूकता ही इससे बचने का सबसे अच्छा मार्ग है। बिना कोई डाटा शेयर किए साइबर अपराध नहीं हो सकता। कम समय में जितना है, उससे ज्यादा कमाने की मंशा भी साइबर अपराध में सहायक है। गूगल से बैंक साइट के टॉल फ्री नम्बर का उपयोग काफी सावधानीपूर्वक करें, यह समांतर जाली नम्बर हो सकता है। उन्होंने कहा कि डिजिटल अरेस्ट जैसा कोई कानूनी प्रावधान नहीं है। आजकल इसके नाम पर जो ढगी हो रही है, इससे सतर्क रहना होगा। कोई भी घटना होने पर किसी भी नजदीकी थाने में शिकायत कर सकते हैं। इसके लिए साइबर थाना ही जाना जरूरी नहीं है। बैंक की तरफ से विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित बैंक ऑफ इंडिया आंचलिक कार्यालय के अधिकारी राकेश आनंद ने बैंकिंग फ्रॉड के बारे में बताते हुए कहा कि बैंक से किसी भी परिस्थित में फोन पर कोई जानकारी नहीं मांगी जाती है। ऑनलाइन फ्रॉड हो जाने की स्थिति में सबसे पहले एफआईआर कर बैंक को तुरंत इसकी सूचना देनी चाहिए, जिससे अगर पैसा नहीं निकला है तो बैंक उसे फ्रीज कर आपके खाते में वापस कर सके।

विशेषज्ञ के रूप में साईबर थाना के अवर निरीक्षक कृष्ण कुमार कुशवाहा ने उपस्थित लोगों के बीच शंका समाधान प्रश्नोत्तरी का सत्र चलाकर लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया। विषय प्रवेश कराते हुए डॉ राधाकृष्णन सहोदया कॉम्प्लेक्स के उपाध्यक्ष सह-प्राचार्य, जीजीपीएस सेक्टर 5 सौमेन चक्रवर्ती ने आज के इस दौर में हो रहे साइबर अपराध के बारे में विस्तृत जानकारी दी तथा इससे बचने के उपाय भी बताये। कॉलेज के प्रशिक्षुओं ने पुष्प गुच्छ एवं स्वागत गान के माध्यम से अतिथियों का स्वागत किया, जिसका नेतृत्व कलेज के ही द्वितीय वर्ष के छात्र बंजरंग उपाध्याय ने किया। स्वागत भाषण मनोज चौधरी, अध्यक्ष बोकारो चैंबर ऑफ कॉमर्स इंडस्ट्रीज सह चेयरमैन, बोकारो एजुकेशन ट्रस्ट द्वारा किया गया। मंच संचालन प्रकाश कोठारी एवं धन्यवाद ज्ञापन कॉलेज की प्राचार्या डॉ. गायत्री कुमारी ने किया। कार्यक्रम में संयोजक द्वय राजकुमार एवं प्रशांत कुमार के साथ साइबर थाना, बोकारो के पुलिस निरीक्षक अशोक कुमार, चास मु. थाना प्रभारी अमित राय, अवर निरीक्षक कुदंन यादव, रानी कुमारी, नसीम अंसारी, विश्वजीत कुमार, हरेन दास, डी एन महली, शिवनाथ केवट, सुभाष चन्द्र महता, आलम सेख, मोहन गोराई आदि के साथ अनेकों ग्रामीण एवं कॉलेज के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

बीएसएल से सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए विदाई समारोह का आयोजन

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो। बोकारो स्टील प्लांट से जनवरी 2025 माह में सेवानिवृत होने वाले कर्मियों के लिए मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के मेन ऑडिटोरियम में विदाई समारोह का आयोजन किया गया।

इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) सुश्री राजश्री बनर्जी एवं बीजीएच के प्रभारी डॉ बी बी करुणामय उपस्थित थे। समारोह के आरम्भ में सहायक महाप्रबंधक (मानव संसाधन) डॉ नन्दा प्रियदर्शिनी ने आगंतुकों का स्वागत किया तथा सेवानिवृत हो रहे कर्मियों को अंतिम निपटारा एवं मैत्री भवन से सम्बंधित जानकारी दी तथा प्रत्येक सेवानिवृत हो रहे कर्मियों का बायोडाटा प्रस्तुत किया। अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) सुश्री राजश्री बनर्जी तथा डॉ बी बी करुणामय ने सेवानिवृत हो रहे कर्मियों को उनकी निष्ठापूर्ण सेवा के लिए बधाई देते हुए उनके सुखमय जीवन की कामना की। उन्होंने सेवा निवृत हो रहे कर्मियों को सेवा प्रमाण पत्र तथा उपहार भी भेंट किये। जनवरी 2025 में बीएसएल से कुल 13 अधिशासी तथा 77 अनाधिशासी सेवानिवृत्त हो रहे हैं।

समारोह के अंत में निदेशक प्रभारी बीरेंद्र कुमार तिवारी तथा अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) सुश्री राजश्री बनर्जी एवं बीजीएच के प्रभारी डॉ बी बी करुणामय ने सेवानिवृत हो रहे कर्मियों तथा उनके परिवारजनों से मुलाकात की तथा उनके सुखमय जीवन की कामना की। कार्यक्रम का संचालन तथा धन्यवाद ज्ञापन सहायक महाप्रबंधक (मानव संसाधन) डॉ नन्दा प्रियदर्शिनी ने किया।

झामुमो स्थापना दिवस समारोह में सैकड़ों कार्यकर्ता होंगे शामिल

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

गोमिया (बोकारो)। गोमिया प्रखंड अंतर्गत पलिहारी गुरुडीह पंचायत स्थित झामुमो कार्यालय में शुक्रवार को पार्टी के गोमिया प्रखंड संयोजक मंडली की बैठक प्रखंड संयोजक प्रमुख बबलू हेंब्रम की अध्यक्षता में हुई। बैठक में झामुमो प्रखंड संयोजक मंडली के कई पदाधिकारी व सदस्य मौजूद थे। इस दौरान निर्णय लिया गया कि आगामी 4 फरवरी को धनबाद गोल्फ ग्राउंड में आयोजित होने वाले झामुमो स्थापना दिवस समारोह में गोमिया से झामुमो कार्यकर्ता भारी संख्या में शामिल होंगे। आगामी 4 फरवरी को गोमिया प्रखंड मुख्यालय से सुबह 10:30 बजे झामुमो कार्यकर्ता एक साथ धनबाद गोल्फ ग्राउंड के लिए रवाना होंगे। इसके अलावा पंचायत स्तर पर कमेटी का पुनर्गठन करने का निर्णय लिया गया। साथ ही गोमिया प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में डोर टू डोर सदस्यता अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। बैठक में संयोजक मंडली के सदस्य अमित पासवान, बंटी उरांव, रामवृक्ष मुर्मू, सोनाराम मुर्मू व हेमू यादव सहित झामुमो कार्यकर्ता जमाल अख्तर आदि मौजूद थे।

पिट्स मॉडर्न स्कूल ने छात्रों की विदाई पर मनाया दीप महोत्सव

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

गोमिया (बोकारो)। पिट्स मॉडर्न स्कूल गोमिया के 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए शुक्रवार को विदाई समारोह दीप महोत्सव का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम मुख्य अतिथि बेरमो के अनुमंडल पदाधिकारी मुकेश कुमार मछुवा, विशिष्ट अतिथि अभिषेक विश्वास महाप्रबंधक, आईईपीएल ओरिका, गोमिया, विशेष अतिथि अरिंदम दास गुप्ता एवं रागीब बिलाल सबरी को गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि मुकेश कुमार मछुवा एवं विशिष्ट अतिथियों के साथ प्राचार्य बृजमोहन लाल दास ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। कार्यक्रम का

संचालन एकादश की छात्रा ज्योत्सना नयन, सुभी और सृष्टि श्रेया तथा स्वागत भाषण खुशी कुमारी ने दिया। मुख्य अतिथि श्री मछुवा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि कड़ी मेहनत की बदौलत विद्यार्थी ऊंची उड़ान तथा अपने जीवन में लक्ष्य की प्राप्ति कर सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विशिष्ट अतिथि अभिषेक विश्वास ने छात्रों को आत्मविश्वास और लचीलेपन के साथ भविष्य को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने सफलता के लिए अनुशासन, समर्पण और दृश्य संकल्प के महत्व पर प्रकाश डाला। विद्यालय के प्राचार्य बृजमोहन लाल दास ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप सभी ने इस विद्यालय में बिताए हुए सालों में बहुत कुछ सीखा है। आपने न केवल ज्ञान अर्जित किया है, बल्कि जीवन की कई महत्वपूर्ण सबक भी सीखें हैं। आप सभी ने अपने शिक्षक को और साथियों के साथ मिलकर कई यादगार पल बिताए हैं। ये यादें आपके जीवन भर साथ रहेंगी। अब आप एक नए अध्याय की शुरूआत करने जा रहे हैं। यह अध्याय आपके जीवन का सबसे महत्वपूर्ण अध्याय होगा। आप आगे बढ़कर अपने लक्ष्यों को प्राप्त करेंगे। कभी हार न मानें और निरंतर मेहनत करते रहें। याद रखें, सफलता उन लोगों को मिलती है, जो लगातार प्रयास करते रहते हैं। विद्यालय में पहली बार विद्यार्थी परिषद के सदस्यों को उत्कृष्ट कार्य करने हेतु सेवा रत्न प्रमाण-पत्र और मेडल देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के हेड ब्वॉय आसिफ अंसारी तथा हेड गर्ल कुमारी इशिका ने विद्यालय में बिताए संस्मरण को याद करते हुए अपनी बाते रखीं। जूनियर ग्रुप के द्वारा प्रस्तुत किया गया गीत, कारवां चल दिया दूर से देश को, छोड़ पेड़ की छांव मुसाफिर, शुभ विदा साथियों ने विदाई के माहौल को भावुक बना दिया।

इस अवसर पर वर्ग शिक्षक अजय कुमार, डी पी मुखर्जी व स्वीटी भाटिया ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया तथा उज्जवल भविष्य की कामना की। 12 वीं की छात्रा अदिति प्रसाद, माया कुमारी एवं प्राची कुमारी ने बीते पलों को याद कर माहौल को भावुक बना दिया।

पांच विद्यार्थियों का जीके ओलंपियाड में जोनल स्तर पर शीर्ष रैंक

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो। डीपीएस चास के 5 विद्यार्थियों ने सिल्वरजोन फाउंडेशन, नई दिल्ली द्वारा आयोजित अखिल भारतीय जेनरल नॉलेज ओलंपियाड 2024-25 में असाधारण प्रदर्शन करते हुए जहां शीर्ष रैंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रौशन किया है, वहीं 45 विद्यार्थियों ने राज्य स्तर पर टॉप 100 की सूची में शीर्ष 50 के अंदर अपना स्थान हासिल कर अपनी प्रतिभा का परचम लहराया है।

कक्षा पहली के जान्वी राज, अरफा परवीन, नुवेश सागर और कक्षा दूसरी के अंकित राज और प्रणव प्रकाश ने अपनी-अपनी कक्षा श्रेणियों में जोनल स्तर पर पहला स्थान हासिल किया है। सातवीं कक्षा के आयुष चंद्र महथा ने राज्य स्तर पर जहाँ रैंक 1 हासिल किया, जबकि तीन विद्यार्थियों परिधि सिंह (कक्षा-1), माहिका मेहरा (कक्षा-6) और रुद्र प्रताप सिंह

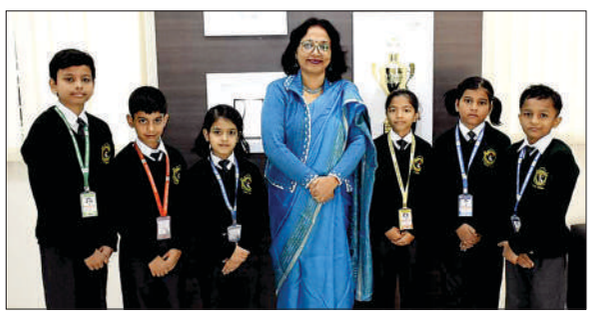

(कक्षा-10) ने तीसरा स्थान हासिल किया है। इसके अतिरिक्त जी. एस. डारविन (कक्षा-10) ने चौथा, शुभम कुमार (कक्षा-10) ने पांचवां, आयुष कुमार (कक्षा-7) तथा सुदीप सेन (कक्षा-10) ने छठा, आयुष कुमार (कक्षा-10) ने आठवां, अंश (कक्षा-8) तथा हिमांशु कुमार महतो (कक्षा-10) ने दसवां, अक्षित आनंद (कक्षा-10) ने ग्यारहवां, श्रेष्ठ रंजन (कक्षा-7) तथा रित्विक ने बारहवां, अभिनव कुमार, (कक्षा-10), अद्वित सिंह (कक्षा-1) अथर्व कुमार सिंह (कक्षा-7) तन्मय भारती (कक्षा-10) ने चौदहवां, सुमित कुमार मिश्रा (कक्षा-2) तथा वंश राज (कक्षा-2) ने पंद्रहवां, स्मृति शुभम (कक्षा-5), प्रत्यूष कश्यप (कक्षा-10) ने सोलहवां, अर्णव कुमार (कक्षा-6), अरहान अली (कक्षा-6) तथा अध्यन अग्रवाल (कक्षा-10) ने सत्रहवां, कृशांग तरेनिया (कक्षा-9) तथा प्रशांत कुमार (कक्षा-10) ने अठारहवां, आदर्श कुमार भैया (कक्षा-10) ने बीसवां, प्रियांशु राज (कक्षा-8) तथा तन्मय कुमार झा (कक्षा-9) ने इक्कीसवां, सृष्टि शुक्ला (कक्षा-6), श्रेयांश प्रखर (कक्षा-9) तथा अंकित कुमार (कक्षा-10) ने बाइसवां, पवन कुमार गोराई (कक्षा-6) ने तेईसवां, रियांश रंजन (कक्षा-1), अशरफुल हादी (कक्षा-2), मयंक रंजन (कक्षा-8) तथा अक्षिता सागर (कक्षा-9) ने चौबीसवां, शिवांश कुमार सिंह (कक्षा-3), गर्वित कुमार गुप्ता (कक्षा-9) तथा साहिल कुमार (कक्षा-9) ने पच्चीसवां, आर्यन कुमार (कक्षा-6), पार्थ सारथी दास (कक्षा-9), आकाश कुमार पांडेय (कक्षा-10) तथा अखिलेश कुमार शर्मा (कक्षा-10) ने सत्ताइसवां स्थान हासिल किया। विदित हो कि इंटरनेशनल जेनरल नॉलेज ओलंपियाड कक्षा 1 से 12 वीं तक के विद्यार्थियों के लिए ने सिल्वरजोन फाउंडेशन, नई दिल्ली द्वारा आयोजित किया जाता है।

कसमार में विद्यालय स्तरीय संस्कृत श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता आयोजित

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो। पीएम श्री +2 उच्च विद्यालय, कसमार, बोकारो के प्रांगण में शुक्रवार को प्रयास सह-प्रोजेक्ट इम्पैक्ट नई शिक्षा नीति-2020 के नियमानुसार गठित काव्य सभा के तत्वावधान में संस्कृत भाषा में विद्यालय स्तरीय श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें कक्षा -09 से कक्षा -12 तक के कुल -60 प्रतिभागियों ने प्रतियोगिता में बढ़- चढ़कर हिस्सा लिया।

कार्यक्रम के उद्बोधन में डा. रणजीत कुमार झा ने कहा कि संस्कृत सभी भाषाओं की जननी है तथा संस्कृत भाषा में रोजगार के पर्याप्त अवसर हैं। हिन्दी के शिक्षक राम बाबू शुक्ल ने कहा कि हिन्दी का परम विद्वान वही हो सकता है, जो संस्कृत भी जानता हो। जितेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि प्रतियोगिता में भाग लेने से योग्यता बढ़ती है। उर्दू शिक्षक खुर्शीद आलम ने रचनात्मक शक्ति के महत्त्व के बारे में बताया। अंग्रेजी की अध्यापिका सीमा कुमारी ने कहा कि अंग्रेजी में भी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। अध्यक्षीय उद्बोधन में विद्यालय के प्राचार्य फारुक अंसारी ने कहा कि इस प्रकार के प्रतियोगिता में भाग लेने से विद्यार्थियों के भीतर छिपी हुई प्रतिभा बाहर आती है और इससे विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायता मिलती है।

बोकारो थर्मल में डीवीसी के जीएम सहित 10 सप्लाई मजदूरों की विदाई

बोकारो थर्मल। बोकारो थर्मल स्थित डीवीसी पावर प्लांट तकनीकी भवन में शुक्रवार को एक समारोह आयोजित कर अवकाश प्राप्त करनेवाले एफजीडी के वरिष्ठ अभियंता सूर्य नारायण प्रसाद सहित अन्य अभियंताओं एवं कामगारों को भावभीनी विदाई दी गई। दूसरी ओर चार सप्लाई मजदूरों को भी उनके विभाग में आयोजित समारोह में विदाई दी गई। तकनीकी भवन में आयोजित समारोह में डीवीसी के एचओपी सुशील कुमार अरजरिया, जीएम ओएंडएम मृत्युंजय प्रसाद, डीजीएम प्रशासन बीजी होलकर ने एफजीडी के वरिष्ठ अभियंता सूर्य नारायण प्रसाद, मैनेजर रसायन विजय कुमार वर्मा, सहायक नियंत्रक विजय शंकर झा, राजदेव सिंह, मो. एजाज रसूल, कालीचरण प्रसाद, बिरेंद्र गिरि, अरुण कुमार शुक्ला, बबन प्रसाद, सतीश कुमार को शॉल ओढ़ाकर सम्मान के साथ विदाई दी। एचओपी ने मौके पर कहा कि एफजीडी के वरिष्ठ जीएम सहित अन्य अभियंताओं एवं कर्मियों के डीवीसी में बिताए गए उनके सेवाकाल और योगदान को भुलाया नहीं जा सकता है। श्री प्रसाद ने भी अपने सेवाकाल के अनुभव साझा किए। दूसरी ओर सप्लाई मजदूरों में से गोविंद, अली अहमद, मो असलम, सुरेंद्र कुमार सिंह को भी रिटायरमेंट पर विदाई दी गई।

पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में साहिबगंज के प्रवीर कुमार हुए सम्मानित

बोकारो। बोकारो के पर्यावरण-मित्र चौक स्थित पर्यावरण-मित्र वाटिका के प्रांगण में शुक्रवार को राज्य स्तरीय पं. गौरी शंकर ओझा पर्यावरण-मित्र पुरस्कार 2025 वितरण समारोह का आयोजन स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण संस्थान द्वारा किया गया। यह पुरस्कार विगत 17 वर्षों से हर वर्ष संस्थान के संस्थापक पं. गौरी शंकर ओझा की पुण्य स्मृति में ऐसे व्यक्ति को प्रदान किया जाता है, जो पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में पूरे राज्य भर में उत्कृष्ट कार्य कर रहे होते हैं। इस वर्ष यह पुरस्कार साहिबगंज के रहने वाले पर्यावरणविद प्रवीर कुमार को प्रदान किया गया। इसके साथ ही राज्य स्तरीय पं. गौरी शंकर ओझा जल-मित्र पुरस्कार भी प्रदान किया गया, जो बोकारो जिला के बोकारो थर्मल निवासी पर्यावरणविद गुलाब चंद प्रजापति को मिला। इस समारोह में मुख्य आकर्षण के रूप से प्रवीर कुमार तथा अतिथियों में बोकारो महिला कॉलेज के प्रोफेसर शशि शेखर पाठक, पर्यावरणविद अंजनी कुमार सिन्हा, संरक्षक संजय कुमार चौबे, अधिवक्ता अन्नू मिश्र, दिव्या पांडेय, ललन कुमार निषाद, आचार्य रामेंद्रानंद अवधूत आदि ने अपना बहुमूल्य पर्यावरणीय संरक्षण संबंधी विचार प्रकट किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार पांडेय ने की व संचालन महासचिव शशि भूषण ओझा मुकुल और धन्यवाद ज्ञापन कार्यकारी अध्यक्ष रघुवर प्रसाद ने किया। इस मौके पर पर्यावरण प्रहरी अखिलेश ओझा, रमण ठाकुर, वैद्य गणेश साव, विजय गुप्ता, बबलू पांडेय, विजय त्रिपाठी, गोलू, मृणाल चौबे, वीरेंद्र चौबे, गौरी शंकर सिंह, कंचन शर्मा, मिली चौबे, रेखा दुबे, लक्षण शर्मा, नीरज सिंहा, प्रोफेसर गणेश सिंह, प्रोफेसर योगेंद्र प्रसाद, तुलसी दास, संतोष कुमार, स्नेहा, मधु, खुशी, अंजली, कंचन, खुशबू, ज्योति सहित कई छात्राओं ने भी भाग लिया।

फुलवारी के जरिए विद्यार्थियों ने दिखाया अपना प्रकृति प्रेम

देहाती आंचलिकता व अनुपम कलाकृति के बीच उन्नत वानिकी ने किया मंत्रमुग्ध

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो। दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस), बोकारो में शुक्रवार को फूलों की खूबसूरती के साथ गांव-देहात की जीवंत छटा उतरी रही। झोपड़ी, सोहराय पेंटिंग, प्राकृतिक साज-सज्जा के साथ ग्रामीण परिवेश और आंचलिकता के बीच कबाड़ से जुगाड़, प्रकृति-प्रेम एवं कलात्मकता का अनूठा संगम देखने को मिला।

अवसर था फुलवारी नामक पुष्प-वनस्पति प्रदर्शनी सह- प्रतियोगिता का। विद्यालय की सीनियर व प्राइमरी, दोनों ही इकाइयों में आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लेकर अपने प्रकृति-प्रेम का परिचय दिया। रंग-बिरंगे गमलों में सुंदर सजावट के साथ उन्होंने अपने प्रदर्श प्रस्तुत किए। भांति-भांति के फूल, मौसमी फल, औषधीय व सजावटी पौधे, बोनसाई व सब्जी सहित विभिन्न कैटेगरी में बच्चों ने 2000 से अधिक वानस्पतिक प्रजातियों की प्रदर्शनी लगाई। इसके जरिए उन्होंने एक तरफ जहां अपनी उन्नत वानिकी-कला का प्रदर्शन किया, वहीं दूसरी ओर गांव की माटी से जुड़ाव बनाए रखने का भी सुंदर संदेश दिया। देहाती चमक (रस्टिक रेडिएंस) तथा रिड्यूस-रीयूज-रीयूज थीम पर आयोजित विद्यालय के इस वार्षिक प्राकृतिक उत्सव में बेकार हो चुके सामानों के फिर से इस्तेमाल एवं संधारणीयता (सस्टेनेबिलिटी) का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया गया। अनुपयुक्त लकड़ियों, बालू, गिट्टी, बांस, सूप, पुराने टायर, मिट्टी के बर्तनों, बैलों की अनुकृतियां, लालटेन, फलों की टूटी पेटियों आदि से तैयार कलाकृतियां बनाकर ग्रामीण साज-सज्जा, प्रकृति और संस्कृति से लगाव की अद्वितीय झलक लुभावनी बनी रही।

अधिकाधिक पौधरोपण से ही पृथ्वी की रक्षा संभव : सीजीएम

विद्यालय के गो ग्रीन इनिशिएटिव के तहत आयोजित इस कार्यक्रम का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि बोकारो इस्पात संयंत्र के मुख्य महाप्रबंधक (नगर प्रशासन) कुंदन कुमार ने किया। कर्णप्रिय मधुर संगीत के बीच उन्होंने बारी-बारी से हरेक कैटेगरी में लगाए गए प्रदर्शों का अवलोकन किया और डीपीएस बोकारो द्वारा उच्चस्तरीय शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ बच्चों को प्रकृति से जोड़े रखने के इस प्रयास की सराहना की। विद्यार्थियों की कुशल बागवानी कला को प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने कहा कि आज विकास के दौर में जिस प्रकार वनों की अंधाधुंध कटाई हो रही है, प्रदूषण बढ़ता जा रहा है, ऐसे में अधिकाधिक पौधे लगाकर ही हम पृथ्वी की रक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं। उन्होंने इसके प्रति अधिकाधिक जागरुकता पर बल दिया। वहीं, विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने कहा कि फुलवारी का उद्देश्य बच्चों को प्रकृति की रक्षा, उसके पोषण और पर्यावरण-संरक्षण के प्रति संवेदनशील बनाना है। इसी ध्येय से विद्यालय हर साल यह आयोजन करता है। इस दौरान मुख्य अतिथि व प्राचार्य ने पौधारोपण भी किए।

प्रकृति को सींचने का सीखते हैं हुनर

उल्लेखनीय है कि फुलवारी में बच्चे व उनके अभिभावक जिन पौधों को गोद लेते हैं, उनकी बेहतर तरीके से देखभाल करते हैं। इसके जरिए प्रकृति को सींचने का हुनर विद्यार्थियों को सिखाया जाता है। प्रदर्शनी में पौधों की उत्कृष्टता यानी स्वास्थ्य, मिट्टी, बनावट व उसके महत्व के आधार पर निर्णायकों ने पुरस्कार के लिए प्रविष्टियों का चयन किया। प्रत्येक कैटेगरी के प्रथम, द्वितीय व तृतीय विजेता बाद में पुरस्कृत किए जाएंगे। सीनियर विंग में नीलम सिंह, शालिनी ठाकुर व निधि खरे तथा प्राइमरी विंग में अत्रेयी भट्टाचार्य, श्वेता सिंह एवं तनुश्री घोष निर्णायकों की भूमिका में रहीं।

क्या आम आदमी की उम्मीदों पर खरा उतरेगा बजट?

ललित गर्ग

एक फरवरी को होने वाली आर्थिक घोषणाओं को चाहे जो नाम दिया जाये, उनसे वह दशा एवं दिशा स्पष्ट होनी चाहिए कि भविष्य के लिये हम कौनसी राह पकडने वाले हैं। हम किस तरह से आदिवासी समुदाय के उन्नयन के लिये प्रतिबद्ध होंगे। भारत की अर्थव्यवस्था के उन्नयन एवं उम्मीदों को आकार देने की दृष्टि से हम किस तरह से मील का पत्थर साबित होंगे। किस तरह से समाज के सभी वर्गों का सर्वांगीण एवं संतुलित विकास सुनिश्चित होगा।

केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी को लगातार अपना आठवां बजट पेश करेंगी। यह केंद्रीय बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार का अपने तीसरे कार्यकाल का दूसरा पूर्ण वित्तीय बजट होगा। इस बार के बजट से हर सेक्टर की बड़ी उम्मीदें टिकी हुई हैं, इस बजट की घोषणाओं से भविष्य में राष्ट्र किन दिशाओं में आगे बढ़ेगा, उसकी मंशा एवं दिशा अवश्य स्पष्ट होगी। टैक्सपेयर्स भी इस बार वित्तमंत्री से इनकम टैक्स में राहत देने की उम्मीद कर रहा है। मिडिल-क्लास और वेतनभोगियों को भी राहत की उम्मीद है। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण की एक मौलिक सोच एवं दृष्टि से यह बजट दुनिया में भारतीय अर्थव्यवस्था को एक चमकते सितारे के रूप में स्थापित करने एवं सुदृढ़ आर्थिक विकास के लिये आगे की राह दिखाने वाला होगा। संभावना है कि इस बजट में समावेशी विकास, वंचितों को वरीयता, बुनियादी ढांचे में निवेश, क्षमता विस्तार, हरित विकास, महिलाओं एवं युवाओं की भागीदारी, मोदी की गारंटियों पर बल दिया जायेगा। इंफ्रास्ट्रक्चर, मैन्युफैक्चरिंग, डिजिटल और सामाजिक विकास की दृष्टि से देश को आत्मनिर्भर बनाने की रफ्तार को भी गति दी जायेगी। यह बजट देश को न केवल विकसित देशों में बल्कि इसकी अर्थव्यवस्था को विश्व स्तर पर तीसरे स्थान दिलाने के संकल्प को बल देने में सहायक बनेगा।

आम आदमी बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और घटती खपत के बीच कुछ राहत की उम्मीद लगा रहा है। बजट, शिक्षा, रक्षा, उद्योग, महिलाओं और गरीब वर्गों के लिए सुधारों और प्रोत्साहनों का खाका तैयार करेगा। वित्त मंत्री से उम्मीद की जा रही है कि वे आयकर स्लैब में बदलाव करेंगी, जिससे वेतनभोगियों एवं करदाताओं को राहत मिलेगी। इस समय वेतनभोगी एवं करदाता की 15 लाख रुपये से अधिक की आमदनी पर 30 प्रतिशत टैक्स लगता है। सरकार 10 लाख रुपये तक की आय को पूरी तरह टैक्स-फ्री करने और 15 से 20 लाख रुपये की आमदनी पर 25 प्रतिशत का नया टैक्स स्लैब लाने पर विचार कर रही है। इससे मध्यम वर्ग के लोगों की खर्च करने की क्षमता बढ़ेगी, जो अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करेगा। केंद्र सरकार बजट सत्र 2025 में नया आयकर कानून पेश करने की योजना बना रही है, जो करदाताओं को लाभान्वित करेगा और कर प्रणाली को सरल बनाएगा। इसके अलावा, सरकार इस बार के बजट में शेयर से होने वाली कमाई पर टैक्स लगाने का प्रावधान कर सकती है। इसमें शेयरों से मिलने वाले लाभांश, ब्याज से होने वाली कमाई और पूंजीगत लाभ पर भी टैक्स लगाया जा सकता है।

यह बजट न केवल देश की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करेगा, बल्कि सामाजिक और तकनीकी विकास की दिशा में भारत को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। बढ़ती महंगाई पर नियंत्रण की भी संभावनाएं हैं। इस बजट से विभिन्न क्षेत्रों में कई महत्वपूर्ण घोषणाओं की उम्मीद है, जो अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने और आम जनता को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से की जा सकती हैं। आम आदमी के लिए सबसे पीड़ादायक टैक्स का बोझ है। हालांकि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) जैसे टैक्स का फैसला समय-समय पर जीएसटी काउंसिल में लिया जाता है, लेकिन सरकार से उम्मीद की जाती है कि वो इन शुल्कों को और तर्कसंगत बनाकर आम लोगों को कुछ राहत दे। अर्थव्यवस्था की रफ़्तार धीमी पड़ने के कारण निवेशकों में घबराहट है और इसने रोजगार के अवसरों को भी कम किया है जबकि महंगाई के हिसाब से मजदूरी और वेतन में बढ़ोतरी नहीं होने से खासकर सीमित आमदनी वाले परिवारों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। पिछली तिमाहियों में कंपनियों के निराशाजनक प्रदर्शन ने भी इन हालात को मुश्किल बनाया है। जिससे नौकरी चाहने वाले युवाओं को पर्याप्त संख्या में रोजगार नहीं मिल पा रहा है। इन सारे कारकों के कारण मध्य वर्ग ने अपने खर्चों में कटौती की है जिससे पिछले कुछ महीनों में उपभोग में गिरावट आई है। इन परेशानियों एवं चिन्ताओं को कम करने में इस बार का बजट राहतभरा होने की उम्मीदे हैं।

बजट में विभिन्न उद्योगों, विशेषकर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए प्रोत्साहन योजनाओं की घोषणा से रोजगार सृजन और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। सड़कों, रेल, बंदरगाहों और हवाई अड्डों के विकास के लिए बड़े पैमाने पर निवेश की योजना बनाई जा सकती है, जिससे लॉजिस्टिक्स में सुधार होगा और व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने और शिक्षा के स्तर में सुधार के लिए बजट में विशेष प्रावधान किए जा सकते हैं, जिससे मानव संसाधन का विकास हो सके। महिलाओं के लिए विशेष योजनाओं की घोषणा की जा सकती है, डिजिटल बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देने के लिए नई योजनाएं लाई जा सकती हैं। उच्च शिक्षा और अनुसंधान संस्थानों के लिए अतिरिक्त अनुदान दिया जा सकता है। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, और चिकित्सा के क्षेत्र में इनोवेशन को प्रोत्साहित करने के लिए नई योजनाएं लाई जा सकती हैं। ह्लमेक इन इंडियाह्व पहल के तहत स्वदेशी हथियार निर्माण को प्रोत्साहित किया जाएगा। साइबर खतरों से निपटने के लिए रक्षा बजट का एक हिस्सा डिजिटल सुरक्षा पर केंद्रित हो सकता है। बुलेट ट्रेन परियोजनाओं और रेल नेटवर्क के आधुनिकीकरण को गति दी जाएगी। इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के लिए सब्सिडी और बैटरी निर्माण में निवेश बढ़ाने की योजनाएं पेश की जा सकती हैं। 'गरीब कल्याण अन्न योजना' का विस्तार कर मुफ्त राशन वितरण को जारी रखा जाएगा। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में घर उपलब्ध कराने के लिए बजट बढ़ाया जाएगा।

यह बजट इसलिए विशेष रूप से उल्लेखनीय होगा क्योंकि मोदी सरकार ने देश के आर्थिक भविष्य को सुधारने पर ध्यान दिया, न कि लोकलुभावन योजनाओं के जरिये प्रशंसा पाने अथवा कोई राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश की है। राजनीतिक हितों से ज्यादा देशहित को सामने रखने की यह पहल अनूठी है, प्रेरक है। अमृत काल का विजन तकनीक संचालित और ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था का निर्माण करना है। मोदी के विजन में जहां ह्यहर हाथ को कामह्ल का संकल्प साकार होता हुआ दिखाई दे रहा है, वहीं ह्यसबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वासह्ल का प्रभाव भी स्पष्ट रूप से उजागर हो रहा है। श्रम शक्ति की ओर ज्यादा तवज्जों देने की जरूरत है। बहुत सारे लोग औसत से अधिक कमाते हैं और बहुत सारे लोग कम। देखना यह है कि आम आदमी को कितना लाभ पहुंचता है। उम्मीद है कि निर्मला सीतारमण के बजट से क्या-क्या निकलता है। किसी भी देश की अर्थव्यवस्था के आकार का मानक उस देश की जीडीपी होती है और बीते 12 वर्षों में भारत की जीडीपी ने तेज उछाल दर्ज की है। तमाम चुनौतियों को पार करते हुए अर्थव्यवस्था 7 फीसदी से अधिक विकास दर से दौड़ने की अपेक्षा है। तमाम तरह की अनुकूलताओं एवं गुलाबी अर्थ रंगों के बावजूद हमें आर्थिक गति की बाधाओं पर भी ध्यान देना होगा। निजी बचत को बढ़ाये बगैर विकास की तेज रफ्तार का टिके रहना मुश्किल होगा। इसलिए इस ओर अभी से ध्यान देना जरूरी है। श्रम-शक्ति में महिलाओं की कम भागीदारी आर्थिक ही नहीं सामाजिक और अन्य दृष्टियों से भी चिंता की बात है। इस मामले में हम पड़ोस के बांग्लादेश और पाकिस्तान से भी पीछे हैं।

एक फरवरी को होने वाली आर्थिक घोषणाओं को चाहे जो नाम दिया जाये, उनसे वह दशा एवं दिशा स्पष्ट होनी चाहिए कि भविष्य के लिये हम कौनसी राह पकडने वाले हैं। हम किस तरह से आदिवासी समुदाय के उन्नयन के लिये प्रतिबद्ध होंगे। भारत की अर्थव्यवस्था के उन्नयन एवं उम्मीदों को आकार देने की दृष्टि से हम किस तरह से मील का पत्थर साबित होंगे। किस तरह से समाज के सभी वर्गों का सर्वांगीण एवं संतुलित विकास सुनिश्चित होगा। इससे देश की अर्थव्यवस्था का जो नक्शा सामने आयेगा वह इस मायने में उम्मीद की छांव देने वाला साबित होगा, जिससे शहर एवं गांवों के संतुलित विकास पर बल मिल सकेगा। जिससे नया भारत- सशक्त भारत के निर्माण का संकल्प भी बलशाली बन सकेगा। सच्चाई यही है कि जब तक जमीनी विकास नहीं होगा, तब तक आर्थिक विकास की गति सुनिश्चित नहीं की जा सकेगी। अक्सर बजट में राजनीति, वोटनीति तथा अपनी व अपनी सरकार की छवि-वृद्धि करने के प्रयास ही अधिक दिखाई देते है लेकिन मोदी सरकार के बजट राजनीति प्रेरित नहीं होकर राष्ट्र प्रेरित रहे है।

संपादकीय

अनहोनी हो ही गई

प्रयागराज महाकुंभ में जुटे श्रद्धालुओं के महासंगम ने अपने ही कुछ साथी श्रद्धालुओं की बलि ले ली। सरकारी ने चाक-चौबंद व्यवस्था की थी। कुंभ प्रबंधन को उच्चतम तकनीकी प्रणालियों से जोड़ा गया था। बकौल सरकार चप्पे-चप्पे पर पुलिस और सुरक्षा बलों की तनाती थी। मौनी अमावस्या से पूर्व मकर संक्रांति का पहला अमृत स्नान बिना किसी अप्रिय घटना के शांति से गुजर गया था। प्रतिदिन आने वालों की संख्या 1 करोड़ से ज्यादा बताई जा रही थी। समूचा मीडिया मेला प्रबंधन का प्रशस्ति गान किया जा रहा था। श्रद्धालुओं की बाइटें चलाई जा रही थीं जिनमें वह मेले में आकर स्वयं को कृतार्थ बता रहे थे और मोदी योगी के जय-जय के नारे भी लगा रहे थे। व्यवस्था को पूरी तरह श्रद्धालु हितैषी तथा अवरोध एवं व्यवधान रहित होने का इतना प्रचार कर दिया गया था कि किसी भी अनहोनी की आशंका की जगह नहीं बची थी। मीडिया और कुंभ के प्रचारक-समर्थक मौका मिलते ही आह्वान कर देते थे कि कुंभ आएं और पुण्य के भागी बनें। इस अति उत्साह में उन कमियों, परेशानियों और श्रद्धालुओं की कठिनाइयों की पूरी तरह अपेक्षा कर दी गई जो मीडिया और सोशल मीडिया के कुछ कोनों से बताई जा रही थी। अब सवाल उठता है कि जब मेला प्रबंधन को यह पूवार्नुमान था कि 10 करोड़ से अधिक श्रद्धालु मौनी अमावस्या के दिन प्रयागराज पहुंचेंगे तो क्या सचमुच उन्होंने अपनी हर आशंका को निर्मल कर लिया था। भगदड़ का कारण यह था कि संगम किनारे शुभ मुहूर्त प्रारंभ होने के साथ ही डुबकी लगाने का पुण्य लेने के आशय से बड़ी संख्या में जाकर वहां सो गए थे। जब अनियंत्रित भीड़ का रेला बेरिकेड़ तोड़ता हुआ पहले डुबकी लगाने की मंशा से आगे बढ़ा तो पहले से वहां विश्राम कर रहे श्रद्धालु उनके पैरों तले आकर कुचलने लगे। कोई संदेह नहीं कि घायलों को तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई गई फिर भी यह सवाल उठता है इतनी अधिक अनियंत्रित भीड़ संगम स्थल पर तमाम व्यवस्थाओं के रहते कैसे पहुंची। और बेरिकेड तोड़ सकी। इस प्रश्न का उत्तर मेला प्रबंधन को अपनी कमियों में झांक कर ही तलाशना पड़ेगा। घटना के कुछ समय बाद कुंभ यथावत चलने लगा हो, लेकिन श्रद्धालुओं की मौत का दाग इस कुंभ पर लग ही गया। लिहाजा ऐसे मुद्दे पर अपेक्षा की जानी चाहिए कि लोग राजनीति के बजाय अधिक संवेदनशील होंगे।

चिंतन-मनन

मुक्ति का मार्ग

पूर्ण दिव्य ज्ञान प्राप्त कर लेने के बाद मनुष्य भगवान से गुणात्मक समता प्राप्त कर लेता है और जन्म-मरण के चप्र से मुक्त हो जाता है। लेकिन जीवात्मा के रूप में उसका वह स्वरूप समाप्त नहीं होता। वैदिक ग्रंथों से ज्ञात होता है कि जो मुक्तात्माएं वैपुंड जगत में पहुंच चुकी हैं, वे निरंतर परमेश्वर के चरणकमलों के दर्शन करती हुई उनकी दिव्य प्रेमाभक्ति में लगी रहती हैं। अतएव मुक्ति के बाद भी भक्तों का अपना निजी स्वरूप समाप्त नहीं होता। सामान्यतया इस संसार में हम जो भी ज्ञान प्राप्त करते हैं, वह प्रकृति के तीन गुणों द्वारा दूषित रहता है। जो ज्ञान इन गुणों से दूषित नहीं होता, वह दिव्य ज्ञान कहलाता है। जब कोई व्यक्ति इस दिव्य ज्ञान को प्राप्त होता है, तो वह परमपुरुष के समकक्ष पद पर पहुंच जाता है। जिन लोगों को चिन्मय आकाश का ज्ञान नहीं है, वे मानते हैं कि भौतिक स्वरूप के कार्यकलापों से मुक्त होने पर यह आध्यात्मिक पहचान बिना किसी विविधता के निराकार हो जाती है। लेकिन जिस प्रकार इस संसार में विविधता है, उसी प्रकार आध्यात्मिक जगत में भी है।

जो लोग इससे परिचित नहीं हैं, वे सोचते हैं कि आध्यात्मिक जगत इस भौतिक जगत की विविधता से उल्टा है। लेकिन वास्तव में होता यह है कि आध्यात्मिक जगत (चिन्मय आकाश) में मनुष्य को आध्यात्मिक रूप प्राप्त हो जाता है। वहां के सारे कार्यकलाप आध्यात्मिक होते हैं और यह आध्यात्मिक स्थिति भक्तिमय जीवन कहलाती है। यह वातावरण अदूषित होता है और यहां पर व्यक्ति गुणों की दृष्टि से परमेश्वर के समकक्ष होता है। ऐसा ज्ञान प्राप्त करने के लिए मनुष्य को समस्त आध्यात्मिक गुण उत्पन्न करने होते हैं। जो इस प्रकार के आध्यात्मिक गुण उत्पन्न कर लेता है, वह भौतिक जगत के सृजन या उसके विनाश से प्रभावित नहीं होता।

संकीर्ण और रुग्ण मानसिकता के लोग इबादत के दुश्मन

निर्मल रानी

जिस समय अबू धाबी में स्वामीनारायण मंदिर का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा गत वर्ष 14 फरवरी 2024 को किया गया था उस समय भारतीय मीडिया में इसकी जोरदार चर्चा हुई थी। अबू धाबी में 27 एकड़ जमीन पर बने इस पहले एवं विशाल हिंदू मंदिर के उद्घाटन समारोह में 42 देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए थे। इस मंदिर के निर्माण हेतु 13.5 एकड़ जमीन अबू धाबी के क्राउन प्रिंस शेख मोहम्मद ने वर्ष 2015 में बीएपीएस संस्था को दान स्वरूप भेंट की थी। गौरतलब है कि संयुक्त अरब अमीरात में लगभग 26 लाख भारतीय रहते हैं जो वहां की कुल जनसँख्या का लगभग 30% हिस्सा है। इससे पहले दुबई में भगवान शिव व भगवान कृष्ण के दो अलग अलग मंदिर और एक गुरुद्वारा तथा अबू धाबी में एक चर्च पहले से मौजूद थे परन्तु यहाँ कोई मंदिर नहीं था। हालाँकि अबू धाबी में निर्मित हुये इस विराट व भव्य मंदिर के निर्माण के बाद यह प्रचारित करने की कोशिश की गयी कि यह अरब जगत में निर्मित पहला हिंदू मंदिर है परन्तु यह सच्चाई से कोसों दूर गोदी मीडिया द्वारा सत्ता की चापलूसी के लिये गढ़ा गया एक नरेटिव मात्र था। क्योंकि बहरीन की राजधानी मनामा में सिंधी हिंदू समुदाय का श्रीनाथजी का मंदिर एक सदी से भी अधिक पुराना है। पड़ोसी देश सऊदी अरब में रहने और काम करने वाले हिंदू भी पवित्र अवसरों पर इस मंदिर में पूजा-पाठ करने आते हैं। ओमान की राजधानी मस्कट में 125 वर्ष प्राचीन मोतीश्वर मंदिर भगवान शंकर का मंदिर हैं। जबकि मस्कट के ही रुवी में 150 साल पुराना कृष्ण-विष्णु मंदिर भी है। इस मंदिर को ओमान के सुल्तान ने ओमान में बसे गुजराती हिन्दू समुदाय के लिए मित्रता के प्रतीक के रूप में निर्मित कराया था। इसके अलावा भी दुबई में संपन्न भारतीय समुदाय में दक्षिण भारतीयों के अलावा सिंधी, मराठी, गुजराती, पंजाबी और करीब सभी प्रमुख धर्मों के कई दशकों पुराने अनेक धार्मिक स्थान हैं। यहाँ इन्हीं मंदिरों में ही पूजा अर्चना,हवन यज्ञ धर्म व आध्यात्मिक से जुड़े समारोह, उत्सव व अन्य धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इतना ही नहीं बल्कि दुबई और उसके आसपास के कुछ शहरों और खाड़ी के अन्य हिस्से में दिवाली की रात ठीक उसी तरह की रोशन होती है, जैसे भारत में होती है। यह तो उन इस्लामिक देशों में मंदिरों की स्थिति है जहाँ मूर्ति पूजा प्रतिबंधित मानी जाती है परन्तु केवल धार्मिक सौहार्द व सम्मान के कारण अरब जगत के कई देश धार्मिक सहिष्णुता का परिचय देते हुये एक दूसरे की धार्मिक मान्यताओं व परंपराओं का आदर व सत्कार करते हैं। निश्चित रूप से जब भारतीय समाज ऐसी खबरों से बाखबर होता है तो उसे बेहद खुशी होती है। परन्तु ठीक इसके विपरीत हमारे देश में असहिष्णुता का दिनोंदिन बढ़ता सिलसिला हमारे लिये शर्मिन्दिगी का सबब बनता जा रहा है। यदि हम अरब देशों में मंदिरों के निर्माण पर खुश हो सकते हैं। जब हम बांग्लादेश,पाकिस्तान या अफगानिस्तान जैसे देशों में मंदिर गुरुद्वारों व चर्चों पर होने वाले हमलों पर क्रोधित होते हैं तो हमें स्वयं सौहार्द की मिसाल पेश कर दुनिया के सामने सहिष्णुता व सद्भाव का एक उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिये। परन्तु यहाँ तो सत्ता के संरक्षण में स्थिति दिन प्रतिदिन कुछ और ही होती जा रही है। गुजरात से शुरू हुआ धार्मिक असहिष्णुता का यह घिनौना खेल अब उत्तर प्रदेश,मध्य प्रदेश,हरियाणा,राजस्थान,उत्तराखंड व छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों तक जा पहुंचा है। कहीं मस्जिदों में नमाज अदा करने से रोका जा रहा है तो कहीं अपने घरों में ही नमाज पढ़ने पर पाबन्दी लगा दी गयी है। जुमे के दिन गुड़गांव जैसे बड़े शहर में पार्कों या खुले स्थानों पर शांतिपूर्वक नमाज पढ़ने वालों का कई बार विरोध हो चुका है। हरियाणा सहित विभिन्न राज्यों में चर्चों पर भी हमले होते रहते हैं। मस्जिदों के इमामों की हत्यायें व उनपर हमले होते रहते हैं। कहीं मस्जिद पर भगवा फहराया जाता है तो कहीं पीर फकीरों की मजारों या दरगाहों को हिंसा व उपद्रव का निशाना बनाया जाता है। आज हमारे देश में ऐतिहासिक प्रमाणिकता के साथ ऐसे सैकड़ों गैर मुस्लिम धर्मस्थान मिल जायेंगे जिसके लिये मुस्लिमों द्वारा जमीन दान में दी गयी हैं। आज जहां एक ओर तो हमारे देश में सूफी फकीरों से जुड़े अनेक आस्तानों का संचालन गैर मुस्लिमों द्वारा पूरी श्रद्धा भक्ति के साथ किया जा रहा है। नानक, कबीर, फरीद, बुल्ले शाह, खुसरु, निजाम, चिश्ती, रहीम रसखान और जायसी जैसे संतों व समाज सुधारकों की सर्व धर्म समभाव की मानवीयता पूर्ण विरासत को संजोकर रखने की कोशिश की जा रही है वहीं साम्प्रदायिकता की शह पाये कुछ लोग इस भारतीय परंपरा और विरासत को छिन्न भिन्न करने की पुरजोर कोशिश में लगे हुये हैं। यही संकीर्ण मानसिकता के लोग दूसरे समुदाय के लोगों के खान पान पर नजरें रखते हैं। उनकी रसोई में क्या बना है इसमें इनकी पूरी दिलचस्पी है। दूसरों के पहनावे पर एतराज, धार्मिक आयोजनों पर आपत्ति , नफरत की हद तो यह कि इन्हें मुसलमानों के मकान खरीदने या किराये पर लेने पर भी आपत्ति होती है। इनके रोजगार से नफरत,इनके व्यवसायिक बहिष्कार की कोशिशें,और हद तो यह हो गयी कि एक मुस्लिम बच्चे द्वारा मंदिर के प्याऊ से पानी पीने का विरोध करने व उसकी पिटाई का समर्थन करने वाले मंदिर का महामंडलेश्वर आज हिन्दू धर्म का आइकॉन बन चुका है ? कहाँ चली गयी है हमारी इंसानियत? आखिर किस युग में जी रहे हैं हम ?

इन दिनों इलाहाबाद (प्रयागराज) में कुंभ का विराट आयोजन चल रहा है। देश के लिये निश्चित रूप से यह एक गौरवपूर्ण आयोजन है। परन्तु दुःख का विषय है कि इस आयोजन में भी अनेक मंचों का प्रयोग साम्प्रदियकता फैलाने व धर्म विशेष के प्रति नफरत भड़काने के लिये किया गया। केवल छुटभैय्ये नेताओं द्वारा ही नहीं बल्कि शासन से जुड़े जिम्मेदार नेताओं द्वारा वैमनस्य पूर्ण बातें की गयीं। परन्तु सुखद यह है कि इसी कुंभ में अनेकानेक मानवतावादी संत व प्रचारक ऐसे भी थे जिन्होंने परस्पर सौहार्द,एकता व भाईचारे का सन्देश दिया। अन्यथा संकीर्ण व रुग्ण मानसिकता के यह लोग जो इबादत के दुश्मन बने बैठे हैं उनसे मानवीयता की क्या उम्मीद की जा सकती है? (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

महाकुंभ : आयोजन से लें सबक

रजनीश कपूर

बीते कुछ दिनों से उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ जैसे भव्य और जटिल आयोजन के सफल प्रबंधन को लेकर मीडिया में खबरों की भरमार थी। सोशल मीडिया में भी तमाम विशिष्ट व्यक्तियों और जानीमानी हस्तियों के वीडियो भी वायरल हो रहे थे। राज्य सरकार भी इस आयोजन को लेकर बड़े-बड़े दावे कर रही थी। इतने बड़े आयोजन का बिना किसी हादसे के सफल होना न केवल गर्व की बात है बल्कि इससे राज्य सरकार की प्रबंधन क्षमता का प्रमाण भी मिलता है, परंतु महा कुंभ में मौनी अमावस्या को हुई भगदड़ ने इस कार्यक्रम की कई कमियों की पोल खोल दी।

राज्य में सरकार किसी भी दल की क्यों न हो यदि इतने बड़े स्तर पर होने वाले आयोजन किए जाएं तो इससे प्रदेश सरकार की संगठनात्मक दक्षता, प्रशासनिक क्षमता और आपातकालीन स्थितियों से निपटने की तत्परता की परीक्षा भी होती है। यदि कोई भी अप्रिय घटना न घटे तो यह निःसंदेह प्रशंसनीय कार्य होता है। वहीं यदि कोई छुट-पुट घटना भी घट जाए तो हर कोई आयोजकों की बुराई करने में कोई कसर नहीं छोड़ता। करोड़ों श्रद्धालुओं की उपस्थिति, बुनियादी सुविधाओं का प्रबंधन, स्वास्थ्य सेवाओं का संचालन, यातायात नियंत्रण, और सुरक्षा प्रबंध, प्रदेश के प्रशासन के लिए एक बड़ी चुनौती होती है। ऐसे में इतने बड़े स्तर पर होने वाले कार्यक्रम में ह्यवीआईपी' को झेलना प्रशासन के लिए एक बड़ी समस्या बन जाता है, परंतु सोचने वाली बात यह है कि जो सरकारी तंत्र आम जनता के लिए इतने बड़े स्तर पर आयोजन करती है, उसी तनाव के बीच यदि उसे वीआईपी बंदोबस्त भी करना पड़े तो उनके हाथ-पांव फूलना असाधारण नहीं माना जाएगा। ठीक इसी तरह यदि वही सरकारी ढांचा उसी दक्षता और इच्छाशक्ति से आम जनता की सेवा में भी उत्साहित दिखाई दे तो शायद किसी भी वीआईपी को भीड़ को चीरते हुए आगे निकलने की जरूरत ही न पड़े, लेकिन क्या ऐसा होता है? क्या यही तत्परता और तेजी जनता की समस्याओं, जैसे भ्रष्टाचार, गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी, महंगाई, और असमानता को हल करने में उपयोग की जाती है? यदि ऐसा हो तो देश का हर राज्य वहां के विकास में अग्रणी भूमिका निभा सकता है। कुंभ में हुई भगदड़ की गहराई से जांच होने पर ही असल कारण का पता चलेगा, परंतु यहां सवाल उठता है कि यदि इतने बड़े स्तर पर आयोजन किए गए तो क्या प्रशासन को इस बात का अंदाजा नहीं था कि मेले में इतनी ज्यादा भीड़ आएगी? यदि शुरू आती दौर में इस बात का अंदाजा नहीं था तो जब कुंभ में इतनी ज्यादा भीड़ आने लगी तो प्रशासन ने इस दिशा में क्या कदम उठाए? विपक्षी पार्टियों का प्रश्न है कि क्या पूरा प्रशासन केवल वीआईपी बंदोबस्त में ही लगा था? यदि प्रशासन को यह पता था कि इस ऐतिहासिक आयोजन में करोड़ों श्रद्धालुओं के अलावा सैकड़ों वीआईपी भी आएंगे तो इस स्थिति से निपटने के लिए क्या इंतजाम किए गए? इन सभी बिंदुओं पर जवाबदेही को तय करना भी अनिवार्य होना चाहिए। ये सब तभी कामयाब होंगे जब इनमें जन भागीदारी भी बढ़ेगी। जिस तरह कुंभ जैसे आयोजन में सीमित समय और संसाधनों का कुशल उपयोग किया गया। यही मॉडल देश में गरीबी और बेरोजगारी के समाधान में भी लागू किया जा सकता है। इसके लिए कौशल विकास केंद्र बनाए जाएं जहां युवाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण देकर स्वरोजगार के अवसर प्रदान किए जाएं। कुंभ के आयोजन में जिस प्रकार जागरूकता अभियान चलाए गए, उसी तरह अशिक्षा के खिलाफ भी आंदोलन चलाया जा सकता है। इसके लिए प्रत्येक गांव और कस्बे में ऐसे स्कूल खुलें जो प्राथमिक और माध्यमिक स्तर पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करें। इसके साथ ही ग्रामीण इलाकों में डिजिटल शिक्षा को भी बढ़ावा दिया जाए। कुंभ के दौरान सीमित बजट में बड़े आयोजन को सफलतापूर्वक पूरा किया गया। यही रणनीति महंगाई और आर्थिक असमानता को दूर करने में उपयोगी हो सकती है। इसके लिए सरकार को मूलभूत वस्तुओं की सस्ती उपलब्धता पर जोर देना चाहिए और सार्वजनिक वितरण प्रणाली को और मजबूत करना चाहिए।

आशावादी होना अच्छा है। महाकुंभ के प्रबंधन ने यह साबित कर दिया है कि उत्तर प्रदेश का प्रशासन किसी भी बड़ी चुनौती से निपटने की क्षमता रखता है। अगर यही इच्छाशक्ति और कुशलता भ्रष्टाचार, गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी, महंगाई, और असमानता जैसी जन समस्याओं को हल करने में लगाई जाएङ्क तो उत्तर प्रदेश एक नये युग की शुरू आत कर सकता है। यह समय है कि कुंभ प्रबंधन से सीखे गए सबकों को

जनहित में लागू किया जाए और एक ऐसा समाज बनाया जाए, जहां हर व्यक्ति को समान अवसर और सुविधाएं प्राप्त हों। जन समस्याओं का समाधान केवल एक प्रशासनिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक सामाजिक कर्तव्य है। इसके लिए सरकार को जनता का और बदले में जनता को सरकार का पूर्ण सहयोग प्राप्त हो तभी एक नया उदाहरण स्थापित होगा। यदि एक प्रदेश में ऐसा हो सकता है तो संपूर्ण भारत में ऐसा होने में देर नहीं लगेगी।

घर में सुख-शांति और सकारात्मकता के लिए रखें भगवान हनुमान की खास तस्वीरें!

हमारे घरों में सकारात्मक ऊर्जा और शांति बनाए रखने के लिए वास्तु शास्त्र में कुछ उपाय बताए गए हैं। इन्हीं उपायों में भगवान हनुमान जी की तस्वीरें भी महत्वपूर्ण मानी जाती हैं। हनुमान जी को संकटमोचक कहा जाता है, और उनकी पूजा से न केवल कठिनाइयों का नाश होता है, बल्कि घर में सुख-शांति, समृद्धि और सकारात्मकता भी बनी रहती है।

मानसिक शांति और क्रोध पर नियंत्रण के लिए

अगर आप चाहते हैं कि आपके घर में मानसिक शांति बनी रहे और घर के सदस्यों का क्रोध नियंत्रण में रहे, तो हनुमान जी की ध्यान मुद्रा वाली तस्वीर घर के उत्तर-पूर्व दिशा में लगाएं। हनुमान जी की इस तस्वीर को देखकर मन शांत होता है और सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। ध्यान मुद्रा में हनुमान जी का चित्र आत्मसंयम और शांति का प्रतीक है। यह चित्र आपको धैर्यवान और शांतचित्त रहने में मदद करता है।

अच्छे स्वास्थ्य के लिए

अगर घर के सदस्यों को बार-बार स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ता है, तो हनुमान जी की वह तस्वीर लगाएं जिसमें वे संजयवनी बूटी ले जाते हुए दिखाई देते हैं। यह तस्वीर भी घर की उत्तर-पूर्व दिशा में लगानी चाहिए। यह न केवल घर में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ाती है, बल्कि स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों को भी दूर करती है। यह चित्र स्वस्थ जीवन और बल का प्रतीक है।

बुरी शक्तियों और नकारात्मक ऊर्जा से बचाव के लिए

अगर आप अपने घर को नकारात्मक ऊर्जा और बुरी शक्तियों से बचाना चाहते हैं, तो पंचमुखी हनुमान जी की तस्वीर घर के दक्षिण-पश्चिम दिशा में लगाएं। पंचमुखी हनुमान जी की यह तस्वीर सुरक्षा और शक्ति का प्रतीक मानी जाती है। इसे घर में लगाने से घर पर कोई भी नकारात्मक शक्ति प्रभाव नहीं डालती और घर का हर सदस्य सुरक्षित महसूस करता है। यह चित्र शत्रुओं से बचाने और जीवन में साहस बनाए रखने में भी मदद करता है।

धन और समृद्धि के लिए

अगर आप चाहते हैं कि आपके घर में धन और समृद्धि बनी रहे, तो सूर्य देव को प्रणाम करते हुए हनुमान जी की तस्वीर घर के दक्षिण दिशा में लगाएं। सूर्य देव को प्रणाम करते हुए हनुमान जी की तस्वीर से घर में धन का प्रवाह बना रहता है और सभी कार्यों में सफलता मिलती है। यह तस्वीर जीवन में प्रगति और समृद्धि का प्रतीक है।

तस्वीरें लगाने में ध्यान रखने योग्य बातें

1. तस्वीर को साफ-सुथरी जगह पर लगाएं और उसके आस-पास गंदगी न रखें।
2. हनुमान जी की तस्वीर को रोजाना प्रणाम करें और अगर संभव हो तो दीपक जलाएं।
3. तस्वीर को हमेशा सकारात्मक भावना और श्रद्धा के साथ लगाएं।
4. तस्वीर को ऐसी जगह पर लगाएं जहां हर कोई आसानी से देख सके और वह दिशा वास्तु के अनुसार सही हो।

भगवान हनुमान की तस्वीरें केवल धार्मिक महत्व ही नहीं रखतीं, बल्कि वास्तु और सकारात्मक ऊर्जा के दृष्टिकोण से भी बेहद महत्वपूर्ण हैं। अगर आप इन तस्वीरों को सही दिशा और सही भावना के साथ अपने घर में लगाते हैं, तो यह आपके जीवन में सुख-शांति, स्वास्थ्य, समृद्धि और सुरक्षा लाने में मददगार साबित होगी।

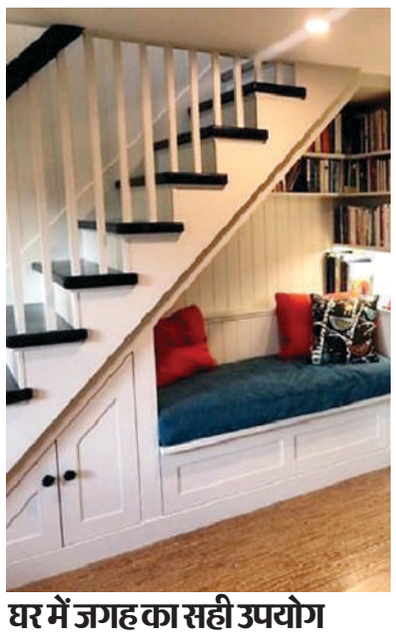

सीढ़ियों के नीचे की जगह का करें स्मार्ट इस्तेमाल
इंटीरियर डिज़ाइनर के खास टिप्स

घर में जगह का सही उपयोग करना हर इंटीरियर डिज़ाइनर की प्राथमिकता होती है। अक्सर घरों में सीढ़ियों के नीचे की जगह खाली पड़ी रहती है, जिसे कई लोग नज़रअंदाज कर देते हैं। लेकिन, यह जगह न केवल आपकी जरूरतों को पूरा करने का, बल्कि आपके घर को और आकर्षक बनाने का मौका भी देती है। अगर आप भी अपने घर की सीढ़ियों के नीचे के कोने को उपयोगी और स्टाइलिश बनाना चाहते हैं, तो ये टिप्स आपके काम आ सकते हैं।

स्टोरेज एरिया बनाएं

सीढ़ियों के नीचे स्टोरेज एरिया बनाना सबसे आम और उपयोगी विकल्प है। आप इस जगह पर अलमारियां या कैबिनेट्स डिज़ाइन करवा सकते हैं। यह जगह जूतों, किताबों, या अन्य सामान को व्यवस्थित रखने के लिए परफेक्ट है। स्लाइडिंग दरवाजों के साथ मॉड्यूलर स्टोरेज डिज़ाइन इसे और भी फंक्शनल बना सकता है।

मिनी लाइब्रेरी या बुकशेल्फ का सेटअप करें

अगर आप किताबों के शौकीन हैं, तो सीढ़ियों के नीचे की जगह को मिनी लाइब्रेरी में बदल सकते हैं। दीवार पर फिटेड बुकशेल्फ डिज़ाइन करवाकर आप न केवल अपने घर को स्टाइलिश बना सकते हैं, बल्कि किताबों को व्यवस्थित रखने का बेहतरीन समाधान भी पा सकते हैं।

वर्कस्पेस या होम ऑफिस

आज के समय में वर्क फ्रॉम होम आम हो गया है। सीढ़ियों के नीचे का कोना एक कॉम्पैक्ट होम ऑफिस के लिए एकदम सही हो सकता है। यहां एक टेबल, कुर्सी और कुछ शेल्फ लगाकर आप इसे एक कार्यक्षेत्र में बदल सकते हैं। अच्छी रोशनी और दीवारों पर पिनबोर्ड या सजावट से इसे और भी आकर्षक बनाएं।

रीडिंग नूक (आरामदायक कोना)

आराम से बैठकर पढ़ने या चाय का आनंद लेने के लिए सीढ़ियों के नीचे एक छोटा सा रीडिंग नूक बनाया जा सकता है। इसके लिए एक छोटा सोफा, कुशन और साइड टेबल काफी होंगे। यह जगह परिवार और दोस्तों के लिए भी आरामदायक बन सकती है।

मिनी गार्डन या प्लांट डिस्प्ले

अगर आप हरियाली पसंद करते हैं, तो सीढ़ियों के नीचे की जगह को मिनी गार्डन में बदल सकते हैं। यहां छोटे गमले, सुकुलेंट्स और दीवार पर हैंगिंग प्लांट्स लगाकर इसे एक आकर्षक ग्रीन स्पेस में तब्दील करें। सही लाइटिंग और वॉटरप्रूफिंग का ध्यान रखें।

बच्चों के खेलने की जगह

सीढ़ियों के नीचे बच्चों के लिए एक छोटा प्ले ज़ोन डिज़ाइन किया जा सकता है। यहां कुशन, खिलौनों के बॉक्स और दीवार पर सजावटी पेंटिंग्स से इसे उनके लिए मज़ेदार और सुरक्षित बनाया जा सकता है।

पालतू जानवरों के लिए कोना

अगर आपके पास पालतू जानवर हैं, तो सीढ़ियों के नीचे का स्पेस उनके लिए एक आरामदायक कोना बन सकता है। यहां उनका बिस्तर, खाने के बर्तन और खिलौने रखे जा सकते हैं। यह उन्हें उनकी खुद की एक जगह देने का शानदार तरीका है।

वाइन स्टोरेज या बार काउंटर

अगर आप वाइन कलेक्टर हैं या दोस्तों के साथ समय बिताना पसंद करते हैं, तो सीढ़ियों के नीचे वाइन स्टोरेज या मिनी बार काउंटर डिज़ाइन कर सकते हैं। यहां एक स्टाइलिश कैबिनेट और काउंटर लगाकर इसे एक आकर्षक एंटरटेनमेंट स्पेस बनाया जा सकता है।

डिस्प्ले यूनिट या गैलरी

सीढ़ियों के नीचे एक डिस्प्ले यूनिट बनाकर आप अपने घर की खासियत को बढ़ा सकते हैं। इसमें आर्ट पीस, पारिवारिक तस्वीरें या सजावटी सामान रख सकते हैं। सही लाइटिंग के साथ यह कोना आपके मेहमानों का ध्यान खींचने वाला बन जाएगा।

छोटे गेस्ट रूम का विकल्प

अगर आपके घर में जगह की कमी है, तो सीढ़ियों के नीचे एक छोटे गेस्ट रूम का सेटअप किया जा सकता है। यहां एक सिंगल बेड और कुछ जरूरी फर्नीचर रखकर इसे आरामदायक बनाया जा सकता है।

सीढ़ियों के नीचे की जगह को सही तरीके से उपयोग करके आप न केवल अपने घर को व्यवस्थित रख सकते हैं, बल्कि इसे एक नया और आकर्षक रूप भी दे सकते हैं। चाहे स्टोरेज हो, रीडिंग नूक, मिनी गार्डन या होम ऑफिस, आपके घर की इस अनदेखी जगह को स्मार्ट डिज़ाइन से काम में लाने के ढेरों विकल्प हैं। एक इंटीरियर डिज़ाइनर के रूप में मेरा मानना है कि हर इंच का सही उपयोग करना न केवल व्यावहारिक है, बल्कि आपके घर की सुंदरता और आरामदायकता को भी बढ़ाता है।

तो अगली बार अपने घर को डिज़ाइन करते समय सीढ़ियों के नीचे की जगह को भी एक नई पहचान दें!

1. स्टोरेज एरिया बनाएं

- एक स्मार्टली डिजाइन किया हुआ मॉड्यूलर स्टोरेज, जिसमें स्लाइडिंग दरवाजे हैं।
- दिखाएं कि जूतों और किताबों के लिए अलग-अलग खांचे किस तरह उपयोग किए जा सकते हैं।

2. मिनी लाइब्रेरी या बुकशेल्फ

- दीवार पर फिटेड बुकशेल्फ के साथ एक स्लीक डिज़ाइन।
- किताबों के साथ कुछ डेकोरेटिव आइटम्स, जैसे छोटे प्लांट्स या फोटो फ्रेम।

3. वर्कस्पेस या होम ऑफिस

- एक कॉम्पैक्ट टेबल और कुर्सी के साथ वॉल-माउंटेड शेल्फ।
- लैपटॉप, पिनबोर्ड, और सुंदर वॉल डेकोर के साथ वर्कस्पेस का सेटअप।

4. रीडिंग नूक (आरामदायक कोना)

- एक छोटी बेंच या सोफा, जिसमें कुशन और साइड में लैंप रखा हो।
- आरामदायक सेटअप, जिसमें किताबें और एक कॉफी मग रखा हो।

5. मिनी गार्डन या प्लांट डिस्प्ले

- सीढ़ियों के नीचे छोटे गमले, सुकुलेंट्स और हैंगिंग प्लांट्स का डिस्प्ले।
- वुडन पैनल्स और लाइटिंग के साथ ग्रीनरी को सजाते हुए।

6. बच्चों के खेलने की जगह

- छोटे कुशन, खिलौनों का बॉक्स और रंग-बिरंगी दीवारें।
- बच्चों के खेलने के लिए एक मस्तीभरा कोना।

7. पालतू जानवरों के लिए कोना

- सीढ़ियों के नीचे पालतू जानवरों का बिस्तर और उनके खाने-पीने की चीजें व्यवस्थित तरीके से।
- उनकी पसंदीदा चीजों जैसे खिलौनों और चबाने वाली हड्डियों को भी शामिल करें।

8. वाइन स्टोरेज या बार काउंटर

- स्टाइलिश वाइन रैक और बार काउंटर।
- ग्लास होल्डर्स और बैकलिट लाइटिंग के साथ एलिगेंट लुक।

ये भी पढ़ें- ङ्कइह्यह्लह्व ञ्जद्बश्चह्य- घर में इन जगहों पर भूलकर भी न रखें पैसे, हो सकती है धन हानि

9. डिस्प्ले यूनिट या गैलरी

- आर्ट पीस और तस्वीरों के साथ वॉल-माउंटेड डिस्प्ले यूनिट।
- स्पॉटलाइट्स के साथ हर डिस्प्ले को हाइलाइट करते हुए।

10. छोटे गेस्ट रूम का विकल्प

- सिंगल बेड और वॉल-माउंटेड फर्नीचर के साथ एक कॉम्पैक्ट गेस्ट रूम।
- हल्के रंगों और अच्छे लाइटिंग से इसे अधिक खुला और आरामदायक दिखाएं।

संक्षिप्त खबरें

सेल्समैन को पिस्टल दिखा 3.66 लाख लूटे

बासोपट्टी (मधुबनी)। थाना क्षेत्र के महिनाथपुर मझौरा के बीच अपराधियों ने पिस्टल का भय दिखाकर सेल्समैन पीठ पर रखे बैग से कुल तीन लाख 66 हजार रुपये लूट लिये। इसमें तीन लाख पचास हजार इंडियन रुपये, 16 हजार नेपाली रुपये छीनकर बदमाश छतौनी की ओर भाग गये। जाने के क्रम में अपराधियों ने मोबाइल भी छीन लिया। घटना की सूचना बासोपट्टी पुलिस को दी। इसके बाद थानाध्यक्ष व कई पुलिस पदाधिकारी घटना स्थल पर पहुंचे। थानाध्यक्ष अरविंद कुमार ने कहा कि शीघ्र घटना का उद्भेदन कर दिया जायेगा।

युवक की हत्या कर फंदे से लटकाया

सीवान। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सीवान-लकड़ी मुख्य मार्ग पर स्थित बरहन बाजार और बासोपाली कोठी के बीच एक नर्सरी से युवक का शव पुलिस ने फंदे से लटका हुआ शुक्रवार को बरामद किया। मृतक की पहचान गांव निवासी शवरू चौधरी का पुत्र दीपक यादव के रूप में की गयी। मामला प्रेम प्रसंग का बताया जा रहा हैं। पुलिस मौके पर पहुंच शव को कब्जे में लेकर सदर अस्पताल भेज दिया और मामले की जांच में जुट गई। मौत के बाद परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। इधर पुलिस शव का पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सौप दिया।

कोर्ट के आदेश पर कब्र से निकाला युवती का शव

शंकरपुर (मधेपुरा)। विगत 26 जनवरी को थाना क्षेत्र में एक युवती का आपत्तिजनक वीडियो वायरल हुआ था। इसके बाद युवती की मौत की खबर सामने आई। परिजनों ने शव को दफना दिया। शुक्रवार को शंकरपुर पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती कर कब्र से युवती का शव निकाला। कोर्ट के आदेशानुसार शव को पोस्टमार्टम के लिए लाया गया है। मामला बीते 25 जनवरी का है। चाचा और भतीजी के साथ कुछ अन्य युवकों का एक आपत्तिजनक वीडियो वायरल हुआ था। एक युवक ने सोशल मीडिया पर इसे वायरल कर दिया था। जिसके बाद 26 जनवरी को युवती के संदेहास्पद स्थिति में मौत की बात सामने आई थी। जिसके बाद तत्काल आनन फानन में परिजनों ने मिलकर शव को दफना दिया था।

पुलिस की लोगो लगी कार ने वृद्ध महिला को कुचला

बलिया (बेगूसराय)। थाना क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग-31 पर लखमिनियां रेलवे स्टेशन के माल गोदाम के समीप शुक्रवार को तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से एक 60 वर्षीया वृद्ध महिला की मौत घटनास्थल पर ही हो गयी है। घटना के बाद कार का चालक वाहन छोड़कर फरार होने में सफल रहा। सूचना पाकर मौके पर पहुंची स्थानीय पुलिस के द्वारा शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बेगूसराय सदर अस्पताल भेज दिया गया है। जबकि दुर्घटनाग्रस्त हुई चारपाहिया वाहन को पुलिस कब्जे में लेकर थाना ले आयी है। जिस कार पर पुलिस विभाग का लोगो लगा हुआ है, जो झारखंड के किसी जेल कर्मी की कार बतायी जा रही है। पुलिस फरार चालक का पता लगाने में जुट चुकी है।

महाकुंभ में नेपाल के पांच तीर्थयात्री लापता

रक्सौल। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ में नेपाल के पर्सा जिले के दो लोग लापता हैं। उनका किसी तरह का ट्रेस नहीं मिल रहा है। बीते 29 जनवरी को मौनी अमावस्या के दिन भगदड़ के बाद से नेपाल के सीमावर्ती पर्सा जिले के दो नागरिकों की खबर नहीं है। अब उनके परिजन प्रशासन से सहयोग की अपील कर रहे हैं। लापता लोगों में पर्सा जिले के जगरनाथपुर गांवपालिका वार्ड नंबर 3 विजवानिया के रजु राउत अहिर (65) व उमाकांत गिरी (60) शामिल हैं। रजु राउत अहीर के नाती धनंजय यादव ने बताया कि नौ लोगों का समूह बनाकर उनके नाना 17 जनवरी को बिटोर कांवर लेकर महाकुंभ की तीर्थयात्रा पर निकले थे। 29 जनवरी को भगदड़ के बाद से उनका कोई पता नहीं है।

मालगाड़ी की बोगी में लगी आग

गया। गया-कोडरमा रेलखंड स्थित पहाड़पुर रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार की सुबह एक कोयला लदी मालगाड़ी में आग लग गयी। आग की सूचना मिलते ही रेलवे अधिकारियों के साथ-साथ यात्रियों में हड़कंप मच गयी। सूचना मिलने के बाद फायर ब्रिगेड के साथ-साथ रेलवे अधिकारी, आरपीएफ व रेल पुलिस की टीम मौके पर पहुंची व मामले की जांच की। फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया। इसके बाद रेलवे अधिकारियों ने राहत की सांस ली। इस दौरान रेल परिचालन पर कोई असर नहीं पड़ा। बताया जाता है कि मालगाड़ी की 20वीं बोगी से धुआं उठता देख चालक ने ट्रेन रोकी और स्टेशन मास्टर को सूचना दी। रेलकर्मियों ने पानी की बौछार कर आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया, बाद में फायर ब्रिगेड पहुंचा।

विविध

गाजीपुर में हादसा : महाकुंभ से लौट रहे आठ श्रद्धालुओं की सड़क हादसे में मौत

उत्तर प्रदेश। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले में शुक्रवार को दर्दनाक हादसा हुआ। वाराणसी-गाजीपुर मार्ग पर उसमीकला मोड़ के पास डंपर ने श्रद्धालुओं से भरे पिकअप को टक्कर मार दी। सड़क हादसे में आठ लोगों की मौत की सूचना है। मृतकों में एक बच्चा, तीन महिलाएं और चार पुरुष शामिल हैं। वहीं, कई लोग घायल बताए जा रहे हैं। पिकअप सवार श्रद्धालु महाकुंभ से स्नान कर लौट रहे थे। सभी गोरखपुर के रहने वाले बताए जा रहे हैं। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस व स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया जा रहा है। मौके पर डीएम आर्यका अखौरी समेत कई अधिकारी पहुंचे हैं। हादसा इतना भीषण था कि शवों के टुकड़े सड़क पर बिखर गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव के टुकड़ों को इकट्ठा किया। घटनास्थल पर अफरा-तफरी का माहौल है। पुलिस लोगों से पूछताछ कर घटना की जानकारी जुटी रही है। वहीं मृतकों के शव को कब्जे में लिया गया है।

एक ही गांव के हैं सभी मृतक : मृतकों में अमर सिंह (45) पुत्र शंभू सिंह, नित्या सिंह (5) पुत्री अमर सिंह, सुधा चौरसिया (55) पत्नी त्रिलोकी चौरसिया, सुरेंद्र गुप्ता (54) पुत्र रामप्यारे गुप्ता, लीलावती (40) पत्नी सिधु गुप्ता, श्याम सुंदर (45) पुत्र शहजादे सिंह, पुष्पा देवी (स्नेहलता) (40) पत्नी अजय यादव व गुलाबी देवी (45) पत्नी रविंद्र यादव के नाम शामिल हैं। सभी एक ही गांव हरदीचक थाना बांसगांव के बताये जाते हैं।

दानापुर में ज्वेलरी दुकान से 45 लाख रुपये के जेवरात की लूट

संवाददाता, दानापुर (पटना)

दानापुर थाने के सगुना मोड़ स्थित जीवा ज्वेलरी शॉप में हथियारबंद बदमाशों ने शुक्रवार को दिनदहाड़े 45 लाख की सोने-हीरे की ज्वेलरी और 26 हजार कैश लूट लिया. अपराधियों ने ज्वेलरी शॉप के स्टाफ को पहले पिस्टल के बल पर बंधक बना लिया और फिर एक-एक ज्वेलरी को बैग में भर कर दानापुर स्टेशन की ओर फरार हो गये। जानकारी मिलते ही मौके पर सिटी एसपी पश्चिमी, एएसपी दानापुर समेत अन्य थानों की पुलिस पहुंची। पुलिस ने मौके पर एफएसएल की टीम को भी बुलाया। एसएसपी अवकाश कुमार ने बताया कि हथियारबंद अपराधियों ने ज्वेलरी शॉप में लूटपाट की है। जांच की जा रही है। जिले के सभी थानों की पुलिस को बैरिकेडिंग कर जांच करने को कहा गया है। इस घटना में जिस पुलिसकर्मी की लापरवाही सामने आयेगी, उस पर सख्त कार्रवाई की जायेगी।

दो अपराधी ज्वेलरी देखने के बाद कहा : बाहर से भाभी को लेकर आते हैं... : मिली जानकारी के अनुसार सगुना मोड स्थित अंशु होम्स प्राइवेट लिमिटेड के नीचे जीवा ज्वेलर्स शॉप दो माह पूर्व ही खुला है। शॉप के कर्मी रोहित कुमार ने बताया कि दोपहर करीब पौने 12 बजे ग्राहक बन कर दो युवक दुकान में आये और सोने की बेहतर बड़ी साइज की अंगूठी दिखाने को कहा। इसके बाद एक युवक ने कहा कि बाहर से भाभी को लेकर आते हैं। युवक जब वापस आया, तो उसके साथ चार युवकों ने लाल रंग के बैग लेकर दुकान में घुसे और कनपटी पर पिस्तौल तान दिया। इसके बाद सोने के जेवरात को बैग में रख लिया। जब एक युवक सिल्वर के जेवरात भी रखने लगा, तो उससे कहा कि ये चांदी के जेवर हैं, तो उसने उसे छोड़ दिया। साथ ही 26,195 रुपये भी ले गये। जेवर और नकदी लूटने के बाद सभी अपराधी बाहर खड़ी बाइक पर सवार होकर दानापुर स्टेशन की ओर फरार हो गये।

सीसीटीवी में अपराधियों की तस्वीर कैद : सीसीटीवी कैमरे में बाइक सवार आधा दर्जन अपराधियों का तस्वीर कैद है। अपराधियों हेमलेट व मुंह ढके हुए थे।

कटिहार : पूर्व विधायक विश्वनाथ सिंह का निधन

मनिहारी (कटिहार)। मनिहारी विस क्षेत्र के पूर्व जदयू विधायक विश्वनाथ सिंह का निधन शुक्रवार की सुबह आइजीआइएमएस पटना में इलाज के दौरान हुआ। वे लगभग

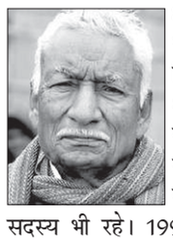

87 वर्ष के थे। मनिहारी विधानसभा क्षेत्र से तीन बार विधायक रहे। जदयू के संस्थापक सदस्य भी रहे। 1990 से 1995 तक जनता दल से विधायक रहे। बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड चेयरमैन भी रहे। 2000 से 2005 तक जदयू से विधायक थे। 2006 में मनिहारी विधानसभा उपचुनाव में फिर विधायक बने। मनिहारी विधानसभा क्षेत्र एसटी सुरक्षित होने पर मछुआरा आयोग के चेयरमैन बनाये गये। इनके निधन पर जदयू नेता नेताओं ने शोक व्यक्त किया है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जतायी शोक-संवेदना

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जदयू के पूर्व विधायक विश्वनाथ सिंह के निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने शोक संदेश में कहा कि वे एक कुशल राजनेता और समाजसेवी थे। वे अपने क्षेत्र में लोगों के बीच लोकप्रिय थे। स्व विश्वनाथ सिंह के निधन के समाचार से उन्हें गहरा दुख हुआ है। उनके निधन से राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में अपूरणीय क्षति हुई है। मुख्यमंत्री ने दिवगंत आत्मा की चिरशांति और उनके परिजनों को दुख की इस घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है। इधर, प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह विधान पार्षद संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी, ललन कुमार सर्राफ, विधायक गुंजेश्वर साह और राजीव कुमार सिंह, प्रदेश प्रवक्ता डॉ निहोरा प्रसाद यादव ने भी शोक जताया है।

सैलून में युवक को मारी गोली, हालत गंभीर

सीतामढ़ी। जिले के रीगा थाने की सिरौली प्रथम पंचायत के कपरौल चौक के पास शुक्रवार की दोपहर दो बजे बाइक सवार बदमाशों ने एक युवक को गोली मार दी। गोली उसकी पीठ में लगी है। खून से लथपथ युवक को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जख्मी बिहारी यादव (25) कपरौल के वार्ड नंबर 13 निवासी तेजनारायण यादव का पुत्र है। उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। गोली चलने के बाद कपरौल चौक पर अफरातफरी मच गयी। ग्रामीणों की भीड़ जुट गयी। गोली मारने के बाद बाइक सवार अपराधी तेजी से भाग निकले। सूचना पर सदर एसडीपीओ वन राम कृष्णा व रीगा थानाध्यक्ष संजीव कुमार दल बल के साथ पहुंचकर छानबीन की। उन्होंने बताया कि गोली चौक के पास सैलून में चली है। फिलहाल जांच के क्रम में यह बात सामने आयी है कि गोली चलाने वाले और जख्मी दोनों दोस्त हैं। किसी बात को लेकर घटना को अंजाम दिया गया है। पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है।

उधर, इस घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं की जा रही हैं। कुछ स्थानीय लोगों का कहना है कि सैलून में हथियार देखने के दौरान गोली चल गयी। इसमें बिहारी यादव की पीठ में गोली लगी है। उसने बताया है कि वह बाइक खड़ी कर सैलून में खड़ा था। इसी क्रम में किसी ने उसे गोली मार दी। वह गोली मारने वाले व्यक्ति को पहचानता नहीं है। दो युवक थे, जो मास्क पहने थे। गोली मारने के बाद तेजी से बाइक से भाग निकले। भाई अमन कुमार एवं ग्रामीण सुधीर सिंह लेकर उसे अस्पताल पहुंचे। वह सेल्समैन का काम करता था।

सोना लूट मामले का फरार कुख्यात गिरफ्तार

हाजीपुर। पुलिस ने कुख्यात अपराधियों की सूची में शामिल लूट, हत्या एवं गंभीर मामलों में फरार चल रहे बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी अभियान चला रही है। अभियान के तहत पुलिस ने कार्रवाई करते हुए राजस्थान के उदयपुर जिले के प्रतापनगर थाने से महज 100 मीटर की दूरी पर स्थित मण्णप्पुरम गोल्ड लोन के ऑफिस से 2022 में हुई 24 किलो सोना लूट मामले तथा वर्ष 2017 में राजापाकर थाना क्षेत्र के गोविंदपुर झखराहा गांव में युवक की गोली मार कर हत्या मामले में फरार चल रहे कुख्यात बदमाश गुड्डू कुमार को गिरफ्तार किया है। पुलिस उसकी तलाश पिछले आठ वर्षों से कर रही थी। एसपी ने बताया कि कुख्यात बदमाश राजापाकर थाना क्षेत्र के गोविंदपुर झखराहा गांव निवासी रामप्रसाद राय का पुत्र गुड्डू कुमार की गिरफ्तारी के लिए जिला पुलिस की एक विशेष टीम का गठन किया गया था।

राजस्थान के उदयपुर जिले के प्रताप नगर में हुई थी सोना लूट : गिरफ्तार बदमाश से पूछताछ के दौरान पता चला कि वर्ष 2022 में वह सुबोध सिंह गैंग के साथ राजस्थान में उदयपुर जिले के प्रतापनगर थाना से महज 200 मीटर की दूरी पर स्थित मण्णप्पुरम गोल्ड लोन के ऑफिस से अपने पांच अन्य साथियों के साथ मिलकर मात्र 23 मिनट में लगभग 12 करोड़ रुपये मूल्य के 24 किलोग्राम सोने के आभूषण लूट लिया था। उसके विरुद्ध प्रतापनगर थाने में भी प्राथमिकी दर्ज है। एसपी ने बताया कि बड़ी लूट की घटना को अंजाम देने के बाद भी वह पुलिस की पकड़ से बाहर था।

पेज एक का शेष

तीसरी बड़ी इकोनॉमी...

देश के गरीबों को मिला सम्मान : अपने अभिभाषण के दौरान राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने कहा कि सरकारी योजनाओं से देश के गरीबों को सम्मान मिला है। इसके अलावा केंद्र ने खासतौर पर महिला सशक्तिकरण पर विशेष जोर दिया है। इसका उदाहरण है कि आज महिलाएं भी लड़ाकू विमान उड़ा रही हैं। उन्होंने कहा कि इन बड़ी उपलब्धियों के साथ हेल्थकेयर समेत तमाम सेक्टर्स में हमारी सरकार में शुरू की गई योजनाओं का असर देखने को मिला है, जो देश की ग्रोथ को गति दे रही हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार मानती है कि 140 करोड़ देशवासियों की सेवा ही हमारा प्रमुख कर्तव्य है और इसीके साथ काम कर रही है।

हमारा एक ही संकल्प 'विकसित भारत' : राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने आगे बताया कि 10 साल में एयरपोर्ट की संख्या दोगुनी हो गई है। आदिवासी इलाकों में 30 मेडिकल कॉलेज खोले गए हैं, जिनका लाभ हर वर्ग को मिल रहा है। पूर्वोत्तर के लिए विकास योजनाओं पर काम हुआ है और दलित वंचित समाज को अच्छी तरह से सरकारी योजनाओं का लाभ मिला है। हमारी सरकार में दिव्यागों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिला है। भारत ने ग्लोबल लीडर के रूप में अपनी पहचान बनाई है। जम्मू कश्मीर में आज विकास का वातावरण बना है और 370 हटाने से ग्रोथ को गति मिली है। अपने संबोधन के अंत में राष्ट्रपति ने कहा कि हमारा एक ही संकल्प है और एक ही लक्ष्य है 'विकसित भारत'।

150 करोड़ रुपये...

ट्रिनिटी फ्यूल, श्रीराम ट्रेडिंग कंपनी, मां तारा इंटरप्राइजेज सहित 25 फर्जी कंपनियों के इनवॉइस भी जब्त किये गये हैं। हालांकि छापेमारी से पहले ही सौरव सिंघल व शिवम सिंह फरार हो गये। टीम सौरव के पिता राजेश सिंघल से पूछताछ की।

टैक्स भरते, तो सरकार को मिलता लगभग 40 करोड़ का राजस्व : वरिष्ठ आसूचना पदाधिकारी (डीजीजीआइ) रोशन मिश्रा के मुताबिक, अगर फर्जी कंपनी के नाम से इंवाइस जारी नहीं होती और टैक्स भरा जाता, तो सरकार को लगभग 40 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त होता। श्री मिश्रा के मुताबिक, कोयला पर पांच प्रतिशत टैक्स है। इसके अलावा 800 रुपये प्रति टन सेस लिया जाता है। जांच में पकड़ने जाने पर टैक्स व सेस डबल हो जाता है। 150 करोड़ के जीएसटी की चोरी में सरकार को लगभग 40 करोड़ रुपये राजस्व का नुकसान हुआ है।

छापेमारी में जमशेदपुर, रांची व धनबाद के 50 अधिकारी शामिल : छापेमारी में डायरेक्टरेट जनरल ऑफ जीएसटी इंटेलिजेंस के जमशेदपुर, रांची व धनबाद के 50 अधिकारी शामिल हैं। संयुक्त निदेशक सार्थक सक्सेना के आदेश पर वरिष्ठ सूचना पदाधिकारी रोशन मिश्रा के नेतृत्व में छापेमारी चल रही है। इसमें विराज पांडेय, बबलू सिंह, राजीव रंजन भी शामिल हैं। वरिष्ठ आसूचना पदाधिकारी रोशन मिश्रा ने बताया कि झारखंड में जीएसटी चोरी की सबसे बड़ी रेड है। जांच में बड़े पैमाने पर फर्जी कंपनियों के इनवॉइस मिले हैं। हार्ड डिस्क, मोबाइल व पेन ड्राइव खंगाले जा रहे हैं। पिछले चार सालों से सौरव सिंघल एंड टीम जीएसटी की चोरी कर रही थी। अब तक 150 करोड़ की जीएसटी चोरी का मामला सामने आया है। जांच अभी जारी है। इस खेल में धनबाद के कई बड़े बिजनेसमैन के भी संलिप्त होने की बात कही जा रही है। मास्टरमाइंड सौरव सिंघल की गिरफ्तारी के लिए जगह-जगह छापेमारी की जा रही है।

सीता सोरेन का...

चर्चा करने वाले को चर्चा करने दीजिए-सीता सोरेन : फिलहाल सीता सोरेन ने जेएमएम में वापसी या बीजेपी में बने रहने के सवाल पर चुप्पी साध रखी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार सीता सोरेन ने कहा कि 1 फरवरी को दुमका पहुंच रही हैं। हालांकि वो सरस्वती पूजा से जुड़े कार्यक्रम को लेकर दुमका जा रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अभी वो बीजेपी में हैं, समय सब कुछ बताता है। चर्चा करने वाले को चर्चा करने दीजिए, सबकुछ समय पर छोड़ते हैं। आना-जाना लगा रहता है। परिस्थिति सब काम करवाती है।

बसंत सोरेन बोले- ये चर्चा मेरे कानों तक नहीं पहुंचीः उधर, दुमका के जेएमएम विधायक और सीता सोरेन के देवर बसंत सोरेन ने कहा- 'ये चर्चा आपके कानों तक है, मेरे कानों तक नहीं पहुंची है अभी।' उन्होंने स्थापना दिवस कार्यक्रम को लेकर कहा कि कार्यकर्ताओं में काफी जोश और उमंग है। पिछले साल कार्यकारी अध्यक्ष नहीं थे। इसकी वजह से पिछले साल ढंग से स्थापना दिवस नहीं मना पाए थे, लेकिन इस बार काफी उत्साहित हैं।

हेमंत के जेल जाने के बाद सीता सोरेन बीजेपी में हुईं शामिल : राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि हेमंत सोरेन भी अपनी भाभी की घर वापसी के इच्छुक हैं। हालांकि हेमंत सोरेन जेल में थे, उसी दौरान सीता सोरेन ने भाजपा का दामन थामा था। तब से ही कयास लगाए जा रहे थे कि हेमंत सोरेन के रिहा होने के बाद सब कुछ ठीक हो जाएगा। अब लगता है कि वह समय आ गया है। सूत्रों के अनुसार, सीता सोरेन अपने राजनीतिक सलाहकार और बेटी के साथ इस बारे में विचार-विमर्श कर रही हैं। जल्द ही वे खुद इस बारे में आधिकारिक घोषणा कर सकती हैं।

सीता सोरेन के त्यागपत्र से जेएमएम को लगा था बड़ा झटका : सीता सोरेन के भाजपा में शामिल होने के बाद राजनीतिक गलियारों में काफी चर्चा हुई थी। उनके झामुमो छोड़ने को पार्टी के लिए एक बड़ा झटका माना गया था। लेकिन अब उनकी वापसी झामुमो के लिए एक नई ऊर्जा का संचार करेगी। यह देखना दिलचस्प होगा कि आने वाले दिनों में झारखंड की राजनीति किस रूप लेती है। क्या सीता सोरेन को पार्टी में कोई महत्वपूर्ण पद दिया जाएगा? क्या यह घर वापसी झामुमो को आने वाले चुनावों में फायदा पहुंचाएगी? इन सभी सवालों के जवाब समय के साथ ही मिलेंगे। लेकिन फिलहाल, झारखंड की राजनीति में एक नया अध्याय शुरू होने वाला है।

सीएम हेमंत सोरेन...

पीड़िता विधवा महिला है। महिला गिड़गिड़ाती रही, लेकिन राजस्व निरीक्षक ने एक नहीं सुनी और म्यूटेशन करने के लिए 12 हजार रुपये की मांग की थी। महिला ने किसी तरह 10 हजार रुपये दिए थे।

वीडियो को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के ट्वीटर हैंडल पर टैग करके कार्रवाई करने की मांग की गयी थी। मुख्यमंत्री ने तत्काल संज्ञान लिया एवं उपायुक्त शशि रंजन को कार्रवाई का निर्देश दिया। उपायुक्त ने हुसैनाबाद एसडीओ को जांच रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया था। एसडीओ की जांच में घूस लेने का मामला सही साबित हुआ, जिसके बाद कार्रवाई की गयी।

सचिन को मिलेगा...

यह उनका छठा और आखिरी वनडे विश्व कप रहा।

दुनिया भर के गेंदबाज सचिन से डरते थे : तेंदुलकर जब अपने खेल के अपने चरम पर थे तब उनकी बल्लेबाजी को देखने के लिए देश की एक बड़ी आबादी जैसे थम जाती थी। सचिन से दुनिया भर के गेंदबाज खौफ खाते थे। दिवंगत शेन वॉर्न से लेकर मुथैया मुरलीधरन तक ने सचिन की तारीफ की है और कहा है कि वह किसी भी समय मैच का रुख पलट सकते थे। कई गेंदबाजों का मानन है कि सचिन को गेंदबाजी करना सबसे मुश्किल काम था। विपक्षी टीमें उनके लिए खास प्लान बनाती थीं। दुनिया भर के कई पूर्व दिग्गज गेंदबाज यह कह चुके हैं भारतीय बल्लेबाजों में उन्हें सिर्फ तेंदुलकर से परेशानी होती है। कुल मिलाकर तेंदुलकर इस पुरस्कार को प्राप्त करने वाले 31वें खिलाड़ी हैं। इस अवॉर्ड को 1994 में भारत के पहले कप्तान कर्नल सीके नायडू के सम्मान में स्थापित किया गया था। नायडू ने प्रशासक के रूप में भी खेल की सेवा की थी। नायडू का 1916 से 1963 के बीच 47 साल लंबा प्रथम श्रेणी करियर रहा, जो कि एक विश्व रिकॉर्ड है।

देश का आम...

नियम आसान होंगे तभी होगा विकसित भारत के सपना साकार : विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए नियमों को आसान बनाने का काम में अब क्षणिक भी विलंब नहीं करना होगा। बिना इसके आर्थिक विकास को तेज करने के दूसरे उपायों का खास असर नहीं होगा। सर्वेक्षण ने यहां तक कहा है कि भारत विकास की जिस स्तर पर अभी है वहां पारंपरिक आर्थिक नीतियों को ही आगे बढ़ाना प्रासंगिक नहीं रहेगा। निवेश के स्तर को बढ़ाना होगापूरी दुनिया में नीतियों को लेकर सोच बदला चुका है। खुले कारोबार, पूंजी व प्रौद्योगिकी के आसानी से एक देश से दूसरे देश में हस्तांतरण और वैश्विककरण वाली नीतियां अब पुराने दिनों की बात रह गई हैं। निवेश के स्तर को मौजूदा 31 फीसद (जीडीपी के अनुपात में) से बढ़ा कर 35 फीसद करने को ना सिर्फ विकसित राष्ट्र बनाने के लिए बल्कि देशवासियों के जीवन स्तर को सुधारने के लिए भी जरूरी बताया गया है। सर्वेक्षण के मुताबिक दूसरे विश्व युद्ध के बाद जापान के संदर्भ में, चीन के संदर्भ में और दक्षिण पूर्वी एशियाई देशों के संदर्भ में यह साबित हो चुका है।

छह हजार घूस...

पंचायत सचिव ने कहा कि पहले जो भुगतान हुआ है, उसका एवं अब जो भुगतान होगा उसे मिलाकर 6 हजार रुपये दो, तब मास्टर रौल को आगे बढ़ायेंगे और शेष राशि का भुगतान करायेंगे। परंतु वह घूस देना नहीं चाहते थे। उक्त आवेदन के संबंध में सत्यापनकर्ता द्वारा विधिवत सत्यापन किया गया और 6 हजार रुपये रिश्वत मांगने की बात सत्य पाये जाने पर जाल बिछाकर एसीबी ने पंचायत सचिव को रंगे हाथों गिरफतार किया।

अब सुपात्र लाभुक...

सचिव ने स्पष्ट रूप से कहा है कि हर हाल में लाभुकों को दिए जाने वाले सहयोग राशि की किस्तों की भुगतान में पारदर्शी लाई जाए। इसके लिए प्रखंड के प्रत्येक पंचायत में लाभुकों को चार-चार के समूह में विभाजित किया जाए साथ ही लाभुकों को लंबित किस्तों का भुगतान माह के किसी एक सप्ताह निर्धारित के बुधवार के दिन ही भुगतान किए जाने समेत अन्य महत्वपूर्ण निर्देश शामिल है। मनरेगा आयुक्त सह नोडल पदाधिकारी, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) मृत्युंजय कुमार बरणवाल ने सभी उपायुक्त, उप विकास आयुक्त को पत्र लिखकर लाभुकों को यह एप जल्द से जल्द उपलब्ध कराते हुए इस दिशा मंत त्वरित कार्रवाई करने का आदेश दिया है । लाभुक इस एप को गूगल प्ले स्टोर अथवा अबुआ आवास योजना के पोर्टल से डाउनलोड कर अपने मोबाइल में इंस्टॉल कर सकते हैं। इंस्टॉल करने के क्रम में लाभुकों को मोबाइल में ओटीपी प्राप्त होगा। एप के माध्यम से जीओ टैग करने के लिए सभी लाभुकों को अपना मोबाइल नंबर प्रखंड लॉगिन में अपडेट करना अनिवार्य होगा। एप में लाभुकों द्वारा स्वयं से किए गए जियो टैग को पंचायत सेवक 7 दिन के अंदर स्थल सत्यापन किया जाएगा। उक्त जियो टैग को पंचायत सेवक (कारण सहित) के साथ अप्रूव या रिजेक्ट कर सकेंगे।

आप के सात...

इन सभी विधायकों को आम आदमी पार्टी ने मौजूदा विधानसभा चुनाव में टिकट नहीं दिया है।

इस्तीफा देने वाले विधायकों में से एक भूपिंदर सिंह जून ने कहा, "हमारे ऊपर कोई दबाव नहीं है, उम्मीदवारों की सूची 9 दिसंबर को आई थी और आज 31 जनवरी है, इसलिए इस बीच हमने इस पर विचार किया और फैसला लिया। जिस विचारधारा के साथ आप आई थी, वह उससे दूर हो गई हैआलाकमान में 4-5 लोग हैं जो पूरी तरह से भ्रष्ट हैं और उनके खिलाफ शराब घोटाले और स्वाति मालीवाल मामले में आरोप पत्र दर्ज हैं"

एक अन्य विधायक मदन लाल ने कहा, "इस पार्टी में काम करने का मन नहीं करता, यही सबसे बड़ा कारण है, हमने इस बारे में कई बार सोचा, भले ही हमें टिकट नहीं मिला, हम डेढ़ महीने से ज्यादा पार्टी में रहे लेकिन जिन लोगों को पार्टी ने टिकट दिया, उनका प्रदर्शन, पार्टी का प्रदर्शन, ऐसा लगता है कि पार्टी ने गलती की, पार्टी अपनी विचारधाराओं से दूर जा रही है"

आप ने क्या कहा : इस्तीफा देने वाले विधायकों की आलोचना करते हुए आप की राष्ट्रीय प्रवक्ता रीना गुप्ता ने कहा कि पार्टी द्वारा कराए गए सर्वेक्षण से पता चला है कि ये सभी अपनी विधानसभाओं में जनता के लिए उपलब्ध नहीं थे और इसीलिए उन्हें चुनाव में टिकट नहीं दिया गया। रीना गुप्ता ने कहा कि टिकट नहीं मिलने के बाद अब वे दूसरी पार्टी में शामिल हो रहे हैं, यह कोई बड़ी बात नहीं है। यह राजनीति का हिस्सा है।

महामंडलेश्वर पद...

महाकुंभ में ममता कुलकर्णी ने ली थी दीक्षा : कुछ दिनों पहले ही अभिनेत्री ममता कुलकर्णी ने प्रयागराज महाकुंभ में संन्यास की घोषणा की थी। आचार्य लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने संगम में पिंडदान कराने के बाद उनका पट्टाभिषेक किया और उन्हें नया नाम 'श्री यमाई ममता नंद गिरि' दिया गया। लक्ष्मी नारायण का कहना था कि ममता पिछले डेढ़ साल से उनके संपर्क में थीं और वे संन्यासी जीवन अपनाना चाहती थीं। इससे पहले वे जुना अखाड़े में भी रहीं, लेकिन गुरु के निधन के बाद वे दिशाहीन महसूस कर रही थीं। इसी कारण उन्होंने किन्नर अखाड़े से जुड़ने का फैसला किया।

अखाड़े के संस्थापक को नहीं थी जानकारी : किन्नर अखाड़े के संस्थापक ऋषि अजय दास ने कहा कि उन्हें बिना जानकारी दिए ममता कुलकर्णी को महामंडलेश्वर बना दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने एक देशद्रोह के आरोपी को अखाड़े में शामिल किया, जो नीतियों के खिलाफ है। इसी कारण उन्होंने लक्ष्मी नारायण को भी अखाड़े से निष्कासित कर दिया है। उनका कहना है कि 2017 में ही लक्ष्मी नारायण को अखाड़े से निकाल दिया गया था, लेकिन वे अब खुद को संस्थापक बता रहे हैं। उन्होंने साफ किया कि अखाड़े का पुनर्गठन किया जाएगा और नए महामंडलेश्वर की नियुक्ति होगी।

महामंडलेश्वर बनाए जाने पर संत नाराज : ममता कुलकर्णी को महामंडलेश्वर बनाए जाने के बाद से ही संत समाज मंन असंतोष था। कई संतों ने इसका खुलकर विरोध किया। योग गुरु बाबा रामदेव ने भी इस पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था कि जो लोग कल तक भौतिक सुखों में लिप्त थे, वे अचानक एक दिन में संन्यासी बन गए। अखाड़े के कुछ संतों ने भी इस फैसले को परंपराओं के खिलाफ बताया था। वहीं, अजय दास ने कहा कि किन्नर अखाड़े की नीतियों के अनुसार किसी महिला को महामंडलेश्वर नहीं बनाया जा सकता।

ममता कुलकर्णी बना चुकी हैं बॉलीवुड से दूरी : ममता कुलकर्णी ने बॉलीवुड से अचानक दूरी बनाने के बाद सन्यास ले लिया था। उन्होंने बताया कि 1996 में उनकी रुचि अध्यात्म में बढ़ी और गगन गिरी महाराज के संपर्क में आने के बाद वे तपस्या में लीन हो गईं। 2000 से 2012 तक उन्होंने ब्रह्मचर्य का पालन किया और इस दौरान वे दुबई में रहीं। उन्होंने कहा कि बॉलीवुड ने उन्हें पहचान दी, लेकिन अब वह संन्यासी जीवन में पूरी तरह समर्पित हैं। हालांकि, अब उनके महामंडलेश्वर पद से हटाए जाने के बाद उनकी आध्यात्मिक यात्रा पर सवाल उठने लगे हैं।

अनिल विज ने सीएम सैनी पर कसा तंज, कहा : उड़नखटोले से वह नीचे ही नहीं उतरते

चंडीगढ़ । हरियाणा के मंत्री अनिल विज फिर चर्चा में हैं। उन्होंने अपनी ही सैनी सरकार की घेराबंदी की है। मंत्री विज ने कहा कि उन्हें चुनाव में हराने की कोशिश की गई थी। लेकिन इतने दिन बीतने के बाद भी उन लोगों के खिलाफ कोई एक्शन नहीं हुआ। विज ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पर तंज कसते हुए कहा कि वे उड़नखटोले से नीचे उतरते ही नहीं हैं। विज ने कहा, मैं सबसे सीनियर नेता हूं और मैं कह रहा हूं कि मेरे खिलाफ साजिश की गई है। उन्हें पार्टी से तुरंत निकाला ही जाना चाहिए था। 100 दिन तक कुछ नहीं किया गया। उन्होंने आरोप लगाकर कहा, हमारे मुख्यमंत्री उड़नखटोले से नीचे नहीं उतरते हैं। वे जिस दिन से मुख्यमंत्री बने हैं, तब से वे उड़खटोले पर ही सवार हैं, नीचे उतरे ही नहीं। हेलीकॉप्टर से उतरने के बाद ही उन्हें लोगों का दर्द पता चलेगा। यह सिर्फ मेरी आवाज नहीं है, बल्कि सभी सांसदों, विधायकों और मंत्रियों की आवाज है। उन्होंने अधिकारियों की ओर से उनके आदेशों का पालन नहीं करने पर कड़ी नाराजगी जाहिर की। इतना ही नहीं किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की तरह आमरण अनशन पर जाने की चेतावनी दी। अंबाला कैंट से बीजेपी विधायक और मंत्री ने कहा, उन्होंने अंबाला में जनता दरबार लगाना बंद कर दिया है, जिस वे हर सोमवार को आयोजित करते थे।

प्रेमी से मिलने का आरोप लगाकर महिला को दी तालीबानी सजा, अर्धनग्न कर गांव में घुमाया

दाहोद । गुजरात को शर्मसार कर देनेवाली एक घटना सामने आई है। दाहोद जिले के संजेली के एक गांव में महिला पर प्रेमी से मिलने गई होने का आरोप लगाकर पहले उसे अर्धनग्न किया और उसके बाद गांव में घुमाया। घटना का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस हरकत में आ गई और 15 जितने लोगों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कर 12 आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। जानकारी के मुताबिक दाहोद जिले के संजेली तालुका के ढालसूमल गांव में 35 वर्षीय विवाहित महिला को तालीबानी सजा दिए जाने का मामला सामने आया है। 15 लोगों के समूह ने विवाहिता महिला को अर्धनग्न हालत में घर से बाहर निकाला और बाइक के पीछे बांधकर उसे दौड़ाया। इतना ही नहीं उसके साथ बुरी तरह से मारपीट भी की। इतने से भी मन नहीं भरा तो घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल भी कर दिया। वीडियो वायरल होने के बाद स्थानीय पुलिस हरकत में आ गई है। पुलिस ने इस मामले में महिला की शिकायत के आधार पर 15 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच कर रही है। इस बारे में दाहोद के एसपी राजदीपसिंह झाला ने बताया कि दाहोद जिले में एक महिला की पिटाई की घटना की सूचना पुलिस को मिलने के बाद डीएसपी समेत काफिला मौके पर पहुंचा और महिला को बचाया। पुलिस ने महिला के बयान के आधार पर 15 लोगों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। पुलिस ने दरिंदगी करने वाले 12 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है और अन्य फरार आरोपियों की तलाश कर रही है। फिलहाल गांव में पुलिस का काफिला तैनात कर दिया गया है। घटना को लेकर राज्य सरकार के प्रवक्ता मंत्री ऋषिकेष पटेल ने कहा कि दाहोद की घटना समाज के लिए दुखद और शर्मनाक है। गृह विभाग ने स्वत-संज्ञान लेते हुए शिकायत दर्ज करायी है। ऐसी घटना पर कड़ी कार्रवाई की जायेगी।

जम्मू-कश्मीर में लगे भूकंप के झटके, नुकसान की जानकारी नहीं

जम्मू । जम्मू-कश्मीर में शुक्रवार सुबह भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। राजौरी सहित पूरे जम्मू-कश्मीर में भी भूकंप के झटके लगे। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.6 दर्ज की गई है। फिलहाल अभी तक इस भूकंप में किसी तरह के जानी नुकसान की खबर नहीं है। भूकंप के झटके महसूस होने के बाद लोग अपने घरों और कर्मचारी अपने-अपने ऑफिसों से बाहर निकल आए। वहीं हर तरफ अफरा-तफरी मच गई।

केरल में अवैध रूप से रहने वाले 27 बांग्लादेशी घुसपैठियों को किया गया गिरफ्तार

तिरुअनंतपुरम । एर्नाकुलम ग्रामीण जिला पुलिस प्रमुख वैभव सक्सेना ने दो सप्ताह पहले 28 वर्षीय तस्लीमा बेगम की गिरफ्तारी के बाद 'ऑपरेशन क्लीन' नामक एक विशेष अभियान शुरू किया था जिसके तहत कोच्चि में अवैध रूप से रह रहे 27 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तारी हुई है। एक पुलिस अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को एर्नाकुलम जिले के उत्तरी परवूर इलाके से एर्नाकुलम ग्रामीण पुलिस और आतंकवाद निरोधी दस्ते ने संयुक्त रूप से चलाए एक अभियान के दौरान गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि इन बांग्लादेशी नागरिकों को एर्नाकुलम जिले के उत्तरी परवूर क्षेत्र में एर्नाकुलम ग्रामीण पुलिस और आतंकवाद निरोधक दस्ते के संयुक्त अभियान में गिरफ्तार किया गया। पुलिस के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि बांग्लादेशी नागरिक पश्चिम बंगाल के प्रवासी श्रमिक बनकर विभिन्न स्थानों पर काम कर रहे थे। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार लोगों से विस्तृत पूछताछ की जा रही है।

पुंछ में घुसपैठ की कोशिश नाकाम, सेना ने दो आतंकवादियों को किया ढेर

पुंछ । भारतीय सेना ने जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दो आतंकवादियों को ढेर कर दिया है। नगरोटा स्थित व्हाइट नाइट कॉर्प्स ने बताया कि गुरुवार रात एलओसी पर आतंकवादी गतिविधियों के बारे में जानकारी मिली। सतर्क सैनिकों ने घुसपैठ की कोशिश कर रहे आतंकवादियों को घेर लिया। इसके बाद सेना के साथ हुई मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए।

गडकरी की दिल्लीवालों से अपील, कहा : आप भाजपा की सरकार बना दें, जाम व प्रदूषण से दिला दूंगा मुक्ति

प्रदूषण का स्थायी हल नहीं निकालना चाहती आप सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी देश के उन कुछ चुनिंदा नेताओं में शुमार हैं जिनके काम की तारीफ विपक्षी दल भी करते हैं। गडकरी देश के उन कुछ चुनिंदा नेताओं में हैं जिन्होंने बीते दस सालों से अपने काम के जरिये जनता का विश्वास जीता है और हर कोई चाहता है कि केंद्रीय मंत्री गडकरी की नजर उसके क्षेत्र पर पड़ जाएं ताकि वहां की समस्याओं का निराकरण हो सके। केंद्रीय मंत्री होने के नाते गडकरी ने देशभर के राष्ट्रीय राजमार्गों की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार किया ही है साथ ही उन्होंने एनसीआर क्षेत्र में भी तमाम एक्सप्रेस-वे के द्वारा हालात में काफी बदलाव किए हैं।

वहीं गडकरी इनदिनों दिल्ली विधानसभा चुनाव प्रचार में उतरे हुए हैं और जनता को विश्वास दिला रहे हैं कि यदि भाजपा की जीत होती है, तब पांच साल के अंदर दिल्ली यातायात जाम और वायु प्रदूषण से मुक्त होगी। गडकरी ने 'डबल इंजन' सरकार के लाभों पर जोर देकर कहा, ''अगर केंद्र में मोदी और दिल्ली में भाजपा सरकार होगी तब राजधानी की प्रगति बुलेट ट्रेन की तरह 10 गुना तेज हो जाएगी।' आप देख रहे हैं कि इस समय दिल्ली में विभिन्न नेता तमाम तरह की गारंटियां दे रहे हैं। इन नेताओं की गारंटियों का इतिहास देखने पर आपको सबसे ज्यादा प्रभावी गारंटी गडकरी की ही लगेगी। दिल्लीवालों को रोजाना घर से ऑफिस और ऑफिस से घर जाते समय घंटों ट्रैफिक जाम में बिताने पड़ते हैं। सोचिये यदि इस जाम से हमेशा के लिए निजात मिले तब आपको कितना फायदा होगा। दिल्ली में प्रदूषण बढ़ने पर हर दूसरे तीसरे दिन ग्रैप की विभिन्न श्रेणियों वाली पाबंदियां लग जाती हैं जिससे तमाम तरह के प्रतिबंध लग जाते हैं। सोच यदि यह प्रदूषण खत्म हो जाए तब आपको कितना स्वास्थ्य लाभ होगा? लेकिन यह तभी संभव है जब दिल्लीवासी सही सरकार का चुनाव करें। एक ऐसी सरकार जिसने बीते 10 सालों में दिल्ली के प्रदूषण को खत्म करने का स्थायी इलाज निकालने की बजाय सिर्फ ऑड-ईवन आधार पर वाहन चलाने वाली नीति लागू की उस आप पार्टी से ज्यादा अपेक्षा रखना दिल्ली के लिए और नुकसानदेह साबित होगा। इसलिए जरूरी है कि अपने काम के बलबूते जनता का विश्वास जीतने वाले गडकरी जैसे नेताओं की बात को सुने और दिल्ली तथा आने वाली पीढ़ी के सुनहरे भविष्य की मजबूत नींव रखी जाए।

बता दें कि विधानसभा चुनाव प्रचार में गडकरी ने दिल्ली को वायु प्रदूषण, यातायात भीड़भाड़ और कचरा प्रबंधन जैसी समस्याओं से मुक्त कराने का वादा किया है। उन्होंने कहा, ''मैं आपको वचन देता हूं। यदि आप दिल्ली सरकार में भाजपा का इंजन लगाएंगे तब हम पांच साल के भीतर दिल्ली को यातायात जाम और वायु प्रदूषण से मुक्त कर दूंगा। मैं यह वादा करता हूं।

शेख अब्दुल रशीद ने तिहाड़ जेल में शुरु की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल

जम्मू । जम्मू-कश्मीर के बारामूला निर्वाचन क्षेत्र से निर्दलीय सांसद शेख अब्दुल रशीद तिहाड़ जेल में कथित दुर्व्यवहार के विरोध में शुक्रवार से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठ गए है। राशिद की पार्टी अवामी इत्तेहाद पार (एआईपी) के नेता भी श्रीनगर के प्रताप पार्क में अपने नेता के साथ एकजुटता दिखाने के लिए भूख हड़ताल करने वाले है। इंजीनियर राशिद के नाम से मशहूर राशिद 2017 के आतंकी-फंडिंग मामले में गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम के तहत राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) द्वारा गिरफ्तारी के बाद 2019 से जेल में बंद है।

22 जनवरी को राशिद ने दिल्ली उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर कर अपनी जमानत याचिका पर फैसला लेने की मांग की, जो एक ट्रायल कोर्ट में लंबित है। दरअसल स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ने वाले राशिद ने बारामूला निर्वाचन क्षेत्र से नेशनल कॉन्फ्रेंस नेता और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को हराकर सुर्खियां बटोरीं थी। एआईपी ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं ने राशिद के साथ एकजुटता दिखाने के लिए एक दिन की भूख हड़ताल पर बैठने की योजना तैयार की है। राशिद, तिहाड़ जेल में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर रहे हैं। राशिद पिछले साल बारामूला निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा के लिए चुने गए थे, उन्होंने उमर अब्दुल्ला और पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष सज्जाद गनी लोन को हराया था।

महाकुंभ में आये श्रद्धालुओं के लिए मस्जिदों, मदरसों व दरगाह के खुले दरवाजे, खाने व ठहरने की व्यवस्था

प्रयागराज (एजेंसी)। मौनी अमावस्या पर महाकुंभ में आस्था की डुबकी लगाने के लिए आए श्रद्धालुओं की भीड़ से मेला क्षेत्र के साथ ही पूरा प्रयागराज शहर भी पटा हुआ था। शहर की सड़कों के साथ ही गलियों में भी पैर रखने तक की जगह नहीं बची थी। भीड़ नियत्रिंत करने के लिए रास्ते रोके जाने से लोगों को दिक्कत हो रही थी। इसके बाद शहर के मुस्लिम समुदाय के लोगों ने इन श्रद्धालुओं के लिए अपनी इबादतगाहों के दरवाजे खोल दिए।

मस्जिदों और दरगाहों से लेकर तमाम मदरसों में भी श्रद्धालुओं को ठहराया गया। यहां उनके लिए खाने-पीने के साथ ही ठहरने और बिस्तर के भी इंतजाम है। रास्तों और सीढ़ियों से लेकर अंदर की उन जगहों पर भी श्रद्धालुओं को ठहराया गया, जहां रोजाना पांच वक्त की नमाज अदा होती है। शहर की सबसे बड़ी मस्जिद चौक इलाके की जामा मस्जिद, खुल्दाबाद इलाके की शाही मस्जिद, डफरिन अस्पताल के सामने की मस्जिद, रोशन बाग इलाके की मस्जिद के साथ ही तीन दर्जन से ज्यादा मस्जिदों-मदरसों और दरगाहों को तीन से चार दिनों तक श्रद्धालुओं के लिए खोला गया था।

इतना ही नहीं प्रयागराज में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने कई जगहों पर महाकुंभ के लिए आए श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत व अभिनंदन किया। कई जगहों पर लंगर और भंडारे का आयोजन किया। कुछ जगहों पर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने श्रद्धालुओं को अंग वस्त्रम भेंट कर उनका अभिनंदन किया।

श्रद्धालुओं को इबादतगाहों में रोकने के तमाम वीडियो भी सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहे हैं। लोग इन वीडियो को देखकर प्रयागराज की गंगा जमुनी तहजीब की जमकर तारीफ कर रहे हैं। प्रयागराज के मदरसों और मस्जिदों से जुड़े लोगों का कहना है कि श्रद्धालु इन इबादत गाहों में रुक कर काफी भावुक हो गए थे।

केजरीवाल पर सांसद मनोज तिवारी का आरोप, कहा शराब व पैसा बांटकर लोगों को देना चाहते हैं रिश्वत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के दिल्ली स्थित आधिकारिक आवास की तलाशी को लेकर बीजेपी सांसद मनोज तिवारी ने तंज कस दिया है। सांसद तिवारी ने कहा कि आम आदमी पार्टी बेनकाब हुई है। यह शराब और पैसा बांटकर लोगों को रिश्वत देना चाहती है। लेकिन जनता ने आप को नकार दिया है। उन्होंने कहा कि सामान गोदाम में रखा हुआ था लेकिन वह भी किसी दिल्ली भक्त मुखबिर ने पुलिस को बता दिया होगा। नकदी और शराब की बोतलें पकड़ी गई हैं। यहीं आप का असली का चरित्र है।

भाजपा सांसद तिवारी ने दावा किया कि नुकसान का बोझ अरविंद केजरीवाल पर पड़ेगा। इसलिए मान इस बोझ को उतारने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। दिल्ली ने अब तक देखा है कि आप चुनाव जीतने के लिए या पैसा और शराब बांटती है या घुसपैठियों को वोटर बनाती है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग सतर्क है और मुझे पूरा विश्वास है कि भ्रष्टाचार के इस चरित्र को जनता नोटिस कर रही है। जल्द ही पंजाब की जनता भी इस पर अपना फैसला सुना देगी।

बीजेपी सांसद तिवारी ने कहा कि 5 फरवरी को दिल्ली के लोगों ने तय किया हैं कि आप बाहर जाएगी। भाजपा सत्ता में आएगी और दिल्ली को कठिन परिस्थितियों से निकालकर दुनिया के सामने एक अच्छी राष्ट्रीय राजधानी बनाएगी। दरअसल पंजाब के सीएम मान के दिल्ली स्थित आवास के बाहर गुरुवार को तब नाटकीय घटनाक्रम देखने को मिला जब निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने पांच फरवरी को होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले यहां पैसा वितरित किए जाने के आरोपों के बाद मान के परिसर की तलाशी लेने की कोशिश की थी।

इस पर सीएम मान ने निर्वाचन आयोग और दिल्ली पुलिस पर पलटवार कर आरोप लगाया कि वे भाजपा के इशारे पर पंजाबियों को ''बदनाम'' करने की कोशिश कर रहे हैं।

कोर्ट ने गुस्से में पूछा- मूर्तियां बनाने के लिए पीओपी का क्यों हो रहा इस्तेमाल

मुंबई (एजेंसी)। बॉम्बे उच्च न्यायालय ने मूर्ति निर्माताओं से यह भी पूछा कि अदालत के बार-बार दिए गए आदेश के बावजूद उन्होंने देवी-देवताओं की मूर्तियां बनाने के लिए पीओपी का उपयोग क्यों जारी रखा है। सीपीसीबी ने 12 मई, 2020 को संशोधित दिशानिर्देश जारी किए थे, जिसमें पीओपी से बनी मूर्तियों के निर्माण, बिक्री और विसर्जन पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। पीओपी एक सफेद पाउडर है जो पानी में मिलाने पर सख्त हो जाता है। बोर्ड ने मूर्तियां बनाने के लिए पर्यावरण के अनुकूल कच्चे माल के उपयोग को प्रोत्साहित किया है।

कोर्ट ने गुरुवार को केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के उन दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया, जिसमें प्लास्टर ऑफ पेरिस से बनी मूर्तियों के जलाशयों में विसर्जन पर प्रतिबंध लगाया गया है। मुख्य न्यायाधीश आलोक अराधे और न्यायमूर्ति भारती डांगरे की खंडपीठ ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई की। उसने बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) और महाराष्ट्र के अन्य सभी नगर निगमों को निर्देश दिया कि वे 1 और 2 फरवरी को मनाए जाने वाले 'माघी गणेश उत्सव से पहले दिशानिर्देशों का पालन सुनिश्चित करें। अदालत ठाणे निवासी रोहित जोशी और मिट्टी से मूर्तियां बनाने वाले 9 कारीगरों सहित अन्य की ओर से दायर एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें सीपीसीबी के 2020 के दिशानिर्देशों के सख्त पालन का अनुरोध किया गया है। दूसरी ओर, पंजाब में जालंधर के डिप्टी कमिश्नर-कम-डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट डॉ. हिमांशु अग्रवाल ने जिला पुलिस को जालंधर जिले में स्थापित बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की मूर्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने मांगा योगी का इस्तीफा, दूसरे साधु-संतों ने उन्हें सुना दी खरी-खरी

महंत नंदिनी शरण ने कहा, इस तरह का बयान देना बेहद लज्जा से भरा

प्रयागराज (एजेंसी)। महाकुंभ में 29 जनवरी मौनी अमावस्या के दिन मची भगदड़ पर राजनीति शुरु हो गई है। तमाम विपक्षी पार्टी महाकुंभ में मची भगदड़ का जिम्मेदार योगी सरकार को मान रही है। इसी कड़ी में उत्तराखंड के जोशीमठ स्थित ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का बयान भी सामने आया, जिसमें उन्होंने सीएम योगी के इस्तीफे की मांग की है। इस लेकर तमाम साधु-संतों ने शंकराचार्य का विरोध किया है।

अब मामले में अयोध्या के श्री हनुमत निवास पीठाधीश्वर महंत मिथिलेश नंदिनी शरण ने कहा कि, मौनी अमावस्या के दिन मची भगदड़ बेहद दुखद घटना है। लेकिन मामले में सरकार और सीएम योगी पर निशाना साधना सही नहीं है। वहां श्रद्धालुओं की काफी भीड़ है। महाकुंभ में असाधारण भीड़ है। एक महत्वपूर्ण पीठाधीश्वर के व्यक्ति का इस तरह का बयान देना बेहद लज्जा से भरा हुआ है। उन्होंने कहा कि, योगी महाकुंभ की तैयारियों के साथ देशभर में महाकुंभ की महिमा बढ़ा रहे हैं और हेलीकॉप्टर के जरिए साधु-संतों पर पुष्प वर्षा करवा रहे हैं। अगर उनके काम और उनके प्रति इसी तरह की मंशा रख रहे हैं तब कौन हैं जो यहां आकर व्यवस्था ठीक कर देगा? अगर योगी मुख्यमंत्री पद के लिए योग्य नहीं, तब नाम बताना चाहिए, आखिर कौन इस पद के लिए बेहतर विकल्प होगा? महंत मिथिलेश नंदिनी शरण जी ने कहा, जब सड़कों पर घसीटकर लाठी डंडों से पीटा गया था, तब मुख्यमंत्री से इस्तीफा मांगा गया था। पालघर के निहत्थे साधुओं को दौड़ा कर मारा गया था, उस मुख्यमंत्री से इस्तीफा लिया गया था? इस देश में मुख्यमंत्री जनादेश से बनता है। उन्होंने कहा मैं उनका प्रचारक नहीं हूं, लेकिन उनके कामों पर सवाल उठाना कुंठा जनक सोच है। इतने बड़े आयोजन में दुर्घटना संभावित है। कोविड महामारी में लाखों लोग मरे हैं, किसे इस्तीफा दे देना चाहिए। महाकुंभ में जो लोग मरे उनके प्रति मेरी गहरी संवेदना है। महाकुंभ में अत्याधिक भीड़ के कारण ये हादसा हुआ है।

एक खास वर्ग को खुश करने के लिए मिड-डे मील में अंडे पर रोक लगा रही फडणवीस सरकार

-शरद पवार गुट के नेता जितेंद्र आव्हाड ने आरोप लगाया

मुंबई (एजेंसी)। शरद पवार गुट के नेता जितेंद्र आव्हाड ने आरोप लगाया कि सरकारी स्कूलों में बच्चों को मिलने वाले मिड-डे मील में अंडे पर रोक लगा दिया है। इस लेकर उन्होंने सीएम देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली सरकार पर हमला कर कहा कि वे एक खास वर्ग को खुश करने के लिए ऐसा फैसला कर रही है।

रिपोर्ट के मुताबिक वे अंडा लेकर ठाणे कलेक्टर अशोक शिंगारे के हॉल में दाखिल हुए। वहीं उन्होंने लिखा, मैं समझता हूं कि आपकी सरकार ने सरकारी स्कूलों में छात्रों को मिलने वाले मध्याह्न भोजन में अंडे बंद करने का फैसला किया है, मुझे लगता है कि यह उन 24 लाख लाभार्थी छात्रों के साथ अन्याय है।

उन्होंने लिखा, सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले छात्रों की आर्थिक स्थिति शायद अच्छी नहीं होती इसलिए वे वहां पढ़ते हैं। आर्थिक स्थिति का भी उनके स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ता है। स्कूली जीवन के दौरान उन्हें शारीरिक और बौद्धिक विकास के लिए आवश्यक प्रोटीन नहीं मिलाता है। पहले की राज्य सरकारों ने इन छात्रों के शारीरिक विकास के लिए उन्हें मध्याह्न भोजन में सप्ताह में एक बार अंडे और अन्य पौष्टिक भोजन देने का निर्णय लिया था।

महाराष्ट्र सरकार के फैसले पर आव्हाड ने नाराजगी जताकर कहा कि पर्याप्त प्रोटीन से शारीरिक और मानसिक रूप से विकसित होने में मदद मिलेगी, जिससे एक स्वस्थ पीढ़ी का निर्माण होगा और मेरा मानना है कि हमारी सरकार ने इस संबंध में जो निर्णय लिया है। वह इन छात्रों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होगा।

उन्होंने कहा, जहां महाराष्ट्र समाज का अधिकांश हिस्सा मांसाहारी है, वहीं एक खास वर्ग मांसाहार के खिलाफ है और इसलिए मुख्यमंत्री के रूप में आप वर्ग को खुश करने के लिए इसतरह के फैसले ले रहे हैं ना? इस दावे के लिए मेरे पास मजबूत कारण हैं।

भाजपा बढ़ा रही शिवसेना यूबीटी से नजदीकी, क्या उद्धव की फिर होगी एंट्री?

-एकनाथ शिंदे की संरक्षक मंत्रियों की नियुक्ति पर आपत्ति, बीजेपी को पसंद नहीं

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों के बाद पूर्व सीएम एकनाथ शिंदे की नाराजगी को बीजेपी अभी तक भूल नहीं पाई है। हाल ही में एकनाथ शिंदे ने राज्य के कुछ जिलों में संरक्षक मंत्रियों की नियुक्ति पर आपत्ति की थी। बीजेपी को उनकी यह दबाव की राजनीति पसंद नहीं आ रही है। महाराष्ट्र के सियासी हलकों में इन दिनों अटलकों के बाजार गर्म हैं। बीजेपी और उसकी पुरानी सहयोगी शिवसेना (यूबीटी) को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। सीएम देवेंद्र फडणवीस ने इसका खंडन किया है, लेकिन अब भी ऐसी चर्चाएं हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि बीजेपी शिंदे के दबाव को गैरजरूरी मान रही है। माना जा रहा है कि उन्हें नियंत्रण में रखने के लिए उद्धव ठाकरे से करीबियां बढ़ाई जा रही हैं।

महाराष्ट्र सरकार में मंत्री चंद्रकांत पाटिल ने एक शादी समारोह में उद्धव ठाकरे से कहा कि वह उस स्वर्णिम क्षण का इंतजार कर रहे हैं, जब दोनों पार्टियां फिर से साथ आएंगी। पाटिल ने यह बयान बीजेपी विधायक पराग अलावनी की बेटी की शादी में ठाकरे से मुलाकात के दौरान दिया था। उद्धव ठाकरे के निजी सहायक और एमएलसी मिलिंद नार्वेकर ने पाटिल से पूछा कि दोनों पार्टियां कब एक साथ आएंगी, तो पाटिल ने कहा कि मैं उस स्वर्णिम क्षण का इंतजार कर रहा हूं।

इस बयान के बाद शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने कहा कि पाटिल शुरुआत से ही शिवसेना-बीजेपी गठबंधन के समर्थक हैं। उनके विचार शिवसेना (यूबीटी) के कई नेताओं द्वारा साझा किए जाते हैं। हमने उनके साथ 25 साल तक अच्छा काम किया। हमने मोदी के साथ भी अच्छा काम किया, लेकिन अमित शाह के उदय के बाद गठबंधन में निराशा आ गई। सीएम देवेंद्र फडणवीस ने इस राजनीतिक हलचल को खारिज कर दिया और कहा कि पार्टियां शादी समारोहों में मिलकर न तो करीबी आती हैं और न ही गठबंधन बनाती हैं।

बता दें कि हाल के विधानसभा चुनावों में अपनी व्यापक जीत से उत्साहित बीजेपी अपने प्रभुत्व का विस्तार करने के लिए दृढ़ संकल्प है। इसके लिए वह सहयोगियों की कीमत चुकाने को भी तैयार है। इसके लिए भगवा पार्टी ने उपमुख्यमंत्री और शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे के क्षेत्र में अपना पहला कदम उठाने के संकेत दिए हैं। शिंदे ठाणे के संरक्षक मंत्री हैं, लेकिन बीजेपी के मंत्री गणेश नाइक भी ठाणे में जनता दरबार लगाएंगे। वह पड़ोस के पालघर जिले के संरक्षक मंत्री हैं। नाइक का यह कदम निस्संदेह एकनाथ शिंदे के गृह क्षेत्र में उनके अधिकार को चुनौती देने वाला है।

अफगानिस्तान के 2015 विश्व कप हीरो शापूर जादरान ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शापूर जादरान ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। लंबे कद के इस तेज गेंदबाज ने 2009 में पदार्पण करने के बाद से अफगानिस्तान के लिए 44 वनडे और 36 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में हिस्सा लिया। दोनों प्रारूपों में उन्होंने 80 विकेट चटकाए। अफगानिस्तान के लिए उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच 8 मार्च, 2020 को ग्रेटर नोएडा में आयरलैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में खेला था। अपने खेल के दिनों में जादरान एक आक्रामक मानसिकता वाले ठेठ तेज गेंदबाज थे और एक बार उन्होंने रावलपिंडी एक्सप्रेस शोएब अख्तर को अपना आदर्श भी बताया था। वह अंतरराष्ट्रीय मंच पर अफगानिस्तान के दबदबे में प्रमुख शख्सियतों में से एक के रूप में उभरे। वनडे विश्व कप 2015 के दौरान उन्हें नायक का दर्जा मिला। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने अभियान का अंत दस विकेट लेकर किया। उनके विकेटों की संख्या में आधुनिक समय के महान स्टीवन स्मिथ, डेविड वार्नर, केन विलियमसन, तिलकरत्ने दिलशान और महमूदुल्लाह शामिल है। 4/38 के आंकड़े के साथ, उन्होंने अफगानिस्तान को आईसीसी टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत हासिल करने में मदद की। जादरान ने अपने फेसबुक पोस्ट में लिखा, ₹आज वह दिन है जिसका मैं कभी सामना नहीं करना चाहता था, लेकिन यह आखिरकार हर खिलाड़ी के लिए आता है। 22 साल की सेवा, त्याग और क्रिकेट के प्रति प्यार के बाद, मैं आधिकारिक तौर पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा करता हूं। यह मेरे जीवन का सबसे कठिन निर्णय रहा है क्योंकि क्रिकेट मेरे लिए सिर्फ एक खेल से कहीं बढ़कर है, यह मेरा जुनून, मेरी पहचान और मेरा उद्देश्य रहा है।

भारतीय खिलाड़ियों से मैदान पर दोस्ताना व्यवहार ना करें पाकिस्तानी प्लेयर : पूर्व कप्तान

कराची (एजेंसी)। पूर्व कप्तान और मुख्य कोच मोईन खान ने पाकिस्तान के खिलाड़ियों से आग्रह किया है कि आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में 23 फरवरी को दुबई में होने वाले मैच में वे मैदान पर भारतीय खिलाड़ियों के साथ दोस्ताना व्यवहार नहीं करें। मोईन ने अभिनेता उशना शाह से एक पॉडकास्ट में कहा, 'जब मैं इन दिनों पाकिस्तान और भारत के मैच देखता हूं तो मुझे यह समझ नहीं आता है कि जैसे ही भारतीय खिलाड़ी क्रीज पर आते हैं, हमारे खिलाड़ी उनके बल्ले की जांच करते हैं, उन्हें थपथपाते हैं और दोस्ताना बातचीत करते हैं। भारत के खिलाफ कई मैच खेलने वाले मोईन ने कहा कि वह विपक्षी खिलाड़ियों के प्रति सम्मान रखने के खिलाफ नहीं हैं लेकिन उनके साथ जरूरत से ज्यादा मित्रता रखना सही नहीं है। उन्होंने कहा, 'हमारे सीनियर खिलाड़ी हमें बताया करते थे कि भारत के खिलाफ खेलते समय कोई शिकायत न करें और मैदान पर उनसे बात करने की भी जरूरत नहीं है। जब आप उनके साथ दोस्ताना व्यवहार करते हैं तो वे इसे आपकी कमजोरी मान लेते हैं।

मोईन ने कहा, 'आजकल भारत के खिलाफ खेलते समय हमारे खिलाड़ियों का व्यवहार मेरे लिए समझ से परे है। यहां तक ??कि मैदान के बाहर भी पेशेवर खिलाड़ी होने के कारण आपकी कुछ सीमाएं होनी चाहिए।

मुंबई इंडियंस का दायरा बढ़ा, द हंड्रेड में ओवल इनविंसिबल्स फ्रेंचाइजी खरीदी

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस फ्रेंचाइजी की मालिक रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने द हंड्रेड में ओवल इनविंसिबल्स फ्रेंचाइजी का स्वामित्व हासिल कर लिया है। उन्होंने 123 मिलियन पाऊंड की बोली लगाई जोकि उम्मीदों से काफी अधिक थी। सूत्र बताते हैं कि टीम का उद्यम मूल्य 123 मिलियन पाऊंड है, जिसमें 49 फीसदी हिस्सेदारी लगभग 61 मिलियन पाऊंड होने का अनुमान है। आरआईएल ने टीम हासिल करने के लिए कई प्रतिस्पर्धियों को पछाड़ दिया। ओवल इनविंसिबल्स बिक्री के लिए पहली टीम थी। शुक्रवार को ईसीबी 2 अन्य फ्रेंचाइजी - लॉर्ड्स में स्थित लंदन स्पिरिट और कार्डिफ में वेल्श फायर के लिए बोलियां लगेंगी। ओवल फ्रेंचाइजी पिछले 2 संस्करणों से पुरुष टूर्नामेंट जीत रही है और साल 2025 में खिताब की हैट्रिक लगा सकती है। ओवल इनविंसिबल्स के अधिग्रहण के साथ, रिलायंस इंडस्ट्रीज अब वैश्विक क्रिकेट लीग में छह टीमों का मालिक है। उनके पोर्टफोलियो में आईपीएल और डब्ल्यूपीएल दोनों में मुंबई इंडियंस, मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) में एमआई न्यूयॉर्क, एसए20 में एमआई केप टाउन और आईएलटी20 में एमआई अमीरात शामिल हैं।

मिशेल मार्श चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर, आईपीएल में भी खेलना संदिग्ध

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर मिशेल मार्श पीठ में तकलीफ के कारण अगले महीने होने वाली आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो गए हैं और उनका इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेलना भी संदिग्ध है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने एक बयान में मार्श की चोट के बारे में जानकारी दी।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने कहा कि उन्हें 19 फरवरी से शुरू होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर कर दिया गया है। कुछ अन्य रिपोर्टों के अनुसार मार्श का आईपीएल में भी खेलना संदिग्ध है। उन्हें आईपीएल में लखनऊ सुपर जॉइंट्स ने अपनी टीम में लिया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने कहा, 'मिशेल मार्श को पीठ के निचले हिस्से में दर्द के कारण आगामी आईसीसी पुरुष चैंपियन ट्रॉफी से बाहर कर दिया गया है। पिछले कुछ सप्ताह में

उनकी पीठ के निचले हिस्से में दर्द बढ़ गया था और उन्हें पूरी तरह फिट होने में अभी समय लगेगा। राष्ट्रीय चयन समिति उनके स्थान पर नए खिलाड़ी का चयन करने के लिए जल्द ही बैठक करेगी।

किसी भी टीम को आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए अपनी अंतिम टीम की घोषणा 12 फरवरी तक करनी होगी। टीम में मैट शॉर्ट और आरोन हार्डी के लिए आईसीसी इवेंट में पहली बार शामिल किए गए खिलाड़ी शामिल हैं, साथ ही तेज गेंदबाज नाथन एलिस को भी शामिल किया गया है। ये तीनों डेविड वार्नर (संन्यास ले चुके), कैमरून ग्रीन (पीठ की सर्जरी के कारण बाहर) और सीन एबॉट की जगह लेंगे। एलिस ने होबार्ट हरिकेंस के साथ एक प्रभावशाली बिग बैश लीग सीजन के बाद अपनी जगह बनाई। शॉर्ट और हार्डी, दोनों बहुमुखी ऑलराउंडर, टीम में गहराई जोड़ते हैं। विश्वसनीय तेज गेंदबाज एलिस व्हाइट-बॉल क्रिकेट में ओपनिंग और डेथ-ओवर दोनों की जिम्मेदारी संभाल सकता है। नवंबर 2023 में वार्नर के संन्यास लेने के बाद से शॉर्ट ऑस्ट्रेलिया की वनडे टीम में लगातार मौजूद रहे हैं। हार्डी ने भी 50 ओवर के प्रारूप में 11 मैचों में योगदान दिया है।

ऑस्ट्रेलिया 22 फरवरी को लाहौर में अपने चिर प्रतिद्वंद्वी इंग्लैंड के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा, इसके बाद 25 फरवरी को रावलपिंडी में दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगा और 28 फरवरी को लाहौर में अफगानिस्तान के खिलाफ अपना अंतिम ग्रुप-स्टेज मैच खेलेगा। ऑस्ट्रेलिया का लक्ष्य अपने 15 साल के चैंपियंस ट्रॉफी के सूखे को खत्म करना होगा। इससे पहले उसने 2006 और 2009 में खिताब जीता था।

ऑस्ट्रेलिया की प्रारंभिक टीम

पैट कमिंस (कप्तान), एलेक्स कैरी, नाथन एलिस, आरोन हार्डी, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, मार्नस लाबुशेन, ग्लेन मैक्सवेल, मैट शॉर्ट, स्टीव स्मिथ, मिशेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, एडम जम्पा (टीम अभी तय नहीं हुई है)।

मात्र छह रन पर बोल्ड हुए कोहली

स्टार बल्लेबाज के पवेलियन लौटते ही स्टेडियम में छाया सन्नाटा

राजकोट (एजेंसी)। शुक्रवार को अरुण जेटली स्टेडियम में रेलवे के खिलाफ लीग चरण के मैच के दूसरे दिन विराट कोहली की रणजी ट्रॉफी में वापसी पर सिर्फ 15 गेंदें ही खेल पाए। घरेलू दर्शकों की तालियों की गड़गड़ाहट के बीच कोहली की शुरुआत अच्छी नहीं रही और रेलवे के तेज गेंदबाज हिमांशु सांगवान ने उनका ऑफ स्टंप गिरा दिया।

अच्छी लेंथ की फुलर साइड पर आने वाली गेंद पर आगे बढ़ते हुए कोहली ने लाइन के पार एक असामान्य स्वाइप करने का प्रयास किया लेकिन कोहली नाकाम रहे और गेंद ऑफ स्टंप पर जा लगी। कोहली ने एक चौके की मदद से मात्र 6 रन ही बनाए। कोहली को पहले दोनों छोर पर ऑफ स्टंप के बाहर की गेंदों पर तेज गेंदबाजों ने परेशान किया था, हाल ही में ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान उनके आउट होने का एक पैटर्न देखने को मिला था।

कोहली के विकेट ने एक छोटी सी गिरावट की शुरुआत की, क्योंकि दिल्ली ने अपने अगले ओवर में सलामी बल्लेबाज सनत सांगवान को हिमांशु के हाथों खो दिया। 30 ओवर की समाप्ति पर दिल्ली ने चार विकेट पर 103 रन बनाए और रेलवे के पहली पारी के स्कोर से 141 रन पीछे थी।

स्टेडियम में सन्नाटा छाया– कोहली की निराशाजनक पारी के बाद स्टेडियम में सन्नाटा

छा गया और दर्शकों का एक बड़ा हिस्सा तितर-बितर हो गया, साथ ही पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली पवेलियन में डगआउट में वापस चले गए। गेट नंबर 16 और 17 पर सुबह 6ः30 बजे से ही भारी भीड़ जमा होने लगी थी, जबकि उन्हें आम जनता के लिए खोले जाने से दो घंटे पहले ही गेट नंबर 16 और 17 पर भारी भीड़ जमा हो गई थी।

कोहली का रणजी में सफर – नवंबर 2012 के बाद से कोहली का दिल्ली की जर्सी में यह पहला रणजी मैच है। कोहली ने 2012-13 रणजी ट्रॉफी में गाजियाबाद में एकमात्र मैच खेला था, जो उनके गृहनगर से ज्यादा दूर नहीं है। दिल्ली की ओर से खेलने के बाद कोहली ने गाजियाबाद के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में उत्तर प्रदेश का सामना किया जिसमें उन्होंने दो पारियों में 14 और 43 रन बनाए, जिसमें उनकी टीम छह विकेट से हार गई। नवंबर 2006 में तमिलनाडु के खिलाफ अपने डेब्यू के बाद से कोहली प्रीमियर रेड-बॉल टूर्नामेंट में 23 मैचों में नजर आ चुके हैं। कोहली अपने डेब्यू मैच में केवल एक पारी में 10 रन बनाकर आउट हो गए, लेकिन छह साल में अपने अगले 22 मैचों में उन्होंने पांच शतक और इतने ही अर्धशतक बनाए। कोहली ने 36 पारियों में 50.77 की औसत से 1574 रन बनाए हैं।

नर्मदा ने 10 मीटर एयर राइफल में जीता गोल्ड, राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी तोड़ा

देहरादून (एजेंसी)। विश्व कप की पूर्व विजेता नर्मदा नितिन राजू ने यहां 38वें राष्ट्रीय खेलों में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने के दौरान एशियाई खेलों की पदक विजेता रमिता जिंदल और ओलंपियन इलावेनिल वालारिवन सहित कई मजबूत निशानेबाजों को मात देते हुए राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया और विश्व रिकॉर्ड की बराबरी करने से महज एक अंक के दशमलव से आगे के हिस्से से चूक गईं। तमिलनाडु का प्रतिनिधित्व कर रहीं नर्मदा ने 8 निशानेबाजों के फाइनल में 254.4 के स्कोर के साथ पोडियम में शीर्ष स्थान हासिल किया तथा महाराष्ट्र की आर्या बोरसे (252.5) ??और रमिता (230.4) को पछाड़ा। इस प्रक्रिया में उन्होंने ओलंपियन अपूर्वी चंदेला के नयी दिल्ली में 2019 विश्व कप में बनाए गए 252.9 के राष्ट्रीय रिकॉर्ड को तोड़ दिया। इस स्पर्धा का विश्व रिकॉर्ड 254.5 अंक का है जो पिछले साल नयी दिल्ली में आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल में चीन की हुआंग युटिंग ने बनाया था। नर्मदा ने 2023 काहिरा विश्व कप में रुद्राक्ष पाटिल के साथ मिलकर 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था और इसी साल भोपाल में विश्व कप में कांस्य पदक जीता था। इसके बाद से यह 23 वर्षीय निशानेबाज की इस स्पर्धा में यह तीसरी सबसे बड़ी उपलब्धि है। नर्मदा बुधवार को क्वालीफिकेशन दौर में तीसरे स्थान पर रही थीं। आत्मविश्वास से भरी इस निशानेबाज ने फाइनल में अपने अधिक प्रतिष्ठित प्रतिद्वंद्वियों पर दबदबा बनाने के लिए शानदार स्कोर बनाए।

अंडर-19 टी20 विश्व कप

दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर फाइनल में जगह बनाई

क्वालालंपुर (एजेंसी)। एश्ले वैन विक (चार विकेट) के बाद जेम्मा बोथा (37), और कप्तान कायला रेनेके (26) की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने शुक्रवार को महिला अंडर-19 टी-20 विश्वकप के सेमीफाइनल मुकाबले

में ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराकर टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली हैं।

ऑस्ट्रेलिया के 105 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने अपने दो विकेट जल्द ही गवां दिए। हालांकि इस दौरान सलामी बल्लेबाज जेम्मा बोथा एक छोर थामे तेजी से रन बनाती रही। उन्होंने 24 गेंदों में पांच चौके और दो छक्के लगाते हुए (37) रनों की आतिशी पारी खेली। कप्तान कायला रेनेके ने 26 गेंदों में तीन चौकों की मदद से (26) रन बनाए। करबो मेसो (19) रन बनाकर आउट हुई।

दक्षिण अफ्रीका ने 18.1 ओवर में पांच विकेट पर 106 रन बनाकर मुकाबला पांच विकेट से जीतकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से हसरत गिल और लूसी हैमिल्टन ने दो-दो विकेट लिये। क्लो एंसवर्थ ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां ऑस्ट्रेलिया की अंडर-19 महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया।

बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने 12 के स्कोर पर अपने दो विकेट गवां दिए। इसके बाद कप्तान लूसी हैमिल्टन और काओइमहे ब्रे ने पारी को संभालने का प्रयास किया। तीसरे विकेट के रूप में लूसी हैमिल्टन (18) रन बनाकर आउट हुई।

काओइमहे ब्रे (36) रन बनाकर आउट हुई। एला ब्रिस्को ने 17 गेंदों में चार चौके लगाते हुए (नाबाद 27) रनों की पारी खेली। दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजी आक्रमण के आगे ऑस्ट्रेलिया निर्धारित 20 ओवरों में आठ विकेट पर 105 रन का स्कोर बनाया।

एसए 20 में पहली बार चला दिनेश कार्तिक का बल्ला, ठोका तूफानी अर्धशतक

नईदिल्ली (एजेंसी)। आखिरकार साऊथ अफ्रीका की प्रतिष्ठित टी20 लीग में भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक का बल्ला चल गया। सीजन का नौवां मुकाबला खेल रहे दिनेश कार्तिक के बल्ले से आखिरकार तेजतर्रार अर्धशतक निकला। दिनेश की यह पारी तब सामने आई जब उनकी टीम पर्ल रॉयल्स ने महज 40 रन पर ही 4 विकेट गंवा दिए थे। कार्तिक ने एक छोर संभाला और ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की। उन्होंने 39 गेंदों पर चार चौके और 3 छक्कों की मदद से 53 रन बनाए। कार्तिक ऐसे पहले बल्लेबाज हैं जिन्होंने रिटायरमेंट के बाद ₹ 20 में अपनी पारी शुरू की है। उन्होंने सनराइजर्स ईस्टर्न केप के खिलाफ डैब्यू किया था लेकिन तब उन्हें बल्लेबाजी नहीं मिल पाई। इसके बाद उन्होंने 2, 10, 2, 9, 21 और अब 53 रन बनाए हैं।

खास बात यह है कि कार्तिक जिस पर्ल रॉयल्स टीम के साथ जुड़े हैं वह एसए20 में पहले नंबर पर चल रही है। टीम ने अब तक खेले गए 8 मुकाबलों में से 7 में जीत हासिल की है। टीम को एमआई केपटाऊन के खिलाफ दूसरे ही मैच में हार मिली थी लेकिन इसके बाद वह लगातार मुकाबले जीतती आ रही है। फिलहाल रॉयल्स की जो स्थिति है वो आगे के राऊंड के लिए क्वालिफाई कर चुकी है। उनके साथ एमआई केपटाऊन भी क्वालिफाई कर चुकी है। एमआई केपटाऊन की क्वालिफिकेशन खास है क्योंकि टूर्नामेंट के पहले दो सीजन में वह लगातार आखिरी स्थान पर रही थी।

बहरहाल, जॉबर्ग सुपर किंग्स के खिलाफ मैच की बात करें तो पर्ल रॉयल्स की शुरूआत खराब रही थी। सैम हेन 2, वेन 5 तो कीथ 1 रन बनाकर आऊट हो गए। रॉबिन ने 26 गेंदों पर 28 तो लुआन ने 19 रन बनाए। स्कोर जब 40 रन पर 4 विकेट था तो क्रीज पर दिनेश कार्तिक आए। उन्होंने 39 गेंदों पर 4 चौके और 3 छक्कों की मदद से 53 रन बनाए और स्कोर 150 तक पहुंचा दिया। जॉबर्ग सुपर किंग्स की ओर से फरेरा और सिम्पाला ने 3-3 विकेट लिए। जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी जॉबर्ग सुपर किंग्स ने डेवोन कॉनवे और कप्तान फाफ डु प्लेसिस की बदौलत जोरदार शुरूआत की। पर्ल के गेंदबाज प्रभावहीन रहे जिससे उनके सिर पर पहले से हार का खतरा मंडराने लगा।

दोनों टीमों की प्लेइंग 11

पार्ल रॉयल्स – सैम हैन, लुआन-ड्रे प्रीटोरियस, रुबिन हरमन, मिशेल वान बुरेन, दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), कीथ डडगिन, ब्योर्न फोर्टुइन (कप्तान), दयान गैलीम, मुजीब उर रहमान, क्रेना मफाका, लुंगी एनगिडी

जोबर्ग सुपर किंग्स – डेवोन कॉनवे, फाफ डु प्लेसिस (कप्तान), ल्यूस डु प्लॉय, विहान लुब्बे, जॉनी बेयरस्टो (डब्ल्यू), डोनोवन फरेरा, इवान जोन्स, हार्डस विलोजेन, इमरान ताहिर, लूथो सिपामला, मथीशा पथिराना

चेस:विश्व चैंपियन गुकेश ने वारमेरडम को 34 चालों में हराया

2800 रेटिंग के करीब, प्रज्ञानंद भी जीते

नई दिल्ली, एजेंसी। विज्क आन जीगुकेश और वारमेरडम के बीच एक समय मुकाबला बराबरी का चल रहा था, लेकिन सिसिलियन के इस मुकाबले में गुकेश ने दो पॉन पर विजय पाकर वारमेरडम को बाजी छोड़ने के लिए मजबूर कर दिया।

विश्व चैंपियन डी गुकेश की शानदार फॉर्म का क्रम जारी है। उन्होंने टाटा स्टील शतरंज टूर्नामेंट में लगातार दूसरी जीत दर्ज करते हुए अपने शीर्ष स्थान कायम रखा है। गुकेश ने दसवें दौर में काले मोहरों से खेलते हुए नीदरलैंड के ग्रैंडमास्टर मैक्स वारमेरडम को 34 चालों में हरा दिया। उनके 7.5 अंक हो गए हैं और टूर्नामेंट में तीन दौर शेष हैं। इस जीत के साथ देश के नंबर एक खिलाड़ी गुकेश 2800 की रेटिंग के करीब पहुंच गए हैं। उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तारोव (7) ने सर्बिया के एलेक्सी सराना (5) को हराकर अपना दूसरा स्थान कायम रखा है। वहीं, आर प्रज्ञानंद ने व्लादीमीर फेदोसीव को हराकर तीसरे स्थान पर जगह बना ली। उनके 6.5 अंक हैं।

हरिकृष्णा ने कारुआना से ड्रॉ खेला – गुकेश और वारमेरडम के बीच एक समय मुकाबला बराबरी का चल रहा था, लेकिन सिसिलियन के इस मुकाबले में गुकेश ने दो पॉन पर विजय पाकर वारमेरडम को बाजी छोड़ने के लिए मजबूर कर दिया।

अंडर-19 वर्ल्ड कप:

इंग्लैंड को नौ विकेट से हरा भारत ने फाइनल में बनाई जगह

लगातार दूसरा खिताब जीतने का मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला टीम ने लगातार दूसरी बार अंडर19 टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में जगह बनाई है। सेमीफाइनल मुकाबले में भारत ने इंग्लैंड को मात दी और अपनी जगह पक्की की। निकी प्रसाद की कप्तानी वाली भारतीय टीम अब तक टूर्नामेंट में अजेय है। पहले मैच में मेजबान मलेशिया को दस विकेट से हराने के बाद भारत ने श्रीलंका को 60 रन से और बांग्लादेश को आठ विकेट से हराया।

भारत का सामना साउथ अफ्रीका से – वहीं सुपर सिक्स चरण में स्कॉटलैंड को 150 रन से मात दी। भारत ने सेमीफाइनल में भी यही क्रम जारी रखा। खिताब के लिए

उसका सामना साउथ अफ्रीका से होगा जिसने अन्य सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को मात दी।

इंग्लैंड ने बनाए थे 118 रन – इंग्लैंड की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 113 रन बनाए। भारतीय टीम ने यह लक्ष्य 15 ओवर में ही हासिल कर लिया। भारतीय टीम लगातार दूसरी बार फाइनल में पहुंची है। साल 2023 में पहली बार हुए इस टूर्नामेंट के फाइनल में भी भारत ने इंग्लैंड को ही हराकर खिताब अपने नाम किया था।

जी कामलिनी ने लगाया अर्धशतक – भारतीय टीम को जीत के लिए 114 रनों का लक्ष्य मिला था। जी कमालिनी और जी तृषा ओपनिंग करने उतरी। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 60 रन की साझेदारी हुई। तृषा 29 गेंदों में 35 रन बनाकर आउट हुई। उन्होंने अपनी पारी में पांच चौके लगाए। भारत ने इसके बाद कोई विकेट नहीं खोया। कामलिनी और सानिका चलके ने टीम को 15 ओवर में ही जीत तक पहुंचा दिया। कामलिनी ने 50 गेंदों में 56 रन बनाए। उनकी पारी में 8 चौके शामिल थे। वहीं सानिका ने 12 गेंदों में 11 रन बनाए। उनकी पारी में एक ही चौका लगा।

वॉलमार्ड की प्रमोटर वॉल्टन परिवार है दुनिया का सबसे अमीर परिवार

- रईसी में अंबानी से भी आगे हैं वॉलमार्ट परिवार के तीन भाई-बहन

नई दिल्ली ।

राजस्व के हिसाब से दुनिया की प्रमुख कंपनी वॉलमार्ट की प्रमोटर वॉल्टन परिवार को विश्व के सबसे रईस पे रिवार में से एक माना जाता है। इस परिवार के तीन लोग दुनिया के अमीरों की सूची में 11वें, 12वें और 13वें स्थान पर हैं। साथ ही इस परिवार के दो और सदस्यों को भी अमीरों की सूची में जगह उपलब्ध है। इन पांचों की कंबाइंड नेटवर्थ 414.1 अरब डॉलर है जो दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क (421 अरब डॉलर) से कुछ ही कम है। वॉलमार्ट में वॉल्टन परिवार की 47 फीसदी हिस्सेदारी है। वॉलमार्ट की स्थापना साल 1962 में सैम वॉल्टन ने की थी। आज यह दुनिया की सबसे बड़ी एम्प्लॉयर है। इसमें 21 लाख से ज्यादा कर्मचारी काम करते हैं जो कई देशों की आबादी से ज्यादा है। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक सैम वॉल्टन के बेटे जिम वॉल्टन 120 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 11वें नंबर पर हैं। उनके भाई रॉब वॉल्टन 117 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ 12वें और बहन एलिस वॉल्टन 117 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ 13वें नंबर पर हैं।

एलिस वॉल्टन दुनिया की सबसे अमीर महिला हैं। सैम वॉल्टन के एक बेटे जॉन वॉल्टन की मौत हो चुकी है। उनके पुत्र लुकास वॉल्टन की नेटवर्थ 41.3 अरब डॉलर है और वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 37वें नंबर पर हैं। जॉन वॉल्टन की विधवा क्रिस्टी वॉल्टन की नेटवर्थ 18.8 अरब डॉलर के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 116वें नंबर पर हैं। जॉन वॉल्टन की 2005 में एक हवाई हादसे में मौत हो गई थी। इससे क्रिस्टी वॉल्टन को वॉलमार्ट में करीब दो फीसदी हिस्सेदारी मिली थी। वॉलमार्ट के दुनिया के 19 देशों में 10,500 से अधिक स्टोर हैं।

कई शहरों में शुरु हुई जोमैटो की 15 मिनट में फूड डिलीवरी सर्विस

- सेवा ग्राहकों के स्थान से लगभग 2 किलोमीटर के दायरे में स्थित रेस्टोरेंट्स से उपलब्ध

नई दिल्ली ।

फूड डिलीवरी कंपनी जोमैटो की 15 मिनट में फूड डिलीवरी सर्विस क्विक अब कई शहरों में लाइव हो गई है। जोमैटो ऐप के होम स्क्रीन पर उपलब्ध क्विक 10 मिनट डिलीवरी' से ग्राहक फास्ट फूड और पहले से पके हुए इंस्टेंट मील्स जैसे स्नैक्स, डेसर्ट, बेवरेज आदि 15 मिनट के भीतर मंगा सकते हैं। यह सेवा ग्राहकों के स्थान से लगभग 2 किलोमीटर के दायरे में स्थित रेस्टोरेंट्स और क्लाउड किचन से उपलब्ध है। यह सर्विस फिलहाल दिल्ली एनसीआर, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, इंदौर, चेन्नई, पुणे, लखनऊ, अहमदाबाद आदि के चुनिंदा स्थानों पर ग्राहकों के लिए उपलब्ध है। फाइनेंशियल एक्सप्रेस के क्विक लॉन्च पर पूछे गए सवाल के जवाब में कंपनी ने कहा कि हमारी हाल ही में शुरू की गई क्विक डिलीवरी फीचर के लिए हम जोमेटो पर लिस्टेड रेस्टोरेंट को 15 मिनट के अंदर डिलीवरी की पेशकश करने में सक्षम बना रहे हैं। इसके लिए हम उनके मेनू आइटम को क्यूरेट कर रहे हैं और एक डेडिकेटेड डिलीवरी फ्लीट प्रदान कर रहे हैं। यह सुविधा फिलहाल चुनिंदा स्थानों पर लाइव है और समय के साथ इसे बढ़ाया जाएगा। कंपनी पहले से ही एवरीडे सर्विस संचालित करती है, जिसे 2023 में लॉन्च किया गया था और यह लगभग 20 मिनट में घर जैसा खाना डिलीवर करती है। इसे कंपनी ने 2022 में 'इंस्टेंट नाम से 10 मिनट में खाना डिलीवरी की सर्विस बंद करने के बाद शुरू किया था।

स्विगी अपने ऐप में बोल्ट फीचर और एक अलग ऐप स्नेक, जेप्टो का जेप्टो कैफे और स्विस और ब्लिंकिट आदि भी 10 मिनट में फूड डिलीवरी सर्विस दे रहे हैं। डिलीवरी का समय रेस्टोरेंट और डार्क किचन की संख्या पर निर्भर करता है ताकि ग्राहकों तक ऑर्डर पहुंचाने और खाना तैयार करने में लगने वाले समय को कम किया जा सके।

ईवी से जुड़ी भ्रांतियों को दूर कर रही टाटा ईवी

नई दिल्ली ।

टाटा ईवी, ईवी से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने का प्रयास कर रही है। ईवी से जुड़ी एक आम भ्रांति यह है कि उनकी रेंज सीमित होती है, लेकिन टाटा ईवी ने इस विचार को गलत साबित किया है। नैक्सान ईवी 45 और क्रूव ईवी जैसे प्रोडक्ट्स ने रेंज की समस्या का समाधान किया है, जिनकी अराई द्वारा प्रमाणित रेंज 489-502 किमी है। ये वाहन फास्ट चार्जिंग को भी सपोर्ट करते हैं, जिससे महज 40 मिनट में बैटरी 10 से 80 प्रतिशत तक चार्ज हो जाती है। इसके अलावा, क्रूव ईवी 70 किलोवॉट प्लस चार्जर का उपयोग कर 15 मिनट में 150 किमी की रेंज जोड़ता है, जो इसे और भी आकर्षक बनाता है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि टाटा ईवीने ईवी की लागत को प्रतिस्पर्धी बनाया है। अब क्रूव ईवी और नैक्सान ईवी की कीमत आईसीई वाहनों के बराबर हो गई है, और इनमें अधिक फीचर्स और सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। इसके अलावा, ईवी का रखरखाव पारंपरिक वाहनों से कम खर्चीला होता है, जिससे पांच साल में रुपए 4.2 लाख तक की बचत होती है। टाटा ईवी ने सुरक्षा के मामले में भी नए मानक स्थापित किए हैं। पंच ईवी, नैक्सान ईवी और क्रूव ईवी सभी ने बीएनसीएपी से 5-स्टार सेफ्टी रेटिंग प्राप्त की है। इन वाहनों में छह एयरबैग, आईपी 67-रेटेड मोटर और एडवांस लेवल-2 एडीएएस टेक्नोलॉजी जैसी सुविधाएं हैं, जो ड्राइवर और यात्रियों की सुरक्षा को सुनिश्चित करती हैं। इसके साथ ही, कंपनी ने भारत भर में छह ईवी-एक्सक्लूसिव स्टोर और तीन डेडिकेटेड सर्विस सेंटर लॉन्च किए हैं, ताकि ग्राहकों को एक समर्पित वन-स्टॉप सॉल्यूशन मिल सके। टाटा ईवी का उद्देश्य ईवी को मुख्यधारा में लाना और इसके लिए आने वाली सभी बाधाओं को दूर करना है। कंपनी का मुख्य उद्देश्य लोगों के बीच इलेक्ट्रिक वाहनों को एक फ्यूचर-रेडी विकल्प के रूप में प्रस्तुत करना है और इस दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं।

मोतीलाल ओसवाल पर 7 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली ।

मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटी एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने स्टॉक ब्रोकर और डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट्स नियमों के उल्लंघन के लिए मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड पर 7 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। सेबी के आदेश के मुताबिक कंपनी को 45 दिन के भीतर जुर्माना भरने का निर्देश दिया गया है। सेबी ने शेयर ब्रोकर और डिपॉजिटरी भागीदार मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड का अप्रैल, 2021 से जून, 2022 तक की अवधि के लिए शेयर बाजारों और डिपॉजिटरी के साथ संयुक्त रूप से जांच की। इसके बाद सेबी 4 जुलाई 2024 को ब्रोकिंग फर्म को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।

सेबी के नोटिस में मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज पर जो मुख्य आरोप लगाए गए, उनमें गलत रिपोर्टिंग और मार्जिन की कम वसूली, कैश और कैश इक्विवेलेंट बैलेंस का गलत डेटा (57 मामलों में), सिक्योरिटीज बिजनेस के अलावा अन्य कार्यों में शामिल होना और मार्जिन ट्रेडिंग फंडिंग पर गलत रिपोर्टिंग शामिल हैं।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज ने नोटिस के जवाब में कहा कि कुछ उल्लंघन पूरी तरह से अनजाने में हुए और जानबूझकर की गई गलत रिपोर्टिंग नहीं थे। इसमें आगे कहा गया है कि कुछ टेक्निकल इश्यू भी थे, जिनके चलते उल्लंघन हुए और उन्हें पहले ही ठीक कर लिया गया है।

सीनियर सिटीजन्स को इंश्योरेंस प्रीमियम में राहत: आईआरडीएआई

नई दिल्ली ।

भारतीय इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी (आईआरडीएआई) ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण निर्देश जारी किया है, जिसमें सीनियर सिटीजन्स को हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम में बड़ी राहत प्रदान की गई है। इस निर्देश के अनुसार इंश्योरेंस कंपनियों को सीनियर सिटीजन पॉलिसीहोल्डर्स के लिए प्रीमियम में 10 फीसदी से अधिक की बढ़ोतरी करने पर रोक लगा दी गई है। आईआरडीएआई के इस नए निर्देश का मुख्य उद्देश्य सीनियर सिटीजन्स की सुरक्षा और उनके हेल्थ इंश्योरेंस को सस्ते और उचित बनाए रखना है। पिछले कुछ सालों में हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम में भारी बढ़ोतरी के कई मामले सामने आए थे, जिसके कारण सीनियर नागरिकों को अत्यधिक फिनांसियल बोझ झेलना पड़ रहा था। आईआरडीएआई ने इस समस्या का समाधान निकालने के लिए यह निर्देश जारी किया है। अब हेल्थ या जनरल इंश्योरेंस कंपनियों को प्रीमियम में 10 फीसदी से अधिक की बढ़ोतरी करने से पहले आईआरडीएआई के पूर्व अनुमोदन प्राप्त करना होगा। इसके लिए उन्हें एक औपचारिक आवेदन प्रस्तुत करना होगा और रेगुलेटरी उनके जस्टिफिकेशन को मूल्यांकन करेगा। सिर्फ उचित तथा आवश्यक माने गए बढ़ोतरी को ही मंजूरी दी जाएगी। इसके साथ ही, IRDAI ने विभिन्न उपाय भी किए हैं सीनियर सिटीजन की सुरक्षा में सुधार के लिए। विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए इंडिविजुअल हेल्थ इंश्योरेंस प्रोडक्ट को लेकर इंश्योरेंस कंपनियों को निर्देशित किया गया है, और उन्हें वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष ध्यान देने का आदेश दिया गया है। इसके अलावा, स्वास्थ्य बीमा कवरेज के लिए स्टैंडर्डाइज पैकेज पर भी बातचीत के निर्देश जारी किए गए हैं। आईआरडीएआई के इन कदमों से, सीनियर सिटीजन्स को हेल्थ इंश्योरेंस के लिए अधिक सुरक्षित और सस्ते विकल्प मिलेंगे, जिससे उन्हें फिनांसियल तनाव से बचाने में मदद मिलेगी।

इंडिया यामाहा मोटर ने अपने दो प्रमुख मॉडल की कीमत घटाई

नई दिल्ली । इंडिया यामाहा मोटर ने अपने प्रमुख मॉडल - आर3 और एमटी-03 की कीमत 1.10 लाख रुपये तक कम की है। कंपनी ने शुक्रवार को बताया कि नई कीमतें एक फरवरी, 2025 से प्रभावी होंगी। कंपनी ने बयान में कहा कि यामाहा आर3 की कीमत 3,59,900 रुपये और एमटी-03 की कीमत 3,49,900 रुपये (दिल्ली शोरूम) होगी। इंडिया यामाहा मोटर ने कहा कि प्रीमियम मोटरसाइकिलों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए यह कदम उठाया गया है। कंपनी ने कहा कि मूल्य बदलाव के साथ यामाहा ने किफायती प्रीमियम मोटरसाइकिलों की पेशकश करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है जो प्रदर्शन, डिजायन और नवाचार पर खरी उतरती हैं। इंडिया यामाहा मोटर ने कहा कि इस रणनीतिक कदम से भारत में प्रीमियम मोटरसाइकिल खंड में यामाहा की पकड़ और मजबूत होने तथा बाइक शौकीनों का एक बड़ा वर्ग आकर्षित होने की उम्मीद है।

सोना और चांदी की बढ़ी चमक

नई दिल्ली। बजट के एक दिन पहले आज सर्राफा बाजार में तेजी का रुख बना हुआ है। आज सोना 150 से 170 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। चांदी ने भी आज 2,200 रुपये प्रति किलोग्राम की छलांग लगाई है। कीमत में तेजी आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 83,180 रुपये से लेकर 83,030 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज 76,260 रुपये से लेकर 76,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी तेजी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु आज 98,600 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 83,180 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 76,260 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 83,030 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 76,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 83,080 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 76,160 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 83,030 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 76,110 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 83,030 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 76,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 83,180 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 76,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 83,080 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 76,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 83,180 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 76,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

सोलर ऊर्जा से जगमग होंगी महाराष्ट्र की सभी सरकारी इमारतें

- स्थानीय सरकारों को आदेश, 1157 सरकारी इमारतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने का निर्देश

मुंबई ।

पिछले कुछ वर्षों में सौर ऊर्जा का उपयोग बढ़ रहा है और इसके लिए सरकार विभिन्न योजनाएं चला रही है। इसी श्रृंखला में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना देशभर में अपनी पहचान बना चुकी है। महाराष्ट्र भी इस योजना में अहम भूमिका निभा रहा है और इसके तहत राज्य के 1157 सरकारी इमारतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने का कार्य शुरू किया गया है। अब तक लगे संयंत्रों से लोग बिजली के बिलों से मुक्ति पा रहे हैं। राज्य सरकार की ओर से जारी निर्देशों के अनुसार अब तक सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने की दिशा में कदम बढ़ाया जा रहा है। सभी सरकारी इमारतों को 15 दिसंबर 2025 से पहले सौर ऊर्जा से विद्युतीकरण करने का मानद लक्ष्य रखा गया है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एवं वित्त व नियोजन मंत्री ने इस मुद्दे पर समीक्षा बैठक में निर्देश दिया है कि अनजाने सरकारी इमारतों में भी सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने के लिए प्रयास किया जाए। यह योजना सिर्फ बिजली के बिलों को कम करने के लिए नहीं, बल्कि इससे पर्यावरण को बचाने में भी मदद मिलेगी। इस कदम से सौर ऊर्जा का उपयोग बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है जो आने वाले सालों में देश के लिए बड़ी सफलता साबित हो सकता है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

सेंसेक्स 740, निफ्टी 258 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आया है। आर्थिक सर्वेक्षण के कारण भी आज बाजार में उत्साह का माहौल रहा। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 740.76 अंक करीब 0.97 फीसदी बढ़कर 77,500.57 पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 258.90 अंक तकरीबन 1.11 फीसदी ऊपर आकर 23,508.40 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान कुल 2,635 शेयर हरे निशान में रहे जबकि 1,131 शेयर लाल निशान पर रहे 120 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ।

निफ्टी पर टाटा कंज्यूमर, ट्रेंट, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, नेस्ले इंडिया और एलएंडटी के शेयरों में तेजी रही जबकि भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फिनसर्व, अपोलो हॉस्पिटल्स और जेएसडब्ल्यू स्टील के शेयरों में गिरावट रही। आज कारोबार के दौरान सभी सेक्टोरल इंडेक्स लाभ के साथ ही हरे निशान में बंद हुए। कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, ऑयल एंड गैस, पावर, पीएसयू, रियल्टी और एफएमसीजी 2 फीसदी तक उछले जबकि कैपिटल गुड्स इंडेक्स लगभग 4 फीसदी ऊपर आया।

आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार, भारत की जीडीपी वृद्धि 2025-26 में 6.3-6.8 फीसदी रहने की संभावना है।

30 शेयरों वाले ब्लू-चिप पैक में, लार्सन एंड टुब्रो 4.31 फीसदी बढ़ा, क्योंकि इंफ्रास्ट्रक्चर और इंजीनियरिंग क्षेत्र की इस प्रमुख कंपनी ने दिसंबर तिमाही में अपने समेकित शुद्ध लाभ में 14 फीसही की वृद्धि दर्ज की, जो 3,359 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। नेस्ले 4.25 फीसदी बढ़ा क्योंकि एफएमसीजी प्रमुख ने 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त तिमाही में शुद्ध लाभ में 4.94 फीसदी की वृद्धि दर्ज की, जो 688.01 करोड़ रुपये रहा। अन्य प्रमुख बढ़त हासिल करने वाले शेयरों में इंडसइंड बैंक, टाइटन, टाटा मोटर्स, टाटा स्टील, आईटीसी और मारुति शामिल थे। वहीं आईटीसी होटल्स, भारती एयरटेल, बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर नीचे आये।

इस माह बीएसई बेंचमार्क सेंसेक्स 638.44 अंक या 0.81 फीसदी गिरा, जबकि निफ्टी 136.4 अंक या 0.57 फीसदी नीचे आया। शेयर बाजार के ऊंचे मूल्यांकन को लेकर सतर्कता बरतते हुए, आर्थिक समीक्षा में कहा गया कि अमेरिकी बाजारों में कोई भी गिरावट भारत पर असर डाल सकती है, जहां कोविड के बाद युवा निवेशकों की भागीदारी बढ़ी है।

पिछले कुछ वर्षों में, खुदरा भागीदारी, विशेष रूप से युवा निवेशकों की, शेयर बाजार में काफी बढ़ी है। निवेशकों की भागीदारी वित्त वर्ष 2020 में 4.9 करोड़ से बढ़कर 31 दिसंबर, 2024 तक 13.2 करोड़ हो गई। दूसरी ओर, जब निफ्टी 50 में 10 फीसदी से अधिक की गिरावट आई, तो 51 मामलों में से 13 में एसएंडपी 500 ने सकारात्मक रिटर्न दिया, जिसमें औसत रिटर्न -5.5 फीसदी रहा।

एशियाई बाजारों में, टोक्यो हरे निशान में बंद हुआ, जबकि सियोल में गिरावट देखी गई। शंघाई और हांगकांग के बाजार छुट्टी के कारण बंद रहे। जापान का निक्केई 0.13 फीसदी चढ़ा और टॉपिक्स इंडेक्स में 0.1 फीसदी की बढ़त रही।

नकली हीरों से ग्राहकों को बचाने के लिए सरकार ला रही है नीति

- सोने की तर्ज पर सर्टिफिकेट देने की कवायद

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने नकली हीरों की धोखाधड़ी से ग्राहकों को बचाने के लिए एक नई पॉलिसी लाने की तैयारी कर ली है। इस पॉलिसी को ठीक सोने की हॉलमार्क की तरह एक प्रमाणपत्र के रूप में लाया जा सकता है, जिसे हीरे खरीदते समय कंपनियां ग्राहकों को देने का सोच रही हैं। इस मुहिम के तहत दुनिया की अग्रणी हीरा कंपनी डी बीयर्स ग्रुप ने जेम एंड जूलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (जीजेईपीसी) के सहयोग से असली हीरे को बढ़ावा देने के लिए भारत में इंडियन नेचुरल डायमंड रिटेलर एलायंस (इंद्रा) के तहत गतिविधियां शुरू की हैं। डी बीयर्स के भारत में एक अे धिकारी ने इस पॉलिसी को स्वागत किया और इंद्रा के माध्यम से असली हीरे की पहचान के मामले में सुधार आ सकता है। वर्तमान में भारतीय आभूषण खुदरा क्षेत्र में असली हीरे की पहुंच केवल 10 फीसदी है, जिसे बढ़ाने के लिए इस प्रमोशन मामले को गंभीरता से लेने की जरूरत है। जीजेईपीसी के 10,500 सदस्य इस पहल में नामांकन कर सकेंगे, जिससे भारतीय रत्न और आभूषण बाजार में असली हीरे की मांग और पहचान में सुधार सके। इस समय बाजार का मूल्य 85 अरब डॉलर है, और 2030 तक यह 130 अरब डॉलर तक पहुँचने की संभावना है।

आर्थिक सर्वेक्षण और केंद्रीय बजट : सीनियर सिटीजन को मिल सकती है रेलवे टिकट में छूट

- केंद्रीय बजट में कैपिटल गेन टैक्स में हो सकता है बदलाव

नई दिल्ली ।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण शे निवार को देश का केंद्रीय बजट पेश करेंगी, जिससे पहले शुक्रवार को आर्थिक सर्वेक्षण संसद में प्रस्तुत किया जाएगा। यह सर्वेक्षण देश की अर्थव्यवस्था की स्थिति, विकास दर और प्रमुख आर्थिक चुनौतियों का विश्लेषण करने वाला महत्वपूर्ण दस्तावेज है, जिसका व्यापक असर देश के वित्तीय और नीतिगत फैसलों पर होता है। बजट से पहले विशेषज्ञों और जनता की नजरें कुछ अहम बदलावों पर हैं, जिनमें से एक है सीनियर सिटीज़न को रेलवे टिकट पर मिलने वाली छूट की बहाली। कोरोना महामारी के पहले तक 60 साल से ऊपर के पुरुषों को 40 फीसदी और महिलाओं को 50 फीसदी की छूट दी जाती थी। कोविड-19 के दौरान 2020 में इस छूट को बंद कर दिया गया था और महामारी के बाद भी यह सुविधा फिर से शुरू नहीं की गई। सीनियर सिटीज़न लंबे समय से इस छूट को फिर से बहाल करने की मांग कर रहे हैं, और उम्मीद जताई जा रही है कि इस बजट में सरकार इस सुविधा को फिर से लागू कर सकती है। इसके अलावा पिछले बजट में किए गए कैपिटल गेन टैक्स के नियमों में बदलाव ने कई निवेशकों को निराश किया था। कैपिटल गेन टैक्स उन प्रॉफिट्स पर लगता है जो किसी संपत्ति, शेयर या म्यूचुअल फंड्स की यूनिट्स को बेचने से होते हैं। इस प्रॉफिट पर जो टैक्स लगाया जाता है, उसे कैपिटल गेन टैक्स कहा जाता है, जो दो तरह का होता है - शॉर्ट टर्म और लॉन्ग टर्म।

पिछले बदलावों के बाद निवेशकों ने इन नियमों में सुधार की उम्मीद जताई है। इस बजट में एक बार फिर इन नियमों में बदलाव की संभावना जताई जा रही है ताकि निवेशकों को राहत मिल सके।

यूपीआई ने बदले नियम, 1 फरवरी से ब्लॉक हो सकता है ट्रांजेक्शन

नई दिल्ली ।

ई-रिक्शा से लेकर मेट्रो ट्रेन और सब्जी की दुकानों तक पेमेंट के लिए अब यूपीआई प्रमुख विकल्प बन गया है। यूपीआई ने डिजिटल ट्रांजेक्शन को आसान और सुरक्षित बनाने के लिए नियमों में एक बड़ा बदलाव किया है। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) 1 फरवरी से ऐसे ट्रांजेक्शन को ब्लॉक करने जा रही है जो यूपीआई आईडी में स्पेशल कैरेक्टर का इस्तेमाल करते हैं। एनपीसीआई ने इसके बारे में सर्कुलर जारी करके जानकारी दी है कि 1 फरवरी से स्पेशल कैरेक्टर्स से बनी आईडी वाले ट्रांजेक्शन एक्सेप्ट नहीं किए जाएंगे। यूजर्स केवल अल्फान्यूमेरिक कैरेक्टर्स से बनी आईडी के माध्यम से ही पेमेंट कर सकते हैं। यदि आप भी किसी ऐसे यूपीआई ऐप का उपयोग कर रहे हैं, जो ट्रांजेक्शन आईडी में स्पेशल कैरेक्टर्स का उपयोग करता है, तो ट्रांजेक्शन को सेंट्रल सिस्टम द्वारा रिजेक्ट कर दिया जाएगा। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम यूपीआई ट्रांजेक्शन आईडी जनरेशन प्रक्रिया को मानकीकृत करना चाहता है और इसी कारण सभी पेमेंट इकोसिस्टम प्लेयर्स से केवल 'अल्फान्यूमेरिक' कैरेक्टर्स का उपयोग करने की अपील की है। वहीं दूसरी ट्रांजेक्शन आईडी मान्य है क्योंकि इसमें केवल अक्षर और संख्याएं शामिल हैं।

लोढ़ा भाइयों के ट्रेडमार्क विवाद को मध्यस्थता की सुनवाई देने का आदेश

मुंबई । मुंबई उच्च न्यायालय ने 31 जनवरी को व्यवसायी भाइयों अभिषेक लोढ़ा और अभिनंदन लोढ़ा के बीच चल रहे लोढ़ा ट्रेडमार्क के विवाद को सुलझाने के लिए मध्यस्थता की सुनवाई की तारीख निर्धारित की। न्यायमूर्ति आरिफ डॉक्टर की एकल पीठ से जाने गए एक बयान में भाइयों ने मध्यस्थता के लिए सहमति जताई और विवाद का समाधान करने के लिए तैयारी की। विवाद के बीच अभिषेक के द्वारा प्रवर्तित मैक्रोटेक डेवलपर्स लिमिटेड ने अभिनंदन की रियल एस्टेट कंपनी 'द हाउस ऑफ अभिनंदन लोढ़ा' के खिलाफ मुकदमा दायर किया था। कंपनी ने अपने ट्रेडमार्क लोढ़ा की सुरक्षा के लिए सुनिश्चित करने के लिए उच्च न्यायालय में यह कदम उठाया था। अदालत ने निर्धारित किया है कि पहले भाइयों के बीच मध्यस्थता होगी और यदि आवश्यक हो तो बाद में अन्य संबंधित पक्षों को भी शामिल किया जाएगा। इसके अलावा मैक्रोटेक डेवलपर्स ने अपने अंतरिम आवेदन में दावा किया कि वे लोढ़ा समूह की प्रमुख कंपनी हैं और उनका ट्रेडमार्क को उल्लंघित करने वालों के खिलाफ स्थायी निषेधाज्ञा मांगी है। इस मध्यस्थता की प्रक्रिया के दौरान आगे की कार्रवाई सप्ताहों में सम्पन्न करने की कोशिश की जाएगी, कम से कम 21 मार्च तक आन्तरिम राहत के लिए मामले को सूचित किया गया है।

रांची विवि टीआरएल संकाय : नागपुरी बिभागाध्यछ डॉ सविता केशरी सेवानिवृत्त, देयल गेलक विदाई

□ होलयं भावुक, कहलयं-ई सेवानिवृत्त जरूर होय हयं, मुदा सेवा कर दायित्व से नई

बीरेन्द्र कुमार महतो

रांची : जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा संकाय, रांची विश्वविद्यालय कर स्नातकोत्तर नागपुरी बिभाग में पदस्थापित बिभागाध्यछ डॉ सविता केशरी कर सेवनिवृत्ति उपरांत बिभागीय परिसर में बिदाई सह सम्मान समारोह कर आयोजन करल गेलक ।

टीआरएल परिवार उनकर काम के हमेसा याइद राखी । उनकर कुसल कार्जछमता आउर उत्कृस्ट जोगदान हमिन ले प्रेरना स्त्रोत आहे । ई सेवानिवृत्त जरूर होय हयं, मुदा सेवा कर दायित्व से नई । इनकर मार्गदरसन कर हमिन के हमेसा अपेछा रही । ई बात टीआरएल कर पूर्ब बिभागाध्यछ आउर झारखंड ओपन यूनिवर्सिटी कर कुलपति प्रो (डॉ) त्रिवेणी नाथ साहु सुकरवार के टीआरएल संकाय में आयोजित सेवानिवृत्त नागपुरी बिभाग कर बिभागाध्यछ कर बिदाई समारोह के संबोधित करेक बेरा कहलयं ।

सेवानिवृत प्राध्यापक डॉ सविता केशरी आपन संबोधन में भावुक होए गेलयं, कहलयं सेवानिवृत्त जरूर होए ही मकिल सेवा कर दायित्व से नई, मोयं हमेसा छउवामन कर अभिभावक से उनके छउवामन के आगे कर पढ़ाई ले प्रेरना देते रहब । मोर दूरा हमेसा मोर छात्रमन ले खुला रही । जब भी केऊ मदइत महसूस करयं, निःसंकोच मोयं उनकर ले उपलब्ध रहबू ।

टीआरएल संकाय कर पूर्ब समन्वयक डॉ हरि उराँव कहलयं कि डॉ सविता केशरी आपन कार्जकाल में जे लखे बेहतर परदरसन करलयंम ऊ हमेसा अनुकरनीय हेके ।

बिसय प्रवेस आउर संचालन करते पूर्ब बिभागाध्यछ डॉ उमेश नन्द तिवारी डॉ सविता केशरी कर संगे बिताल पल के साझा करते कहलयं कि दीदी कर जोगदान, स्नेह आउर एगो अभिभावक कर रूप में जे मार्गदरसन मिइल हे ऊ हमेसा याइद करल जाई ।

ई अवसर में टीआरएल संकाय कर सिछक सिछिका उनके भावभीनी बिदाई देलयं । सउब उनके पुष्पमाला पिन्धाय के, प्रतीक चिन्ह आउर साल ओढ़ाय के उनकर सेवाकाल कर चर्चा करलयं । सेवानिवृत्त होवल प्राध्यापक के सम्मानित भी करल गेलक ।

आयोजित समारोह के ढेइरे बक्तामन संबोधित करते सेवानिवृत्त प्राध्यापक कर बिभाग में सिछा कर प्रति ईमानदारी पूर्बक करल काम, मधुर स्वभाव आउर कर्तब्य निसठा कर चरचा करलयं । हुवें कहलयं कि सेवा में आवेक वाला कर सेवानिवृत्त होवेक एगो परंपरा आहे । जेकर हर केऊ के पालन करेक हय । इनकर सिछक आउर छात्रमन से हमेसा मधुर संबंध बनल रहे । आइज इनकर टीआरएल से जायेक हमिन सउब ले काफी दुखदायी हेके । सउब उनकर दीर्घायु आउर स्वस्थ्य जिनगी कर कामना करलयं । हुवें ढेइरेझन कहलयं कि ई मौका में एतई भीड़ उनकर सोवाभाव आउर कर्तब्य निसठा कर एगो उपहार आहे ।

ई मौका में मेजर डॉ महेश्वर सारंगी, डॉ वृन्दावन महतो, मनय मुण्डा, डॉ गीता कुमारी सिहं, डॉ कुमारी शशि, डॉ खलिक अहमद, डॉ बीरेन्द्र कुमार महतो, डॉ रीझू नायक, डॉ बीरेन्द्र कुमार सोय , तारकेश्वर सिहं मुण्डा, डॉ किशोर सुरिन, करम सिंह मुण्डा, डॉ अर्चना कुमारी, प्रेम मुर्मू, राजकुमार बास्की, सुजाता टेटे, शकुन्तला बेसरा, राज कुमार बास्की, डॉ बीरेन्द्र कुमार सोय, डॉ बन्दे खलखो, महामनी कुमारी, डॉ दमयन्ती सिंकु, डॉ सरस्वती गागराई, नरेन्द्र कुमार दास, अनुराधा मुण्डू, डॉ नकुल कुमार, जय प्रकाश उराँव, डॉ उपेन्द्र कुमार महतो, डॉ राम कुमार, आनन्द विजय, रवि कुमार, सोनू सपवार, अनुप गाड़ी, राजकुमार, प्रभा हेमरोम, बसंती मुण्डा, चन्दा देवी संगे ढेरे सिछक, सोधार्थी आउर छात्र-छात्रा उपस्थित रहयं ।

चट्टी बरियातु कोयला खनन परिजोजना बांटलक कंबल

हजारीबाग। एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड कर चट्टी बरियातु कोयला खनन परियोजना ठंडा के देखते परियोजना प्रभावित पेटो गांव में 650 गो गंवईयामन आउर जरूरतमंद के सुकरवार के कंबल कर बितरन करलयं। ई अभियान में कंबल कर बितरन पेटो गांव मे रहेक वाला परिवार के करल गेलक। परियोजना सुकरवार के निःसुल्क मेडिकल कैम्प कर आयोजन केरेडारी में करालक। हियां 147 गो गंवईयामन आपन चेकअप करालयं। ई कैंप मे गणवईयामन के फ्री बुखार, सर्दी आउर खांसी कर जांच उपलब्ध कराल गेलक।

जलदीये चट्टी बरियातु परियोजना कर द्वारा सउब ज़रूरत ग्रामीन अदमीमन कर बीच कंबल बांटल जाई। कंबल बितरन के लेइ के बिहाने से हे गाव में जरूरतमंदमन कर भीड़ लगे लाइग रहे। मेडिकल कैंप चट्टी बरियातु कोयला खनन परियोजना कर द्वारा खनन प्रभावित अदमीमन कर सुरछित सेहत ले समय-समय में आयोजित करल जायेला।

ई कंबल बितरण आउर निःसुल्क मेडिकल कैम्प कर काम चट्टी बरियातु कोयला खनन परियोजना कर द्वारा आपन निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व कर अंतर्गत करल जाय रहे। ई मौका में परिजोजना कर उप महाप्रबंधक बी नवीन कुमार उपस्थित होए के कार्जकरम के सफल बनालयं।

सीएसआईआर-रास्ट्रीय धातुकर्म प्रयोगसाला करलक रास्ट्रीय सम्मेलन

जमशेदपुर। सीएसआईआर-रास्ट्रीय धातुकर्म प्रयोगसाला कर 'संसाधन कर सतत उपजोग ले कोयला आउर खनिज लछन वर्नन में नवाचार' में रास्ट्रीय सम्मेलन 31 जनवरी, 2025 के कोलकाता कर फेयरफील्ड बाय मैरियट, न्यू टाउन में संपन्न होलक। आईआईटी, जीएसआई, विश्वविद्यालय, सीएसआईआर, बीएआरसी, टाटा स्टील आदि संगे पूरा भारत में 30 गो प्रतिष्ठित संस्थान कर लगभग 100 गो प्रतिनिधिमन सम्मेलन में भाइग लेलयं। कोयला, अयस्क आउर खनिज कर सतत उपजोग उपरे आपन सोध निसकर्स के प्रस्तुत करलयं।

मेक इन इंडिया कार्जकरम कर भाग कर रूप में आयात प्रतिस्थापन कर रूप में प्रमानित संदर्भ सामग्री (सीआरएम) तैयार करेक उपरे भी चरचा करल गेलक। ई सम्मेलन प्रतिष्ठित सोधकर्तामन आउर वैज्ञानिक, पीएच.डी. करेक वाला सोध बिद्वान आउर उद्योग जगत कर प्रतिनिधि आउर कारमिकमन के बछर 2047 तक बिकाससील भारत कर लछ के प्राप्त करेक कर दिसा में आपन बिचार कर आदान-प्रदान करेक हेतु परदान करलयं।

समापन सत्र कर संचालन श्रीमती मोनिका साहू करलयं। सउब प्रतिनिधिमन सम्मेलन कर सफल आयोजन ले सीएसआईआर-एनएमएल कर निदेसक डॉ. संदीप घोष चौधरी आउर आईसीएमसीएस 2025 कर अध्यछ संचिता चक्रवर्ती के धन्यवाद देलयं।

सउब अइसन सम्मेलन कर आयोजन कर महत्व आउर इकर से होवेक वाला फ़ायदा उपरे जोर देलयं। मौखिक प्रस्तुति आउर पोस्टर प्रस्तुति के प्रस्तुत करेक वाला दुईयों श्रेनी कर बिजेतामन के पुरस्कार परदान करल गेलक। आईसीएमसीएस 2025 कर संयोजक डॉ. राजेन कुंडू धन्यवाद करलयं।

पुरस्कार बिजेता

मौखिक प्रस्तुति

- पी. कुमार - आईआईटी खड़गपुर
- सुस्मित एम. निमजे - टाटा स्टील
- मुनमुन माजी - सीएसआईआर-सीआईएमएफआर

पोस्टर प्रस्तुति

- कनिष्क करण - एसीएसआईआर, सीआईएमएफआर
- कुन्दन कुमार - एसीएसआईआर एनएमएल, जमशेदपुर
- नीलू प्रिया तिर्की - रांची विश्वविद्यालय

समाहरणालय में आयोजित होलक बिदाई समारोह

पलामू। उपायुक्त कार्जालय कर स्टेनोग्राफर बीरेन्द्र कुमार ठाकुर आउर आदेशपाल दिलीप कुमार आइज 31 जनवरी 2025 के सेवानिवृत्त होए गेलयं ई उपलछ में समाहरणालय सभागार में सेवानिवृत्त होवल दुईयों करमीमन ले बिदाई समारोह कर आयोजन करल गेलक। ई अवसर में डीसी शशि रंजन दुईयों करमी के साल आउर बुके देइ के सम्मानित करलयं। इकर अलावा दुईयों करमीमन के बतौर सम्मान आउर उपहार भी देवल गेलक।

उपायुक्त शशि रंजन दुईयों करमीमन के उनकर आगामी जिनगी ले सुभकामना देलयं। ऊ दुईयों सेवानिवृत्त करमीमन से भविस में आपन स्वास्थ्य कर बिसेस ख्याल राखते परिवारजन संगे समय बितायेक कर बात कहलयं।

मालूम होवी कि बीरेन्द्र कुमार ठाकुर 16 नवंबर, 1990 के समाहरणालय में आपन जोगदान देलयं। इकर बाद पहिल पोस्टिंग कर रूप में अपर समाहर्ता कर कार्जालय में आपन सेवा देलयं। इकर बाद एसडीओ लातेहार,एसडीओ सदर संगे आउर महत्वपूर्न कार्जालय में आपन सेवा परदान करेक कर बाद आइज सेवानिवृत्त होलयं। ऊ कुल 34 बछर तक आपन काम कर निष्ठा पूर्बक निर्वहन करलयं। एहे तरह उपायुक्त कर आदेशपाल दिलीप कुमार भी 33 बछर कर सेवा परदान करेक कर बाद आइज सेवानिवृत्त होलयं। ई अवसर में मेदिनीनगर नगर आयुक्त, अपर समाहर्ता संगे आउर पदाधिकारी आउर बड़ संख्या में समाहरणालय करमीमन उपस्थित रहयं।

भारतीय वायु सेना प्राप्त करलक पहिल सी-295 बिमान

आगरा। वायु अफसर कमांडिंग-इन-चीफ, मध्य वायु कमान एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित कर उपस्थिति में भारतीय वायु सेना वायु सेना इस्टेसन आगरा में आपन पहिल सी-295 बिमान प्राप्त करलक। समारोह, नए सी-295 बिमान आउर दू गो एसयू-30 बिमान कर फोर्मेसन कर एगो प्रभावसाली फ्लाई-पास्ट कर संगे सुरू होलक। इकर में बिभिन्न नागरिक आउर सैन्य गनमान्य बेक्तिमन भाइग लेलयं। मध्य वायु कमान कर एगो फ्लाइंग स्क्वाड्रन में ई आधुनिक सैन्य परिवहन बिमान कर इंडक्सन, एगो महत्वपूर्न परिबर्तन आहे जे ई छेतर में हवाई संचालन के एगो फ्लिप देवी। मध्य वायु कमान में सैन्य उद्देस के पूरा करेक कर दिसा में एयर पावर इम्प्लॉइमेंट दिन भइर दिन बढ़ते जात हे। ई बिमान कर बहुमुखी प्रतिभा ई चुनौती के पूरा करेक ले आदर्स रूप से अनुकूल हय। बिमान कर लंबी पहुंच, कुसल भार उठायेक कर छमता, बहु-भूमिका छमता, आत्मसुरछा आउर आधुनिक ऑन-बोर्ड उपकरन उत्तरी सीमा कर संगे सैन्य उद्देस के पूरा करेक कर दिसा में एगो इष्टतम इम्प्लॉइमेंट कर सुबिधा प्रदान करबयं। ई बिमान पैरा कमांडो आउर बिसेस बल कर परसिछन के भी बढ़ावी, जे बाद में यथार्थवादी परिदृस में सीमा कर पार से केऊ भी खतरा ईया एगो आकस्मिकता के त्वरित पूरा करेक ले नियोजित करल जाए सकेला।

बिमान कर इंडक्सन चरनबद्ध तरीका से होवी। ई इंडक्सन मध्य वायु कमान कर हवाई संचालन में एगो मील कर पत्थर आहे। नव बिमान कर पारंपरिक 'वाटर कैनन सलामी' कर संगे उपयुक्त रूप से स्क्वाड्रन परिसर में सोवागत करल गेलक। समारोह कर समापन मेमेंटो एक्सचेंज आउर पहिल बिमान कर संगे टीम आगरा कर एगो तस्बीर कर संगे होलक।

अतुल्य गंगा साइक्लोथन टीम 'प्लास्टिक मुक्त गंगा' कर संदेस कर संगे पहुंचलक महाकुंभ

प्रयागराज। अतुल्य गंगा परिक्रमा कर आपन चौथा संस्करन में सैन्य वेटरन एनजीओ कर 12 सदस्य साइकिल चालक टीम, अतुल्य गंगा साइक्लोथन-2025 प्रयागराज कैंट 31 जनवरी 2025 के पहुंचलक। उनके जनरल ऑफिसर कमांडिंग, पुरवा यूपी आउर एमपी सब एरिया मेजर जनरल राजेश भट फ्लेग-इन करलयं। 11 दिन कर साइक्लोथन उत्तरकाशी से 21 जनवरी 2025 के पेडलिंग सुरू कइर रहयं। ₹प्लास्टिक फ्री गंगा₹ ले सउबकर भागीदारी कर संदेस कर संगे 1100+ किमी कर जात्रा कइर के महाकुंभ, प्रयागराज पहुंचलक।

137 टीए बीएन (गंगा टास्क फोर्स) कर लेफ्टिनेंट कर्नल मालविया भी कानपुर से प्रयागराज तक साइकिल चलाय के साइक्लोथन में सिरकत देलयं। ई अतुल्य गंगा कर गंगा बेसिन में कायाकल्प प्रयास कर वकालत करेक ले गंगा परिक्रमा इया साइक्लोथन कर लगातार चौथा बछर आहे। अतुल्य गंगा कर संस्थापक सदस्य लेफ्टिनेंट कर्नल लोहुमी भारतीय नदीमन के प्रभावित करेक वाला मुद्दा कर बारे में गहरी चिंता ब्यक्त करलयं। ऊ गंगा के दूसित करेक वाला प्लास्टिक कर कचरा कर खतरनाक स्तर में प्रकास डाललयं आउर नागरिकमन से बिसेस रूप से जुवामन से सक्रिय रूप से मां गंगा कर कायाकल्प आउर संरछित करेक कर उद्देस कर पहल में भाइग लेवेक कर आग्रह करलयं।

आपन जात्रा कर दौरान, अतुल्य गंगा टीम कर सदस्यमन 20 से बेसी इस्कूल आउर कॉलेजमन में आउटरीच कार्जकरम आयोजित करलयं। गंगा वोलनटियर्स कर संगे मिललयं। 500 से बेसी गाछ लगालयं। हजारों जुवामन के 'प्लास्टिक फ्री गंगा' ले अतुल्य गंगा कर प्रयास में सामिल होवेक आउर समर्थन करेक ले प्रेरित करलयं।

पिछला चाइर बछर में अतुल्य गंगा टीम अभूतपूर्व 5525 किमी गंगा वॉकथॉन, 3000 किमी गंगा साइक्लोथन आउर 1000 किमी यमुना साइक्लोथन के पूरा कइर हे। ई उनकर गंगा प्रयास कर चौथा संस्करन हेके। फ्लेग-इन कार्जकरम में, अतुल्य गंगा कर संस्थापक मेजर जनरल विनोद भट्ट अतुल्य गंगा टीम कर द्वारा एगो महत्वाकांछी नवा पहल कर घोसना करलयं – भविस कर बछर में पूरा तरह से प्लास्टिक मुक्त नदी प्रनाली के प्राप्त करेक कर दिसा में चलेक वाला प्रयास कर हिस्सा कर रूप में 2025-26 तक गंगोत्री छेतर से प्लास्टिक कर सउब रूप के खतं करेक कर प्रतिबद्धता।

अतुल्य गंगा साइक्लोथन-2025 कर प्रतिभागीमन में मेजर जनरल विनोद भट्ट, मेजर जनरल शिव जसवाल, श्रीमती नीलिमा जसवाल, सुश्री सुचेता पंचनादिकर, ब्रिगेडियर आर रावत, कर्नल प्रेम प्रकाश, कर्नल बीआरएल धामी, कर्नल आनंद स्वरूप, कर्नल विनोद मैथ्यूज, लेफ्टिनेंट कर्नल हेम लोहुमी, राकेश कुमार शर्मा (जीएम पीएनबी), कौशल कुमार शर्मा (पीएनबी), गोपाल शर्मा, कर्नल मनोज केश्वर, विष्णु सेमवाल आउर स्वप्निल भावसर सामिल रहयं।

मुद्रक व प्रकाशक **नीलम सिंह** द्वारा झारखंड वनिता उद्योग एसएचजी के लिए श्याम नगर, गांधी नगर सीसीएल कॉलोनी डीएवी गांधी नगर स्कूल के पीछे, थाना गोंदा, जिला-रांची, राज्य झारखंड-834008 से प्रकाशित एवं शिवा साईं पब्लिकेश प्राइवेट लिमिटेड रातू, काठीटांड़ टेंडर बगीचा के नजदीक, एचपी पेट्रोल पंप, पोस्ट व थाना रातू, रांची, झारखंड-835222 में स्थित प्रिंटिंग प्रेस में मुद्रित। आरएनआई पंजीयन संख्या. **JHABIL/2023/86791**, **संपादक** : नीलम सिंह, **प्रबंध संपादक** : कृशन गोपालका, **सलाहकार संपादक** : रतन लाल अग्रवाल। **फोन नंबर** : 8210640230, 9934166306, **ईमेल आइडी** : jharkhandwanitaudyog@gmail.com